अंजलि अरोड़ा की 'श्री रामायण कथा' से पहले देव शर्मा को ऑफर हुई थी आदिपुरुष और रामायण

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 31
न्यूनतम - 28

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

• वर्ष 42, • अंक 260 RNI NO.43285/85 • संस्करण- नगर • मुजफ्फरनगर शनिवार 19 सितम्बर 2026 • भाद्रपद शुक्ल 7 विक्रमी संवत • पृष्ठ 12 • मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

निठारी कांड के आरोपी रहे सुरेंद्र ने लगाई फांसी

• हरिद्वार में दुकान के भीतर मिली लाश, चाय बेचने का कर रहा था काम

हरिद्वार (एजेंसी)। चर्चित निठारी कांड के आरोपी रहे सुरेंद्र कोली ने हरिद्वार में फांसी लगाकर खुदकुशी की है। सुरेंद्र कोली का शव पुलिस को संदिग्ध परिस्थितियों में एक दुकान में मिला है। बताया जा रहा है कि सुरेंद्र कोली कुछ दिन से हरिद्वार में चाय बेचने का काम कर रहा था। उसका शव चाय की दुकान में रस्सी के सहारे फंसे पर लटका मिला है। सुरेंद्र कोली मूल रूप से अल्मोड़ा का रहने वाला था, पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर जांच शुरू कर दी है। घटना शहर कोतवाली की सप्त ऋषि पुलिस चौकी की है। जहां सप्त सरोवर रोड लालमाता मंदिर के सामने चाय की दुकान में पुलिस को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। जिसकी पहचान सुरेंद्र कोली निवासी ग्राम मंगरुखाल, भिकियासेड़ अल्मोड़ा के रूप में कराई। पुलिस ने परिजनों को इसकी सूचना दी है। साथ ही घटना के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार सुरेंद्र कोली कुछ महीनो से हरिद्वार में रह रहा था और चाय का खोखा किराए पर लेकर चला रहा था। पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

'हम नीरज को हराएंगे' बिहार में अनंत सिंह के बागी तेवर

एमएलसी चुनाव में पार्टी गाइड लाइन से अलग चुनी राह

पटना (एजेंसी)। मोकामा से जनता दल यूनाइटेड के विधायक अनंत सिंह ने अपनी ही पार्टी के खिलाफ बगावती सुर अपना लिए हैं। पटना में मौजूद होने के बावजूद वे जदयू विधायकों की अहम बैठक से नदारद रहे। इसके साथ ही उन्होंने आगामी विधान परिषद चुनाव में पार्टी प्रत्याशी और मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार का खुलकर विरोध करने की घोषणा की है। अनंत सिंह ने अपनी ही

पार्टी के उम्मीदवार को खुली चुनौती देते हुए दावा किया है कि नीरज कुमार का चुनाव जीतना तो दूर, अगर वे अपनी जमानत भी बचा लें तो यह बहुत बड़ी बात होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे किसी भी कीमत पर नीरज कुमार को चुनाव हराने के लिए पूरा जोर लगाएंगे। **विरोध का कारण और बैठक से दूरी–** पार्टी उम्मीदवार के खिलाफ मोर्चा खोलने का कारण बताते हुए विधायक ने कहा कि जब वे विधानसभा का चुनाव लड़ रहे थे, तब नीरज कुमार ने भी उनका विरोध किया था। ऐसे में नीरज के जीतने या हारने से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। वहीं, शुक्रवार को हुई पार्टी की बैठक में शामिल न होने के सवाल पर अनंत सिंह ने सफाई दी कि उन्हें अपने विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर जाना था, जिसके कारण वे बैठक में हिस्सा नहीं ले सके।

रणवीर सिंह ने लिया 1000 बेटियों की पढ़ाई का खर्च उठाने का संकल्प

• लालबागचा राजा पहुंचे थे; बोले-आशा है, इससे बप्पा प्रसन्न होंगे

मुंबई (एजेंसी)। एक्टर रणवीर सिंह ने मुंबई के प्रसिद्ध लालबागचा राजा पंडाल में पहुंचकर गणपति बप्पा के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 1000 बेटियों की शिक्षा में मदद करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि बप्पा का आशीर्वाद लेकर आगे के सफर के लिए उनका आशीर्वाद मांगा। एक इंटरव्यू में रणवीर ने कहा, बहुत अच्छा लग रहा है यहां आकर। जो पिछला साल गुजरा है, मेरे लिए और मेरे परिवार के लिए खुशियों से भरा रहा, बप्पा की कृपा से। तो यहां आए हैं उनके दर्शन करने, उनको धन्यवाद कहने और उनका आशीर्वाद लेने, आगे के सफर के लिए, जीवन के सफर के लिए।

जापान में मनु भाकर और तेजिंदर तूर संभालेंगे भारतीय झंडा

एशियन गेम्स की ओपनिंग सेरेमनी आज,बने भारतीय दल के ध्वजवाहक

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार निशानेबाज मनु भाकर और शॉटपुट में गत चैंपियन तेजिंदर पाल सिंह तूर को एशियन गेम्स 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में भारत के ध्वजवाहक होंगे। एशियन गेम्स में इवेंट्स की शुरुआत हो गई है लेकिन अभी ओपनिंग सेरेमनी नहीं हुई है। ओपनिंग सेरेमनी के बाद मेडल इवेंट होंगे। 20वें एशियाई खेल जापान के आइची प्रान्त और नागोया में हो रहे हैं। भारत के अभियान प्रमुख सहदेव यादव ने कहा कि मनु भाकर एक ध्वजवाहक होंगी। इसके

बाद में भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने पुष्टि की कि तूर दूसरे ध्वजवाहक होंगे। 24 साल की मनु भाकर ने 2024 पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए दो मेडल जीते थे। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल में व्यक्तिगत के साथ ही मिक्स्ड टीम का ब्रॉन्ज मेडल जीता था। 31 साल के तूर एशियन गेम्स में शॉट पुट के दो बार के डिफेंडिंग गोल्ड मेडलिस्ट हैं।

496 भारतीय एथलीट एशियन गेम्स में उतरेंगे

19 सितंबर को एशियन गेम्स की ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन पालोमा मिजुहो स्टेडियम में किया जाएगा। यह मल्टी स्पोर्ट्स स्टेडियम है। इसकी क्षमता 30 हजार दर्शकों की है और यहां एशियन गेम्स के एथलेटिक्स के भी इवेंट होंगे। भारत की तरफ से कुल 496 एथलीट्स एशियन गेम्स में उतरने वाले हैं। इसमें 265 पुरुष और 231 महिलाएं हैं। 2022 में चीन में हुए एशियन गेम्स में भारत ने 28 गोल्ड समेत कुल 106 मेडल जीते थे। इस एशियन गेम्स में 46 देश के 10 हजार से ज्यादा एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। 43 खेल के 469 इवेंट्स में खिलाड़ी मेडल के लिए दावेदारी पेश करेंगे। मेजबान जापान की तरफ से सबसे ज्यादा 919 एथलीट गेम्स में हिस्सा लेंगे। एशियन गेम्स इतिहास का सबसे सफल देश चीन 803 एथलीट उतारेगा।

जी-20 देशों में सबसे आगे होंगे 'हिंदुस्तानी'

इस साल सबसे तेज बढ़ सकती है 'भारतीय' अर्थव्यवस्था

मूडीज ने जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6 से 7 फीसदी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की अर्थव्यवस्था इस साल जी 20 देशों में सबसे तेज बढ़ सकती है। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मूडीज ने यह अनुमान लगाया है। एजेंसी ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया है। मूडीज का कहना है कि मिडिल ईस्ट में तनाव और संघर्ष के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था पर इसका असर अनुमान से काफी कम पड़ा है। मजबूत घरेलू खपत, इंफ्रास्ट्रक्चर पर सरकारी खर्च, प्राइवेट इन्वेस्टमेंट में सुधार के संकेत और सर्विस सेक्टर की लगातार मजबूती से भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार बनी हुई है।

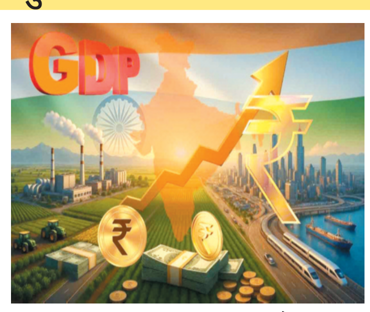

कच्चे तेल की कीमतें और महंगाई अभी भी चिंता का विषय

मूडीज ने चेतावनी दी है कि भले ही जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया गया है, लेकिन जोखिम पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार बजट घाटा कम करने के अपने लक्ष्य पर कायम है। सरकार इसे पिछले साल के 4.4 फीसदी से घटाकर वित्त वर्ष 2026-27 में 4.3 फीसदी करना चाहती है। हालांकि, अगर दुनिया में ऊर्जा के दाम बढ़ते हैं तो सरकार को लोगों को राहत देने के लिए ज्यादा सब्सिडी देनी पड़ सकती है। इसके अलावा, रक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर पर ज्यादा खर्च की जरूरत है। ऐसे में सरकार के कर्ज को तेजी से कम करना मुश्किल होगा।

घरेलू मांग और सर्विस सेक्टर बने ग्रोथ के मुख्य पिलर

मूडीज के मुताबिक, भारत की इस तेज ग्रोथ की सबसे बड़ी वजह देश में बढ़ती मांग है। लोगों का खर्च बढ़ा है और कंपनियों के निवेश में भी तेजी बनी हुई है। कंपनियों और प्राइवेट सेक्टर की ओर से नए निवेश के संकेत मिलने लगे हैं। वहीं, सर्विस सेक्टर भी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। इससे भारत की अर्थव्यवस्था को बाहरी झटकों से उबरने में मदद मिली है। मूडीज ने भारत की क्रेडिट रेटिंग बीएए 3 पर बरकरार रखी है। साथ ही, देश का आउटलुक 'स्टेबल' यानी स्थिर रखा है। मूडीज के मुताबिक, भारत की अर्थव्यवस्था बड़ी है और कई अलग-अलग क्षेत्रों पर टिकी है। हालांकि, सरकार पर कर्ज का बोझ और लोगों की कम प्रति व्यक्ति आय अब भी बड़ी चुनौतियां हैं।

पाकिस्तान में जुमे की नमाज के दौरान धमाका

• मस्जिद में 15 लोगों की मौत, 50 से ज्यादा घायल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को भीषण बम ब्लास्ट हुआ है। कोहाट जिले के पुलिस लाइंस इलाके की मस्जिद को धमाके का निशाना बनाया गया। इसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हुए हैं। ये धमाका दोपहर के वक्त जुमे की नमाज के समय हुआ। जुमे की वजह से मस्जिद के अंदर और बाहर काफी भीड़ थी। इसके चलते ब्लास्ट से बड़े पैमाने पर जनहानि हुई है। घायलों में कई पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। डिस्ट्रिक्ट हेडक्वार्टर अस्पताल के एमडी ताहिर अली शाह ने जियो न्यूज को बताया कि धमाके के बाद 15 शव और 50 से घायल लोगों को अस्पताल लाया गया। इसमें कई घायलों की हालत गंभीर बताई गई है। पुलिस के मुताबिक, धमाका जुमे की नमाज के दौरान हुआ।

पेपर लीक रोकने के क्या हुए इंतजाम, खुद जांचेगा सुप्रीम कोर्ट

• जज एनटीए दफ्तर जाएंगे,एजेंसी ने कहा था- एग्जाम सिस्टम फुलप्रूफ बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि जरूरत पड़ने पर नीट परीक्षा सिस्टम की जांच के लिए जज नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के ऑफिस का दौरा करेंगे। वे देखेंगे कि परीक्षा को सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से कराने के इंतजाम वास्तव में काम कर रहे हैं या नहीं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अलोक अराधे की बेंच यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट, फेमा और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। इसमें एनटीए को भंग करने और पेपर लीक रोकने के लिए मजबूत निगरानी सिस्टम की मांग की गई है। इससे पहले सरकार ने 19 अगस्त को अपना पक्ष रखा था।

डिजिटल परीक्षा चरणबद्ध तरीके से होगी

कोर्ट ने कहा कि लिखित परीक्षा से डिजिटल परीक्षा की ओर बदलाव अचानक नहीं किया जा सकता। इसे धीरे-धीरे लागू करना होगा, ताकि नई व्यवस्था में परेशानी न हो। कोर्ट ने कहा कि परीक्षा सुधारों को लेकर वकील और राज्य अपने सुझाव तय ई-मेल के जरिए भेज सकते हैं। इन सुझावों को सुधार प्रक्रिया में शामिल किया जा सकेगा। केंद्र ने कोर्ट को बताया कि नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता वाली हाई-पावर्ड पैनल की पहली अंतरिम रिपोर्ट सितंबर के अंत तक आने की संभावना है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री के काफिले पर हमला, कार के शीशे तोड़े

• अंडे-टमाटर भी फेंके, बिट्टू का एएपी समर्थकों पर आरोप

गुरदासपुर (एजेंसी)। पंजाब में बीजेपी की नशा मुक्त रथ यात्रा शुरू होने से पहले पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू के काफिले पर हमला हो गया। बिट्टू शुक्रवार को अमृतसर से पठानकोट में यात्रा में शामिल होने के लिए जा रहे थे। बिट्टू ने कहा कि बटाला (गुरदासपुर) के पास काफिले को घेरा गया। इसके बाद हमला कर गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए गए। उन पर टमाटर और अंडे फेंके गए। पूर्व सीएम बेअंत सिंह के पोते रवनीत बिट्टू को वाय+ सिक्योरिटी मिली हुई है। माहौल बिगड़ते देख उनके सुरक्षाकर्मी तुरंत उन्हें एक घर में ले गए। बिट्टू ने आरोप लगाया कि फतेहगढ़ चूड़ियां से एएपी के हलका इंचार्ज जोबन रंधावा के समर्थकों ने लंगर की आड़ में उन पर हमला किया है। उन्होंने 2 आरोपियों को भी पकड़ा। इस पर राघव चड्ढा ने अपनी राय रखी है।

बंगाल में नंदीग्राम उपचुनाव से हटीं ममता बनर्जी की प्रत्याशी

सीएम शुभेंदु से मुलाकात के बाद हुआ 'खेला', नाम वापस लिया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल उपचुनाव से 18 दिन पहले ममता गुट की कैंडीडेट संचिता प्रधान डे ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। संचिता ने नाम वापसी को लेकर लेटर भी जारी किया। संचिता ने इससे पहले बंगाल सीएम शुभेंदु से मुलाकात की थी। ममता ने संचिता को नंदीग्राम से उम्मीदवार बनाया था। हालांकि रेजीनगर से रबीउल आलम चौधरी मैदान में बने रहेंगे। ममता ने 13 सितंबर को दोनों कैंडीडेट के नामों को ऐलान किया था। नंदीग्राम सीट मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने खाली की थी। रेजीनगर सीट आम जनता उन्नयन पार्टी के संस्थापक हुमायूं कबीर के इस्तीफे के बाद खाली हुई। दोनों सीटों पर 6 अक्टूबर को चुनाव होगा और रिजल्ट 9 अक्टूबर को आएगा। ममता बनर्जी की पार्टी के सिंबल पर चुनाव अयोग ने रोक लगा रखी है।

ममता की पार्टी का नाम 'ममता टीएमसी', सिंबल फुटबॉल प्लेयर

बंगाल में दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव से 18 दिन पहले चुनाव आयोग ने टीएमसी के दोनों गुटों को अलग-अलग नाम और चुनाव चिह्न आवंटित कर दिए हैं। ममता बनर्जी के गुट को 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' और 'फुटबॉल खिलाड़ी' का चिह्न मिला है, जबकि दूसरे गुट को 'डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस' और 'लिफाफा' दिया गया है। इससे एक दिन पहले आयोग ने दोनों गुटों के 'ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' नाम और 'फूल-घास' वाले मूल चुनाव पर रोक लगा दी है।

राहुल उवाच, वोट चोरी के बाद अब पार्टी की चोरी

• राहुल बोले-यह सिर्फ ममता बनर्जी की लड़ाई नहीं बची है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के चुनाव चिह्न और नाम के इस्तेमाल पर रोक लगाने के चुनाव आयोग के आदेश की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ये लड़ाई सिर्फ ममता बनर्जी की नहीं है। वोट चोरी और सरकार चोरी के बाद अब पार्टी चोरी हो रही है। राहुल गांधी ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा- पहले शिवसेना, फिर एनसीपी और अब तृणमूल कांग्रेस। हर बार एक ही पैटर्न- बीजेपी और चुनाव आयोग मिलकर एक पार्टी को तोड़ते हैं। फिर उसका चुनाव चिन्ह छीन लिया जाता है। उन्होंने लिखा- जब पूरी की पूरी पार्टी चोरी हो सकती है, तो करोड़ों भारतीयों के वोट चोरी होना भी हैरानी की बात नहीं। वोट चोरी। सरकार चोरी। अब पार्टी चोरी - ये हमारे लोकतांत्रिक पतन के प्रतीक बन गए हैं।

धर्म रिलीजन नहीं, जीवन का अनुशासन है

• भागवत बोले-प्राण बचाने के लिए भी इसे न छोड़ें • उज्जैन में धर्म संसद में 1700 स्टूडेंट रहे मौजूद

यहां सेक्युलर लागू नहीं होता,भारत धर्मप्राण देश है

उज्जैन (एजेंसी)। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने उज्जैन में युवा धर्म संसद में संवाद किया है। संवाद के दौरान संघ प्रमुख ने युवाओं को धर्म और रिलीजन मतलब समझाया है। उन्होंने धर्म हमें मुक्त करता है और रिलीजन बांधता है। हमें धर्म को मानना है। संघ प्रमुख ने कहा कि पाश्चत्य तरीके से खेती करने की वजह से गड़बड़ियां हो रही हैं। मोहन भागवत ने कहा कि गीता और रामायण को रिटायरमेंट के बाद पढ़ने के ग्रंथ है, लेकिन ऐसा नहीं है। धर्म अस्तित्व के प्रारंभ से लेकर अंत तक रहता ही है और सब कुछ उसी के अनुसार चलता है। आप इसको मानो या मत मानो। दुनिया में कुछ चीजों हैं, सूर्य है, आप कुछ नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि अगर नहीं मानते, तो मत मानो, लेकिन उसका उदय और अस्त निश्चित है। जब कोई व्यक्ति अहंकार में आकर काम करता है, यह मानकर कि सब कुछ उसके नियंत्रण में है और उसकी इच्छा के अनुसार होना चाहिए, तो उसे गलतफहमी हो जाती है कि चीजें वैसी ही होंगी जैसा वह चाहता है, लेकिन ऐसा नहीं है। जब मुझे उद्घाटन भाषण देना था, तो मेरे मन में कई विचार आ रहे थे कि मुझे क्या कहना चाहिए। मैं धर्म का विशेषज्ञ नहीं हूं।

हमारे संदर्भों में सेक्युलर लागू नहीं होता

संवाद में संघ प्रमुख ने कहा कि हमारे यहां सेक्युलर लागू नहीं होता है। भारत में जब भी भारतीयों का राज्य रहा, यहां राज धर्म के आधार पर ही चला है। पश्चिम में एक देश है जो हमें बार-बार परेशान करता है। लेकिन हम कुछ नहीं करते हैं। दुनिया के संघर्षों के बीच में हम नहीं पड़े है। हमने संकट के समय लोगों की मदद की है। किसी भी विचारधारा की सरकार हमारे देश में रही हो लेकिन हमलोगों ने मदद की है। क्योंकि हमारे जिन में धर्म है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि गुरुदेव रानाडे, एक इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में डीन ऑफ फिलॉसफी हो गए, साक्षात्कारी महापुरुष थे। वो कहते थे कि हर धर्म के ऊपर एक और धर्म है।

जम्मू-कश्मीर में लश्कर मददगारों के ठिकानों पर पुलिस की छापेमारी

• चीन में बनी 2 ग्रेनेड, एक पिस्तौल-गोलियां बरामद; 4 दिन पहले 3 आतंकी मददगार गिरफ्तार हुए थे

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में राजौरी पुलिस ने गुरुवार को 4 दिन पहले गिरफ्तार किए गए 3 आतंकी मददगारों के ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान एक पिस्तौल, मैगजीन और गोलियां बरामद की गईं। इसके अलावा 2 चीनी ग्रेनेड भी मिले। दरअसल, पुलिस ने 14 सितंबर को आतंकियों की मदद करने के आरोप में 3 लोगों को गिरफ्तार किया था। तीनों आरोपी कोट चरवाल के रहने वाले हैं।

• **एफआईआर नंबर की जांच के दौरान मॉड्यूल का पता चला–** पुलिस के मुताबिक, राजौरी के धरमसाल थाने में दर्ज एफआईआर नंबर 95/2026 की जांच के दौरान इस मॉड्यूल का पता चला। जांच में सामने आया कि तीनों आरोपी प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े थे। उन्होंने आतंकियों को रहने की जगह दी और उन्हें दूसरी जगह पहुंचाने में मदद की।

अनमोल वचन

जिनके प्रयासों और पुरुषार्थों में हमेशा निरन्तरता होती है, 'चरैवेति चरैवेति' जिनका मूल मंत्र है; उनके लिये असम्भव कुछ भी नहीं। जीवन में यदि हम अपना लक्ष्य प्राप्त करना चाहते हैं तो संकल्पशील होना आवश्यक है। सफलता की पहली सीढ़ी है 'दृढ़ संकल्प'। आज की युवा पीढ़ी में इसी बात का ही अभाव है। इसलिये वे सदा अपनी विफलता का रोना रोते रहते हैं। संकल्प-रहित व्यक्ति में न कुछ करके गुजरने का उत्साह होता है, न साहस। दृढ़ संकल्प मनुष्य के आत्मविश्वास को जाग्रत करता है। कठिनाइयों से जूझने की प्रेरणा देता है 'हमारा आत्मविश्वास'। निराशा के अंधकार से मुक्त कर मनुष्य को आशावादी बनाता है आत्मविश्वास। महान व्यक्तियों की उपलब्धियों के पीछे उनके सात्विक विचार और शुभ संकल्प ही होते हैं, किन्तु आत्मविश्वास ही उनके शुभ संकल्पों को पूर्णता की ओर ले जाने की प्रेरणा देता है।

आसपा को पश्चिमी यूपी में बड़ा झटका, अमीर आलम और नवाजिश आलम ने छोड़ी पार्टी

पूर्व सांसद और पूर्व विधायक पिता-पुत्र ने आजाद समाज पार्टी से दिया इस्तीफा, नवाजिश आलम ने फेसबुक पोस्ट के जरिए दी जानकारी, 2027 से पहले सियासी हलचल तेज

मुजफ्फरनगर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सियासत में शुक्रवार को उस समय बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया, जब पूर्व सांसद अमीर आलम खान और उनके बेटे पूर्व विधायक नवाजिश आलम खान ने आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) से इस्तीफा दे दिया। पूर्व विधायक नवाजिश आलम खान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर पोस्ट कर अपने इस्तीफे की जानकारी सार्वजनिक की। पिता-पुत्र के एक साथ पार्टी छोड़ने की खबर सामने आते ही पश्चिमी यूपी के राजनीतिक गलियारों में चचाओं का दौर शुरू हो गया। फेसबुक पोस्ट से सामने आया बड़ा फैसला

नवाजिश आलम खान की फेसबुक पोस्ट के बाद उनके समर्थकों और राजनीतिक संपर्कों में इस घटनाक्रम को लेकर चर्चा तेज हो गई। दोनों नेताओं के एक साथ आसपा से अलग होने को संगठन और पश्चिमी यूपी की राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, उनके इस्तीफे के पीछे की वजह के संबंध में वही बातें आधिकारिक मानी जानी चाहिए, जो स्वयं नवाजिश आलम खान ने अपनी पोस्ट अथवा किसी आधिकारिक बयान में कही हैं।

रालोद छोड़कर आसपा में गए थे पिता-पुत्र

अमीर आलम खान और नवाजिश आलम खान का आजाद समाज पार्टी में जाना भी करीब डेढ़ साल पहले पश्चिमी यूपी की राजनीति में चर्चा का विषय बना था। जनवरी 2025 में दोनों नेताओं के राष्ट्रीय लोकदल छोड़ने की जानकारी सामने आई थी। इसके बाद 2 फरवरी 2025 को शामली के गढ़ीपुख्ता में आयोजित कार्यक्रम में दोनों ने आजाद समाज पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी। उस समय पार्टी अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद की मौजूदगी में पिता-पुत्र ने आसपा का दामन थामा था।

चार दशक से राजनीति में सक्रिय है परिवार अमीर आलम खान का परिवार पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में लंबे समय से सक्रिय रहा है। अमीर आलम खान मुजफ्फरनगर और शामली क्षेत्र की राजनीति में अलग-अलग समय पर महत्वपूर्ण भूमिका में रहे हैं। वह उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य रहने के साथ कैराना लोकसभा सीट से सांसद और राज्यसभा सदस्य भी रह चुके हैं। उनके बेटे नवाजिश आलम खान भी सक्रिय राजनीति में रहे हैं। नवाजिश आलम खान वर्ष 2012 से 2017 तक बुढ़ाना विधानसभा क्षेत्र से उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य रहे।

रालोद से भी रहा लंबा राजनीतिक जुड़ाव अमीर आलम और नवाजिश आलम का राष्ट्रीय लोकदल से भी राजनीतिक जुड़ाव रहा। जनवरी 2025 में आसपा में जाने से पहले दोनों नेताओं के रालोद छोड़ने की खबर ने पश्चिमी यूपी की सियासत में हलचल पैदा की थी। उस समय सामने आई रिपोर्टों में बताया गया था कि पिता-पुत्र लंबे समय तक रालोद से जुड़े रहे और इसके बाद उन्होंने चंद्रशेखर आजाद की पार्टी का रुख किया।

अब अगला कदम क्या होगा, निगाहें टिकीं

पिता-पुत्र के आसपा से इस्तीफे के बाद अब सबसे ज्यादा निगाहें उनकी अगली राजनीतिक दिशा पर टिकी हैं। फिलहाल दोनों नेताओं की ओर से किसी अन्य राजनीतिक दल में शामिल होने की घोषणा सामने नहीं आई है। ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आने वाले दिनों में अमीर आलम खान और नवाजिश आलम खान किस राजनीतिक मंच के साथ आगे बढ़ते हैं या अपनी अगली रणनीति अलग से तय करते हैं।

2027 से पहले इस्तीफे ने बढ़ाई राजनीतिक हलचल

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच यह घटनाक्रम सामने आया है। आजाद समाज पार्टी भी विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन विस्तार और विधानसभा स्तर पर जिम्मेदारियां तय करने में जुटी है। जुलाई 2026 में पार्टी ने प्रदेश की 45 विधानसभा सीटों के लिए प्रभारियों की घोषणा की थी और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के निर्देश दिए थे। ऐसे राजनीतिक माहौल में पश्चिमी यूपी में पहचान रखने वाले पिता-पुत्र का एक साथ पार्टी से अलग होना चर्चा का विषय बन गया है। अब राजनीतिक हलकों की नजर इस बात पर है कि दोनों नेता आगे किस दिशा में कदम बढ़ाते हैं और इसका क्षेत्रीय राजनीति पर क्या असर पड़ता है।

समर्थकों में भी बढ़ी उत्सुकता

अमीर आलम खान और नवाजिश आलम खान के समर्थकों के बीच भी इस्तीफे को लेकर उत्सुकता बनी हुई है। नवाजिश आलम की फेसबुक पोस्ट के बाद समर्थकों की निगाहें उनके अगले बयान पर टिकी हैं। यदि आने वाले दिनों में पिता-पुत्र अपनी अगली राजनीतिक भूमिका को लेकर कोई घोषणा करते हैं, तो पश्चिमी यूपी की राजनीति में उसका असर देखने को मिल सकता है।

भाकियू की किसान-महापंचायत में राकेश टिकैत का ऐलान: 23 अक्टूबर को लखनऊ कूच करेंगे किसान

राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान पर रात को हुई महापंचायत में ट्रैक्टरों के साथ उमड़ा किसानों सैलाब

मुजफ्फरनगर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कृषि राजनीति के केंद्र रहे मुजफ्फरनगर के राजकीय इंटर कॉलेज (जीआईसी) मैदान पर गुरुवार की रात भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) की ओर से आयोजित विशाल महापंचायत में हजारों की संख्या में किसान अपने ट्रैक्टरों के साथ पहुंचे। भाकियू की ओर से पहली बार रात के समय बुलाई गई पंचायत में दूर-दराज से आए किसान और मजदूर शामिल हुए, जिसमें गन्ने का भाव का मुद्दा गूंजता रहा। इस महापंचायत में भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने मंच से गरजते हुए किसानों के अधिकार, न्यूनतम समर्थन मूल्य, कर्ज राहत और स्थानीय समस्याओं को लेकर 16 सूत्रीय मांग पत्र की घोषणा की। भाकियू की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम 16 और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम 15 सूत्री मांगपत्र भेजा गया। 23 अक्तूबर को गन्ना भवन लखनऊ पर पंचायत का ऐलान

भाकियू अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत की मौजूदगी में चौधरी राकेश टिकैत ने जीआईसी के मैदान से सरकार को चेतावनी दी कि गलतफहमी में नहीं रहना चाहिए। उन्होंने ऐलान किया कि अब 23 अक्तूबर को गन्ना भवन लखनऊ पर पंचायत होगी। राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान पर आयोजित किसान मजदूर महापंचायत में भाकियू टिकैत ने किसान हितों के लिए संगठित होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। प्रदेश में सिलसिलेवार किसान पंचायतें होंगी। नए पेराई सत्र में गन्ने का मूल्य 500 रुपये प्रति क्विंटल मांगा गया। फसलों के लिए स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश के अनुसार एमएसपी की कानूनी गारंटी एवं सरकारी खरीद कानून बनाए जाने तक संघर्ष का एलान किया गया। संगठन की ओर से पहली बार रात के समय बुलाई गई पंचायत में दूर-दराज से आए किसान और मजदूर शामिल हुए और गन्ने के भाव का मुद्दा गूंजता रहा। मुजफ्फरनगर महापंचायत के मंच से चौधरी राकेश टिकैत ने राज्य एवं केंद्र सरकार के सामने 16 मुख्य बिंदु रखे, जो सीधे तौर पर किसानों की आजीविका और क्षेत्रीय समस्याओं से जुड़े हैं। फसलों की खरीद व मूल्य के तहत सभी प्रमुख फसलों की लाभकारी मूल्य पर पारदर्शी और मजबूत सरकारी खरीद व्यवस्था पर बल दिया गया। वहीं गन्ने का भाव व भुगतान के तहत गन्ने का मूल्य 500 प्रति क्विंटल करने और चीनी मिलों से बकाया भुगतान तुरंत दिलाने की मांग रखी गई। निर्बाध बिजली आपूर्ति के तहत कृषि नलकूपों को पर्याप्त बिजली, वोल्टेज समस्या, ट्रिपिंग और अनियंत्रित कटौती का समाधान मांगा गया। खाद व उर्वरक की उपलब्धता के तहत डीएपी और यूरिया की पर्याप्त आपूर्ति, कालाबाजारी तथा जमाखोरी पर सख्त कार्रवाई की मांग हुई। पंचायत में आवारा पशु समस्या के तहत ग्राम स्तर पर स्थायी व्यवस्था और गौशालाओं के नियमित संचालन की निगरानी की मांग रखी गई। आपदा मुआवजा के तहत बाढ़, सूखा, ओलावृष्टि आदि से हुए नुकसान का तत्काल पारदर्शी मुआवजा व सरल फसल बीमा की मांग की गई। सिंचाई व्यवस्था के तहत नहरों की सफाई, टेल (अंतिम छोर) तक पानी की पहुंच और बंद नलकूपों को चालू करने को कहा गया। कृषि ऋण राहत के तहत छोटे व सीमांत किसानों के लिए ऋण पुनर्गठन तथा कठोर वसूली पर रोक की मांग की गई। मंडी व्यवस्था में सुधार के तहत पारदर्शी तौल, समयबद्ध भुगतान और बिचौलियों के शोषण पर रोक लगाने की बात कही गई। सामाजिक सुरक्षा व सहायता के तहत कृषि कार्य के दौरान दुर्घटना/मृत्यु होने पर प्रभावित परिवारों को त्वरित आर्थिक मदद देने की मांग की गई। भूमि अधिग्रहण नीति के तहत पारदर्शी मुआवजा, प्रभावित किसानों की सहमति, उचित पुनर्वास और रोजगार के प्रावधान की मांग की गई। मुकदमों की वापसी के तहत आंदोलनों के दौरान दर्ज मुकदमों की निष्पक्ष समीक्षा और बेबुनियाद केस वापस लेने को कहा गया। लागत नियंत्रण के तहत डीजल, बीज, कीटनाशक व कृषि यंत्रों के बढ़ते दामों पर प्रभावी रोक की मांग की गई।

जयसिंह कश्यप हत्याकांड में दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई: नरेंद्र कश्यप

खरड़ पहुंचकर शोकाकुल परिवार से मिले राज्यमंत्री, निजी स्तर से 50 हजार रुपये की सहायता; दो आरोपी गिरफ्तार, बाकी की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश

मुजफ्फरनगर। ग्राम खरड़ में जयसिंह कश्यप की हत्या के बाद मामले को लेकर प्रशासन और पुलिस की कार्रवाई तेज हो गई है। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की और उन्हें न्याय दिलाने का भरोसा दिया। उन्होंने अपने निजी स्तर से परिवार को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी दी। अधिकारियों से घटना की जानकारी लेते हुए उन्होंने शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तेजी से कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

परिवार की आर्थिक स्थिति देखते हुए निजी सहायता

राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर घटना पर दुख जताया। परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए उन्होंने अपनी ओर से 50 हजार रुपये की सहायता प्रदान की। साथ ही जिलाधिकारी और उपजिलाधिकारी को शासन स्तर से अनुमन्य आर्थिक सहायता दिलाने के लिए तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री राहत कोष से सहायता दिलाने का भरोसा

नरेंद्र कश्यप ने कहा कि वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर पीड़ित परिवार को मुख्यमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहायता दिलाने का अनुरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में परिवार को आर्थिक संबल उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

दो आरोपी गिरफ्तार, बाकी की गिरफ्तारी के निर्देश

राज्यमंत्री ने मौके पर मौजूद उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी और थानाध्यक्ष से हत्याकांड की कार्रवाई की जानकारी ली। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। इस पर राज्यमंत्री ने शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस को गंभीरता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घटना में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाना चाहिए और सभी आरोपियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए।

निष्पक्ष जांच और प्रभावी कार्रवाई पर जोर

राज्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि मामले की विवेचना निष्पक्ष और प्रभावी तरीके से की जाए। घटना में प्रत्येक आरोपी की भूमिका की जांच करते हुए साक्ष्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कानून-व्यवस्था के मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। नरेंद्र कश्यप ने कहा कि जयसिंह कश्यप की हत्या बेहद दुखद घटना है। उन्होंने परिजनों को भरोसा दिलाया कि घटना में शामिल किसी भी व्यक्ति को संरक्षण नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि दोषियों की भूमिका की जांच कर उनके खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए प्रभावी पैरवी सुनिश्चित की जाएगी।

परिवार के साथ खड़े रहने का भरोसा

राज्यमंत्री ने कहा कि इस कठिन समय में सरकार और प्रशासन पीड़ित परिवार के साथ है। उन्होंने परिजनों को आश्वस्त किया कि वह स्वयं मामले की कार्रवाई पर नजर रखेंगे और परिवार को न्याय तथा आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।

यात्रा के दौरान गुम हुआ 70 हजार का आईफोन, भोपा पुलिस ने एक घंटे में खोज निकाला

खतौली निवासी योगेश मोगा का रास्ते में खो गया था आईफोन, सूचना मिलते ही सक्रिय हुई पुलिस और तलाश कर मोबाइल बरामद कर किया सुपुर्द

मुजफ्फरनगर। यात्रा के दौरान करीब 70 हजार रुपये कीमत का आईफोन गुम होने के बाद परेशान हुए खतौली निवासी योगेश मोगा को उस समय राहत मिली, जब भोपा थाना पुलिस ने सूचना मिलने के महज एक घंटे के भीतर उनका मोबाइल फोन बरामद कर उन्हें वापस सौंप दिया। पुलिस की तत्परता से मोबाइल वापस मिलने पर योगेश मोगा ने मुजफ्फरनगर पुलिस का आभार जताया। जानकारी के अनुसार, 18 सितंबर 2026 को योगेश मोगा निवासी खतौली यात्रा पर थे। इसी दौरान उनका करीब 70 हजार रुपये कीमत का आईफोन रास्ते में कहीं गुम हो गया। काफी तलाश करने के बाद भी जब मोबाइल का पता नहीं चला तो उन्होंने इसकी सूचना थाना भोपा पुलिस को दी। आईफोन गुम होने की सूचना मिलते ही थाना भोपा पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने उपलब्ध जानकारी और अपने स्तर पर किए गए प्रयासों के आधार पर मोबाइल की तलाश शुरू की। पुलिस की टीम लगातार आईफोन को खोजने में जुटी रही। भोपा पुलिस के प्रयासों का परिणाम यह रहा कि करीब एक घंटे के भीतर गुम हुआ आईफोन बरामद कर लिया गया। पुलिस ने मोबाइल को उसके वास्तविक मालिक योगेश मोगा के सुपुर्द कर दिया। अपना कीमती मोबाइल वापस मिलने पर योगेश मोगा ने राहत की सांस ली।

पुलिस की तत्परता की सराहना

आईफोन वापस मिलने के बाद योगेश मोगा ने मुजफ्फरनगर पुलिस की कार्यकुशलता और तत्परता की सराहना की। उन्होंने कहा कि पुलिस ने सूचना मिलने के बाद जिस तेजी से कार्रवाई की, उससे उन्हें अपना मोबाइल जल्द वापस मिल गया। योगेश मोगा ने मुजफ्फरनगर पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यात्रा के दौरान मोबाइल गुम होने के बाद उन्होंने इसकी सूचना भोपा पुलिस को दी थी। पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेकर अथक प्रयास किए और मात्र एक घंटे में आईफोन बरामद कर उन्हें सौंप दिया। उन्होंने पुलिस की तत्परता के लिए हृदय से धन्यवाद व्यक्त किया और कहा–थैंक यू मुजफ्फरनगर पुलिस।

जिला कारागार की पाकशाला से लेकर महिला और बाल बैरक तक पहुंची विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम

मुजफ्फरनगर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सिविल जज (सीनियर डिवीजन) डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी ने शुक्रवार को जिला कारागार मुजफ्फरनगर का निरीक्षण किया। माननीय प्रभारी जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में किए गए निरीक्षण के दौरान उन्होंने जेल की पाकशाला, अस्पताल, पुरुष बैरक, महिला बैरक और बाल बैरक का जायजा लिया। इस दौरान बंदियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी लेते हुए उन्हें उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। निरीक्षण के दौरान डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी ने जिला कारागार की पाकशाला और अस्पताल का निरीक्षण किया। इसके बाद पुरुष बैरक, महिला बैरक तथा बाल बैरक में पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने बंदियों से बातचीत कर उनकी व्यक्तिगत एवं कानूनी समस्याओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान दोषसिद्ध बंदियों को उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि प्रत्येक बंदी को अपने कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। किसी भी कानूनी परेशानी या अधिकार से संबंधित समस्या होने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से सहायता प्राप्त की जा सकती है। डॉ. चौधरी ने बंदियों को बताया कि यदि किसी दोषसिद्ध बंदी को उच्च न्यायालय में अपील दाखिल करने में कानूनी समस्या आ रही है तो वह जिला कारागार के अधीक्षक के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को आवेदन दे सकता है। ऐसे मामलों में नियमानुसार आवश्यक विधिक सहायता उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान सचिव ने विभिन्न बैरकों में बंदियों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने बंदियों को भरोसा दिलाया कि जो मामले विधिक सहायता के दायरे में आते हैं, उनमें नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। जिला कारागार के अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि ऐसे बंदियों की सूची तैयार कर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को भेजी जाए, जिनके मामले ई-जेल लोक अदालत अथवा जेल लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किए जा सकते हैं। इसका उद्देश्य ऐसे मामलों का शीघ्र निस्तारण कर बंदियों को कानूनी प्रक्रिया में अनावश्यक देरी से राहत दिलाना है।

निरीक्षण के दौरान यह भी जानकारी दी गई कि जिन बंदियों की जमानत याचिका अधीनस्थ न्यायालय द्वारा स्वीकृत हो चुकी है, उन्हें आवश्यक विधिक सहायता उपलब्ध कराई गई। इस दौरान कानूनी प्रक्रिया में आने वाली समस्याओं को समझने और उनके समाधान के संबंध में भी जानकारी दी गई।

आपदा की कॉल मिलते ही दौड़ीं टीमें, पांच जगह मॉक ड्रिल में परखी गई तैयारियां

भूकंप, अग्निकांड और रासायनिक आपदा के अलग-अलग परिदृश्य बनाकर हुआ राहत-बचाव का अभ्यास; पुलिस, फायर, स्वास्थ्य और प्रशासन की टीमों ने संभाला मोर्चा

मुजफ्फरनगर। भूकंप के तेज झटके हों, किसी औद्योगिक इकाई में रासायनिक हादसा हो या फिर अचानक आग लगने की घटना सामने आए, ऐसी परिस्थितियों में प्रशासन और विभिन्न विभागों की टीमें कितनी तेजी से राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर सकती हैं, शुक्रवार को इसका बड़ा अभ्यास किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देश पर जिले में राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज आयोजित की गई। पांच अलग-अलग स्थानों पर बनाए गए आपदा के परिदृश्यों में पुलिस, फायर, स्वास्थ्य, राजस्व, आपदा प्रबंधन सहित अन्य विभागों की टीमों ने मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान चलाने का अभ्यास किया।

दिनभर चली इस मॉक एक्सरसाइज की निगरानी एवं समन्वय की जिम्मेदारी एडीएम वित्त एवं राजस्व अनिरुद्ध प्रताप सिंह ने संभाली। अभ्यास के दौरान यह परखा गया कि आपदा की सूचना मिलने से लेकर राहत एवं बचाव दलों के मौके पर पहुंचने, प्रभावित लोगों को सुरक्षित निकालने, घायलों को चिकित्सा सुविधा देने और उन्हें राहत शिविर तक पहुंचाने की प्रक्रिया कितनी प्रभावी तरीके से संचालित की जा सकती है।

सदर तहसील में दो स्थानों पर दिखे आपदा के अलग-अलग दृश्य

सदर तहसील क्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों पर मॉक ड्रिल आयोजित की गई। रोहाना कलां स्थित आईपीएल इंडस्ट्रीज में औद्योगिक एवं रासायनिक आपदा का परिदृश्य तैयार किया गया। यहां संभावित रासायनिक दुर्घटना को ध्यान में रखते हुए स्टेजिंग एरिया, घटनास्थल और मेडिकल पोस्ट के साथ राहत शिविर की व्यवस्था की गई। वहीं हिमालयन पब्लिक स्कूल में भूकंप की स्थिति का परिदृश्य बनाया गया। भवन में भूकंप के कारण लोग फंसने की स्थिति मानकर राहत एवं बचाव दलों ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने और घायलों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया का अभ्यास किया।

जानसठ तहसील क्षेत्र में डीएवी इंटर कॉलेज को मॉक ड्रिल का केंद्र बनाया गया। यहां अग्निकांड का परिदृश्य तैयार किया गया। आग लगने की स्थिति में परिसर में मौजूद लोगों को सुरक्षित निकालने, प्रभावित लोगों की पहचान करने और घायलों तक तत्काल चिकित्सा सहायता पहुंचाने की कार्रवाई का अभ्यास किया गया। कॉलेज परिसर में स्टेजिंग एरिया बनाया गया, जबकि मेडिकल पोस्ट और राहत शिविर के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को निर्धारित किया गया। बुढ़ाना तहसील क्षेत्र में भी डीएवी इंटर कॉलेज में अग्निकांड की मॉक ड्रिल कराई गई। अभ्यास के दौरान आग की सूचना मिलने के बाद संबंधित टीमों के मौके पर पहुंचने और फंसे हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने की प्रक्रिया को परखा गया। घायलों को प्राथमिक चिकित्सा देने के साथ उन्हें आगे के उपचार के लिए भेजने की व्यवस्था का भी अभ्यास किया गया।

विकास योजनाओं में लापरवाही और भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं, समयसीमा में पूरे हों सभी काम : हरेंद्र मलिक

दिशा की बैठक में सांसद ने आवास, मनरेगा, जल जीवन मिशन, पेंशन, आयुष्मान योजना और सड़कों की प्रगति की समीक्षा की; अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे सरकारी योजनाओं का लाभ

मुजफ्फरनगर। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को विकास भवन सभागार में लोकसभा क्षेत्र मुजफ्फरनगर के सांसद हरेंद्र मलिक की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी एवं विकास योजनाओं की प्रगति की विभागवार समीक्षा की गई। सांसद ने अधिकारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने के साथ-साथ योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

निमार्णाधीन परियोजनाएं समयसीमा में हों पूरी

बैठक में सांसद हरेंद्र मलिक ने कहा कि जिले में चल रही सभी निमार्णाधीन परियोजनाओं और विकास कार्यों को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा किया जाए। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विकास कार्यों का वास्तविक लाभ धरातल पर दिखाई देना चाहिए, जिससे आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

प्रधानमंत्री आवास और मनरेगा की हुई समीक्षा

दिशा की बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना और मनरेगा समेत ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। सांसद ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समय से मिले और किसी भी पात्र व्यक्ति को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

जल जीवन मिशन पर भी दिया जोर

जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा करते हुए सांसद ने ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है, उन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि योजनाओं का लाभ लोगों को वास्तविक रूप से मिल रहा है।

पेंशन और दिव्यांग योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाने के निर्देश

बैठक में दिव्यांगजनों को उपकरण वितरण के साथ दिव्यांग, वृद्धावस्था और विधवा पेंशन योजनाओं की भी समीक्षा की गई। सांसद ने अधिकारियों से कहा कि पात्र लाभार्थियों के आवेदन और पेंशन संबंधी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए, ताकि जरूरतमंद लोगों को सरकारी सहायता समय पर मिल सके।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई। सांसद ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से योजना का लाभ पात्र परिवारों तक पहुंचाने पर जोर दिया। बैठक में जिले की स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर भी चर्चा हुई।

गन्ना किसानों के भुगतान को प्राथमिकता

सांसद ने गन्ना किसानों के भुगतान से संबंधित स्थिति की जानकारी लेते हुए किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित कराने पर जोर दिया।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार

शनिवार 19 सितम्बर '2026	पृष्ठ 3

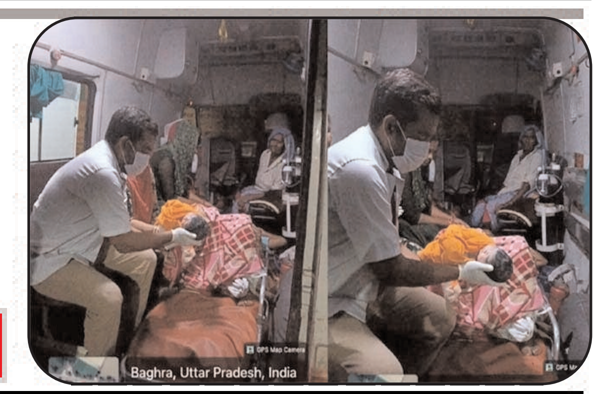

तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

पांच भाई-बहनों में सबसे छोटा था आकाश, सुबह तक जिस बेटे के लौटने का इंतजार था, शाम को उसी की मौत की खबर पहुंची

मुजफ्फरनगर। जिस बेटे के घर लौटने का परिवार इंतजार कर रहा था, वह शुक्रवार को कभी वापस नहीं लौटा। तितावी थाना क्षेत्र के धोलरा-सिसौली मार्ग पर तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर ने 22 वर्षीय आकाश की जिंदगी छीन ली। हादसे के बाद सड़क पर घायल पड़े आकाश को देखकर लोगों ने पुलिस को सूचना दी, लेकिन बघरा सीएचसी पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार को जब इस मनहूस खबर का पता चला तो घर में चीख-पुकार मच गई।

पांच भाई-बहनों में सबसे छोटा, परिवार की उम्मीदों का हिस्सा था

साहटू गांव निवासी आकाश पांच भाई-बहनों में सबसे छोटा था। कम उम्र में ही उसने काम संभाल लिया था। वह बुडीना कला गांव में नाई की दुकान पर बाल काटने का काम करता था। मेहनत से कमाई कर वह परिवार की मदद करता था। घरवालों के लिए आकाश केवल सबसे छोटा बेटा ही नहीं, बल्कि परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों में हाथ बंटाने वाला सदस्य भी था।

बाइक से निकला था, रास्ते में जिंदगी ने साथ छोड़ दिया

शुक्रवार को आकाश बाइक लेकर घर से निकला था। धोलरा-सिसौली मार्ग पर पहुंचते ही तेज रफ्तार पिकअप ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद आकाश

सड़क पर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और उसे अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की।

सीएचसी पहुंचते ही परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

पुलिस आकाश को बघरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंची, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। कुछ ही देर में परिवार के लोग भी अस्पताल पहुंच गए। वहां बेटे का शव देखकर परिजनों की चीख निकल गई। जिस आकाश के घर लौटने की उम्मीद थी, उसकी मौत की खबर ने पूरे परिवार को तोड़कर रख दिया।

घर में गूंजती रहीं चीखें, गांव में छाया मातम

आकाश की मौत की खबर साहटू गांव पहुंचते ही मातम छा गया। रिश्तेदार और ग्रामीण परिवार को सांत्वना देने पहुंचने लगे। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। किसी को विश्वास नहीं हो रहा था कि कुछ घंटे पहले घर से निकला 22 वर्षीय युवक अब दुनिया में नहीं रहा।

हादसे के बाद चालक वाहन लेकर फरार

हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लोगों से जानकारी जुटाई है और फरार चालक व वाहन की तलाश की जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे की परिस्थितियों की जांच की जा रही है और तहरीर मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मोरना में शुकतीर्थ मार्ग पर वाहन की टक्कर से वृद्ध घायलः गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

लाल गुलशन राय नेत्र चिकित्सालय के सामने हुआ हादसा

मोरना(मुजफ्फरनगर)। मोरना-शुक्रताल मार्ग पर शुक्रवार दोपहर एक अनियंत्रित अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद टक्कर मारने वाला वाहन चालक मौके से फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस ने घायल को अचेत अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भोपा पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया।

मोरना से शुक्रताल लौटते समय हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार, भोपा थाना क्षेत्र के तीर्थ नगरी शुकतीर्थ (शुक्रताल) निवासी 65 वर्षीय वेदपाल पुत्र भुल्लन शुक्रवार दोपहर लगभग 1:45 बजे मोरना से अपनी बाइक पर सवार होकर शुकतीर्थ वापस लौट रहे थे। जैसे ही वह लाल गुलशन राय नेत्र चिकित्सालय के पास पहुंचे, तभी सामने

से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वेदपाल बाइक समेत सड़क पर गिर पड़े और सिर व शरीर में गंभीर चोटें आने के कारण मौके पर ही बेहोश हो गए। हादसे को अंजाम देने के बाद अज्ञात वाहन चालक गाड़ी लेकर मौके से तेजी से भाग निकला।

घटनास्थल पर एकत्रित हुए राहगीरों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस को दुर्घटना की सूचना दी। एम्बुलेंस की मदद से गंभीर रूप से घायल वेदपाल को भोपा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लाया गया। वहां तैनात चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देने के बाद उनकी चिंताजनक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उन्हें तत्काल जिला चिकित्सालय मुजफ्फरनगर के लिए रेफर कर दिया।

मोरना में ट्रैक्टर का एक्सल टूटने से हादसाः एक ही परिवार के 4 लोग घायल, गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

ककराला से बेलड़ा जा रहे ग्रामीणों का ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर पलटा

मोरना(मुजफ्फरनगर)। भोपा क्षेत्र की गंगनहर पटरी मार्ग पर शुक्रवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। ककराला गांव से बेलड़ा जा रहे ग्रामीणों के ट्रैक्टर का अचानक अगला एक्सल टूट गया, जिससे ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। इस हादसे में ट्रैक्टर सवार चार लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है।

ककराला से बेलड़ा जा रहे थे सभी ग्रामीण

प्राप्त जानकारी के अनुसार, भोपा थाना क्षेत्र के गांव ककराला निवासी महबूब (60 वर्ष), शहजादी (35 वर्ष), आयशा (20 वर्ष) और हाफीजा (55 वर्ष) शुक्रवार दोपहर लगभग 1:30 बजे ट्रैक्टर पर सवार होकर पास के गांव बेलड़ा जा रहे थे। जैसे ही उनका ट्रैक्टर भोपा नहर पुल से आगे गंगनहर पटरी मार्ग पर पहुंचा, तभी अचानक यह हादसा हो

गया।

चलते ट्रैक्टर का अचानक टूटा अगला एक्सल

गंगनहर पटरी पर अचानक तेज आवाज के साथ ट्रैक्टर के अगले पहिए का एक्सल टूट गया। एक्सल टूटते ही चालक ट्रैक्टर पर से अपना नियंत्रण खो बैठा और उस पर सवार सभी चार लोग तेजी से पक्की सड़क पर जा गिरे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

घायलों को सीएचसी से किया जिला अस्पताल रेफर

घटनास्थल से गुजर रहे राहगीरों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और सूचना देकर 108 एम्बुलेंस को मौके पर बुलाया। एम्बुलेंस की मदद से सभी घायलों को तत्काल भोपा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उन्हें तुरंत जिला चिकित्सालय मुजफ्फरनगर रेफर कर दिया।

मुजफ्फरनगर में समाजसेविका कुल्लन देवी का निधनः सद्भावना के मंचों पर सदैव निभाई अहम भूमिका, शोक की लहर

मुजफ्फरनगर। शहर की जानी-पहचानी वरिष्ठ समाजसेविका और मानवीय सरोकारों से जुड़ीं कुल्लन देवी का निधन हो गया। उनके देहांत की खबर से मुजफ्फरनगर के सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई है। वह काफी समय से अस्वस्थ चल रही थीं, लेकिन गंभीर बीमारी के बावजूद उनका मन सदैव समाज की सेवा, अमन-चैन और भाईचारे को मजबूत करने में ही लगा रहा।

जनपद में अमन-चैन, सौहार्द और भाईचारे की मिसाल रही कुल्लन देवी के निधन पर सामाजिक कार्यकताओं और प्रबुद्ध नागरिकों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। भले ही कुल्लन देवी आज भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन अमन, सौहार्द और इंसानियत के लिए किए गए उनके कार्य हमेशा शहरवासियों के दिलों में जीवंत रहेंगे

सद्भावना और सौहार्द के कार्यक्रमों में रहती थीं सक्रिय

सद्भावना और सामाजिक सौहार्द के मंचों पर सक्रिय भागीदारी कुल्लन देवी की सबसे बड़ी पहचान थी। वह मानती थीं कि समाज की असली ताकत आपसी प्रेम, विश्वास और एक-दूसरे के सुख-दुख में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने

में है। उन्होंने अपने मधुर व्यवहार और निस्वार्थ सेवा भावना से सर्वसमाज के बीच एक अमिट छाप छोड़ी। जब भी शहर में आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता को बनाए रखने की बात आती, वह बिना किसी झिझक के सबसे आगे बढ़कर अपनी भूमिका निभाती थीं। उनके लिए इंसानियत किसी जाति, धर्म या वर्ग की सीमाओं में बंधी नहीं थी।

सामाजिक परंपरा की अपूरणीय क्षति

कुल्लन देवी के साथ लंबे समय से जुड़े रहे समाजसेवी गौहर सिद्दीकी ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके जाने से शहर के सामाजिक जीवन में एक ऐसी शून्यता पैदा हुई है, जिसे भर पाना आसान नहीं होगा। उनका निधन केवल उनके परिवार की क्षति नहीं है, बल्कि यह मुजफ्फरनगर की उस गंगा-जमुनी तहजीब और सामाजिक परंपरा की क्षति है, जो लोगों को एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े होना सिखाती है।

मुजफ्फरनगर में चलती एंबुलेंस बनी 'लेबर रूम': गूंजी किलकारी, ईएमटी की सूझबूझ से सुरक्षित प्रसव, बचाई जच्चा-बच्चा की जान

बघरा क्षेत्र के नूनाखेड़ा की घटनाः अस्पताल पहुंचने से पहले ही बढ़ा प्रसव पीड़ा का जोखिम

मुजफ्फरनगर। जनपद के बघरा क्षेत्र में गुरुवार शाम सरकारी स्वास्थ्य सेवा और मानवीय तत्परता की एक सुखद मिसाल देखने को मिली। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 102 एंबुलेंस सेवा एक बार फिर एक ग्रामीण परिवार के लिए जीवनरक्षक साबित हुई। अस्पताल ले जाते समय महिला को अत्यधिक प्रसव पीड़ा होने पर एंबुलेंस कर्मियों ने सड़क किनारे वाहन रोककर सुरक्षित डिलीवरी कराई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नूनाखेड़ा निवासी राधा (26 वर्ष), पत्नी अंकित को गुरुवार शाम अचानक तीव्र प्रसव पीड़ा शुरू हुई। परिजनों ने तुरंत आपातकालीन 102 सेवा पर कॉल किया। सूचना मिलते ही ईएमटी कुलदीप कुमार और पायलट धीरज कुमार बिना समय गंवाए गांव पहुंचे और गर्भवती महिला को एंबुलेंस में लेकर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र के लिए रवाना हुए। अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में महिला का दर्द असहनीय स्तर पर पहुंच गया। ईएमटी कुलदीप कुमार ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए समझा कि

अस्पताल तक का सफर जच्चा और बच्चा दोनों के लिए जोखिम भरा हो सकता है। आपात स्थिति को भांपते हुए पायलट धीरज कुमार ने एंबुलेंस को सड़क किनारे सुरक्षित स्थान पर रोक दिया। एंबुलेंस में मौजूद 'इमरजेंसी डिलीवरी किट' का उपयोग करते हुए ईएमटी कुलदीप कुमार ने पूरी कुशलता और धैर्य के साथ प्रसव कराया। सफल प्रसव के बाद नवजात शिशु की किलकारी गूंजते ही परिजनों की चिंता दूर हो गई। ईएमटी (102 एंबुलेंस) कुलदीप कुमार का कहना है कि हमारे लिए पहली प्राथमिकता मां और बच्चे दोनों की जान की सुरक्षा थी। अस्पताल पहुंचने में देरी होने पर खतरा बढ़ सकता था, इसलिए हमने मौके पर ही डिलीवरी कराने का त्वरित निर्णय लिया।प्रसव के उपरांत प्राथमिक उपचार देकर जच्चा और नवजात शिशु को तुरंत नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार मां और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। महिला के परिजनों ने एंबुलेंस कर्मियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यदि कर्मचारियों ने समय पर साहस और सूझबूझ न दिखाई होती, तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी। उन्होंने 102 सेवा को ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों के लिए वरदान बताया।

रतनपुरी पुलिस पर प्रधान ने लगाए पांच लाख रुपये मांगने और उत्पीड़न के गंभीर आरोप

प्रधान गुलजार का दावा-तीन ग्रामीणों को पुलिस के सुपुर्द किया था, एनकाउंटर की जानकारी पर वीडियो बनाकर किया था वायरल, पैसे वापस मांगने के बाद दबिश और मुकदमे का आरोप

मुजफ्फरनगर। रतनपुरी थाना पुलिस पर गांव रियावली नगला, नसीरपुर और आसपास के ग्रामीणों से जुड़े मामले में ग्राम प्रधान गुलजार ने गंभीर आरोप लगाए हैं। शुक्रवार को मीडिया सेंटर में पत्रकारों से वार्ता करते हुए प्रधान ने आरोप लगाया कि एक मुकदमे के संबंध में पुलिस के कहने पर उन्होंने गांव के तीन लोगों को थाने लाकर पुलिस की सुपुर्दगी में दिया था। बाद में उन्हें जानकारी मिली कि पुलिस तीनों का कथित एनकाउंटर करने जा रही है। प्रधान का दावा है कि इसी आशंका के चलते उन्होंने एक वीडियो बनाकर वायरल किया था, ताकि पुलिस हिरासत में दिए गए तीनों लोगों के साथ कोई अनहोनी न हो। प्रधान ने रतनपुरी थानाध्यक्ष पर पांच लाख रुपये मांगने और रकम दिए जाने के भी गंभीर आरोप लगाए हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और पुलिस का पक्ष सामने आना बाकी है। प्रधान गुलजार ने अपने शिकायती पत्र में बताया कि मुकदमा अपराध संख्या 148/2026 अज्ञात

व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज हुआ था। प्रधान के अनुसार, इस मामले में रतनपुरी पुलिस की ओर से उनसे गांव के संदिग्ध लोगों को थाने लाने के लिए कहा गया था। ग्राम प्रधान होने के नाते अपनी जिम्मेदारी बताते हुए उन्होंने गांव के इमरान, गुफरान और हासिम से संपर्क किया और तीनों को थाना रतनपुरी पुलिस की सुपुर्दगी में दे दिया। प्रधान का कहना है कि तीनों लोगों को पुलिस के सुपुर्द करने की पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग भी कराई गई थी। उनके अनुसार, उन्होंने यह कदम ग्राम प्रधान होने के नाते अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए उठाया था। उनका दावा है कि इसके बाद घटनाक्रम ने नया मोड़ ले लिया। गुलजार ने आरोप लगाया कि 13 सितंबर की रात उन्हें जानकारी मिली कि थाना रतनपुरी पुलिस उक्त तीनों लोगों का एनकाउंटर करने की तैयारी में है। प्रधान के मुताबिक रात हो जाने के कारण वह तत्काल उच्चाधिकारियों को सूचना नहीं दे सके। उनका कहना है कि इसी आशंका के चलते उन्होंने पूरे घटनाक्रम से संबंधित एक वीडियो रिकॉर्ड कर उसे वायरल कर दिया, ताकि पुलिस की सुपुर्दगी में दिए गए तीनों ग्रामीणों के साथ किसी तरह की अनहोनी न हो। प्रधान गुलजार ने अपने शिकायती पत्र में रतनपुरी थानाध्यक्ष पर पांच लाख रुपये की मांग करने का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि उन्होंने चार लाख 80 हजार रुपये थाने पर ले जाकर दिए थे। प्रधान के अनुसार, इसके बाद थानाध्यक्ष ने एसएसआई पवन को रुपये देने के लिए कहा। गुलजार के मुताबिक एसएसआई पवन ने कथित तौर पर उनके तीन लाख रुपये अपने पास रख लिए और एक लाख 80 हजार रुपये वापस कर दिए। प्रधान ने अपने शिकायती पत्र में इस पूरे घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। प्रधान ने आरोप लगाया कि वीडियो वायरल करने और अपने रुपये वापस मांगने के बाद रतनपुरी थाना पुलिस द्वारा उन्हें तथा गांव के अन्य लोगों को लगातार परेशान किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि पुलिस की ओर से उनके और गांव के अन्य लोगों के घरों पर लगातार दबिश दी जा रही है। गुलजार का कहना है कि पुलिस की कार्रवाई के डर के कारण वह गांव में सामान्य रूप से काम नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधान होने के नाते गांव में रहकर विकास कार्य कराना और ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करना उनकी जिम्मेदारी है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में उन्हें स्वयं अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। प्रधान ने मीडिया सेंटर में अपनी सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई। उनका आरोप है कि उन्हें आशंका है कि पुलिस उनके खिलाफ किसी फर्जी मुठभेड़ की कार्रवाई कर सकती है या किसी अन्य मुकदमे में फंसाकर जेल भेज सकती है। उन्होंने कहा कि इसी आशंका के चलते उन्होंने अपने बचाव के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के समक्ष शिकायत की है। प्रधान गुलजार ने बताया कि उन्होंने पूरे मामले के संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुजफ्फरनगर के समक्ष भी प्रार्थना पत्र भेजा है। इसके साथ ही मीडिया सेंटर पहुंचकर पत्रकारों के सामने अपनी बात रखी और मामले में निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की।

.मुजफ्फरनगर पालिका अध्यक्ष ने किया कंपनी गार्डन का निरीक्षणः मॉर्निंग वॉकर्स से सीधा संवाद, मौके पर दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

समस्याएं और सुझाव जानकर अधिकारियों को मौके पर बुलाया

मुजफ्फरनगर। नगरपालिका परिषद मुजफ्फरनगर की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने शहरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक और पहल की है। मंगलवार सुबह उन्होंने मेरठ रोड स्थित कमला नेहरू वाटिका (कंपनी गार्डन) पहुंचकर पार्क की मूलभूत व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पार्क में नियमित रूप से आने वाले वरिष्ठ नागरिकों और मॉर्निंग वॉकर्स से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं और सुझाव सुने।

सफाई, प्रकाश और पेयजल व्यवस्थाओं की समीक्षा

निरीक्षण के दौरान पालिका अध्यक्ष ने पूरे पार्क परिसर का भ्रमण किया। उन्होंने वहां की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था (स्ट्रीट लाइट्स), पेयजल उपलब्धता तथा नागरिकों के बैठने की व्यवस्था का गहनता से जायजा लिया। नियमित रूप से पार्क आने वाले वरिष्ठ नागरिकों ने पालिका अध्यक्ष को पार्क में आवश्यक सुधारों और भविष्य के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिन्हें उन्होंने बेहद गंभीरता से सुना।

अधिकारियों को मौके पर बुलाकर दिए निर्देश

नागरिकों द्वारा उठाई गई समस्याओं पर तत्काल संज्ञान लेते हुए पालिका अध्यक्ष ने किसी भी तरह के विलंब से इनकार किया। उन्होंने मौके पर ही वाटिका प्रभारी एवं नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनु चौधरी और सफाई निरीक्षक प्लाक्षा मैनवाल सहित संबंधित अधिकारियों को तलब किया। अधिकारियों को पार्क की व्यवस्थाओं को तत्काल दुरुस्त करने और नागरिकों की शिकायतों का त्वरित समाधान करने के सख्त निर्देश जारी किए गए। कंपनी गार्डन में वर्तमान में चल रहे सौंदर्यीकरण और जीर्णोद्धार कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए मीनाक्षी स्वरूप ने अधिकारियों से वर्तमान स्थिति का ब्यौरा लिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिया कि सभी विकास कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप और पूरी गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों में किसी भी स्तर पर गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जनसहभागिता से बनेगी शहर के विकास की कार्ययोजना

पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने कहा कि शहर को स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित वातावरण देना नगरपालिका की पहली प्राथमिकता है। नागरिकों से मिलने वाले सुझाव जमीनी स्तर की वास्तविक आवश्यकताओं को समझने का सबसे बेहतर माध्यम हैं। इसी जनसंवाद के आधार पर कंपनी गार्डन के आगामी विकास की रूपरेखा तैयार की जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि शहरवासियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए भविष्य में भी इस प्रकार का जनसंवाद जारी रहेगा।

मुजफ्फरनगर में 1 अक्टूबर से बिना प्रदूषण सर्टिफिकेट के नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजलः 'नो वैलिड पीयूसीसी, नो फ्यूल' नीति लागू

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बढ़ते वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए शासन ने कड़ा कदम उठाया है। 1 अक्टूबर 2026 से जनपद मुजफ्फरनगर में बिना वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र के किसी भी वाहन को पेट्रोल या डीजल नहीं दिया जाएगा। प्रशासन ने "No Valid PUCC, No Fuel" नीति को सख्ती से लागू करने की पूरी तैयारी कर ली है।

जिला पूर्ति अधिकारी मुजफ्फरनगर द्वारा जारी सूचना के अनुसार, यह निर्णय शासन के आदेश संख्या 862/29-7-2026 (दिनांक 27 अगस्त 2026)

तथा अपर आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, लखनऊ के पत्र संख्या 3974 (दिनांक 14 सितम्बर 2026) के तहत लिया गया है। एनसीआर के अंतर्गत आने वाले सभी जिलों में प्रदूषण नियंत्रण के तहत इस व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू किया जा रहा है।

पेट्रोल पंप मालिकों को जूम पर दिया गया विशेष प्रशिक्षण

नीति को धरातल पर पारदर्शी तरीके से लागू करने के लिए 15 सितम्बर 2026 को जिले के सभी पेट्रोल पंप स्वामियों व प्रबंधकों की जूम (Zoom) ऐप के माध्यम से एक ऑनलाइन प्रशिक्षण बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्देश दिए गए कि पेट्रोल पंप पर आने वाले प्रत्येक वाहन के प्रदूषण प्रमाण पत्र की वैधता की जांच 'VAHAN' और 'PUCC' के एकीकृत मोबाइल ऐप के जरिए की जाए। जांच में प्रमाण पत्र सही पाए जाने पर ही ईंधन दिया जाएगा।

वाहन मालिकों से समय रहते प्रदूषण रिन्यू कराने की अपील

प्रशासन ने जिले के सभी वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे 1 अक्टूबर 2026 से पहले अपने वाहनों का प्रदूषण जांच कराकर वैध PUCC बनवा लें या पुराना समाप्त हो चुका प्रमाण पत्र रिन्यू करा लें। समय पर प्रमाण पत्र न बनने की स्थिति में 1 अक्टूबर से पेट्रोल-डीजल प्राप्त करने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। प्रशासन ने इस पर्यावरण-हितैषी पहल में सभी नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा की है।

बेटे को जेल से छुड़ाने के नाम पर 20 हजार रुपये लेने का आरोप, प्रधान पर मुकदमा दर्ज

रकम वापस मांगने पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप, चरथावल पुलिस ने तीन धाराओं में दर्ज किया केस, मामले की जांच शुरू

मुजफ्फरनगर। चरथावल थाना क्षेत्र में जेल में बंद युवक को छुड़ाने के नाम पर उसके पिता से 20 हजार रुपये लेने और रकम वापस मांगने पर कथित रूप से गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर चरथावल पुलिस ने गांव न्यामू निवासी लियाकत मूछ प्रधान के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला सामने आने के बाद पुलिस आरोपी से जुड़े आरोपों और रुपये के लेन-देन की भी पड़ताल कर रही है। थाना भवन क्षेत्र के गांव जफरपुर निवासी इलियास पुत्र हबीब ने चरथावल थाने में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसके बेटे को चरथावल पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 111/2026 में धारा 305ए और 317(2) बीएनएस के तहत 29 जून 2026 को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसके बेटे को जेल भेज दिया था। बेटे के संबंध में जानकारी और पैरवी के लिए इलियास चरथावल थाने पहुंचा था। पीड़ित के अनुसार, इसी दौरान थाने के बाहर उसकी मुलाकात गांव न्यामू निवासी लियाकत मूछ प्रधान से हुई। आरोप है कि लियाकत ने उसे भरोसा दिलाया कि वह उसके बेटे को जेल से छुड़ाने में मदद कर सकता है। पीड़ित का आरोप है कि इसी बात को लेकर उससे 20 हजार रुपये ले लिए गए। इलियास ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि बेटे को जेल से बाहर निकलवाने की बात कहकर उससे 20 हजार रुपये लिए गए। पीड़ित के मुताबिक, उसने बेटे की चिंता में आरोपी को यह रकम दे दी थी। बाद में जब उसे अपने दिए रुपये वापस लेने की जरूरत हुई तो उसने लियाकत से रकम लौटाने के लिए कहा। तहरीर के मुताबिक, रुपये वापस मांगने पर मामला बिगड़ गया। इलियास का आरोप है कि लियाकत मूछ प्रधान ने उसके साथ गाली-गलौज की और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि विरोध करने और रुपये वापस मांगने पर उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में कहा कि जान से मारने की धमकी मिलने के बाद वह भयभीत है। उसने पुलिस से आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।

संपादकीय

कुकी समुदाय के 'काला दिवस' पर मणिपुर में हिंसा, क्या फिर तेज होगा जातीय संघर्ष?

कुकी समुदाय वर्ष 1990 के दशक में राज्य में कुकी-नगा संघर्ष के दौरान मारे गए लोगों की याद में हर साल 13 सितंबर को काला दिवस मनाता है। किसी भी सरकार की यह नीतिगत और नैतिक जिम्मेदारी होती है कि समाज में शांति एवं सौहार्द बना रहे। तभी आम लोगों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जा सकता है। मगर, लंबे समय से जातीय हिंसा और सामाजिक तनाव से जूझ रहे मणिपुर में ऐसा कुछ नजर नहीं आ रहा है। आए दिन हिंसक घटनाओं का राज्य की सामाजिक संरचना, अर्थव्यवस्था और जनजीवन पर गहरा असर पड़ रहा है।

हालांकि, हालात में कई बार सुधार के संकेत दिखाई दिए, लेकिन तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ। पिछले कुछ समय से स्थिति फिर बिगड़ने लगी है। इसी का नतीजा है कि राज्य के तामेंगलोंग और नोनी जिलों में बीते रविवार को उग्रवादियों के हमलों में दो महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हो गई। इस पर सरकार का कहना है कि निर्दोष नागरिकों के खिलाफ हिंसा पूरी तरह अस्वीकार्य है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।मगर, सवाल है कि अगर सरकार इस मसले पर इतनी गंभीर है और इससे निपटने के लिए जरूरी कदम उठा रही है, तो फिर धरातल पर उसका असर दिखाई क्यों नहीं दे रहा है?दरअसल, मणिपुर की समस्या केवल जातीय संघर्ष तक सीमित नहीं है। इसके पीछे प्रशासनिक व्यवस्था, रोजगार, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और संसाधनों को लेकर समुदायों के बीच लंबे समय से चले आ रहे अविश्वास जैसे कई जटिल कारण भी हैं। इसलिए केवल सुरक्षा बलों की तैनाती या तनावग्रस्त इलाकों में प्रतिबंध लगाने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाएगा।हिंसा को रोकना जरूरी है, लेकिन उसके साथ उन कारणों को समझना और दूर करना भी आवश्यक है, जिनसे तनाव बार-बार पैदा होता है। हिंसा की ताजा घटनाएं कुकी समुदाय की ओर से मनाए जाने वाले 'काला दिवस' के मौके पर हुईं। यह समुदाय वर्ष 1990 के दशक में राज्य में कुकी-नगा संघर्ष के दौरान मारे गए लोगों की याद में हर साल 13 सितंबर को काला दिवस मनाता है।जाहिर है कि इस समुदाय के लोग उग्रवादियों के हमले को जातीय हिंसा से जोड़कर देख रहे हैं। कुकी-जो काउंसिल का कहना है कि सशस्त्र समूहों की गतिविधियां आम नागरिकों की जान पर भारी पड़ रही हैं और इससे राज्य में फिर से जातीय संघर्ष तेज होने का खतरा है।मणिपुर में विस्थापन भी एक गंभीर समस्या है। हिंसा के कारण बड़ी संख्या में लोग अपने घर छोड़कर लंबे समय से राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं। इन लोगों की घर वापसी केवल प्रशासनिक आदेश से संभव नहीं होगी, उन्हें सुरक्षा का भरोसा, आजीविका के साधन और संपत्ति तथा पुनर्वास को लेकर ठोस उपायों की जरूरत है।

यूपीआइ का ढांचा भारत ने बनाया, लेकिन उसका सबसे बड़ा बाजार निजी कंपनियों के हाथ चला गया। फोनपे और गूगलपे मिलकर करीब अस्सी फीसद यूपीआइ लेन-देन संभालते हैं। फोनपे में अमेरिकी कंपनी वालमार्ट की बड़ी हिस्सेदारी है और गूगलपे अमेरिकी कंपनी अल्फाबेट का हिस्सा है। दूसरी ओर, नोटबंदी के बाद तेजी से बढ़ा पेटीएम कुछ ही वर्षों में बड़े निजी डिजिटल भुगतान कारोबार में बदला और 2021 में अपना आइपीओ लाकर वह सूचीबद्ध कंपनी बन गया। सवाल है कि जब डिजिटल भुगतान का आधार भारत ने बनाया, तो उसका बड़ा कारोबारी लाभ निजी और विदेशी पूंजी वाली कंपनियों के हिस्से में क्यों गया? सरकार ने 'भीम' ऐप बनाया, सार्वजनिक बैंकों के पास करोड़ों ग्राहक थे और एसबीआइ ने 'योनो' जैसा मंच खड़ा किया, फिर भी वह पीछे रह गया। एसबीआइ के अध्यक्ष सीएस शेट्टी ने खुद स्वीकार किया कि बैंक डिजिटल भुगतान की दौड़ में पीछे छूट गया है। जब ढांचा अपना था, ग्राहक अपने थे और बैंक अपने थे, तो अपने मंच पीछे और निजी मंच आगे कैसे हो गए?

84 फीसद डिजिटल पेमेंट में यूपीआई की हिस्सेदारी, क्या महंगा होगा भुगतान या बदल जाएगा कारोबारियों का व्यवहार?

(पीएस वोहरा)

अब तक आम धारणा यही रही कि यूपीआइ से भुगतान करना लगभग पूरी तरह निशुल्क है और यह व्यवस्था बनी रहेगी। मगर सरकार की नई व्यवस्था के बाद यह तस्वीर अब बदलने जा रही है। पंद्रह अक्तूबर 2026 से सभी व्यापारिक भुगतान पूरी तरह शुल्क मुक्त नहीं रहेंगे। हालांकि दो व्यक्तियों के बीच होने वाले भुगतान पर कोई शुल्क नहीं लगेगा और दो हजार रुपए तक के व्यापारिक भुगतान भी शुल्क मुक्त रहेंगे, लेकिन दो हजार रुपए से अधिक के कुछ व्यापारिक भुगतानों पर शुल्क लागू होगा।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह शुल्क ग्राहक से अलग से नहीं लिया जाएगा और इसे कर भी नहीं माना जाएगा। फिर भी इस फैसले ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि जिस यूपीआइ को देश में डिजिटल भुगतान की सबसे बड़ी सार्वजनिक आधारभूत व्यवस्था के रूप में खड़ा किया गया, उसकी लागत का बोझ अब किस तरह और किस पर पड़ेगा?

यूपीआइ उस बदलाव की कहानी है, जिसने भारत में भुगतान के तौर-तरीके को ही बदल दिया। अप्रैल 2016 में यूपीआइ की शुरुआत 21 बैंकों के साथ हुई थी। अगस्त 2016 में करीब नब्बे हजार रुपए के लेन-देन हुए। शुरुआत छोटी थी, लेकिन इसके बाद घटनाक्रम ने असाधारण गति पकड़ी। आठ नवंबर 2016 को पांच सौ और एक हजार रुपए के पुराने नोटों को चलन से बाहर करने की घोषणा हुई। इसके बाद नकदी की उपलब्धता अचानक सीमित हो गई और डिजिटल भुगतान के लिए एक विशाल नया बाजार तैयार हुआ।

पेटीएम जैसे डिजिटल भुगतान मंचों ने इस दौर में तेज वृद्धि दर्ज की। उसने उस समय अपने लेन-देन और उपयोगकर्ताओं में कई गुना बढ़ोतरी के दावे किए। यह वही दौर था, जब डिजिटल भुगतान केवल सुविधा का विकल्प नहीं रहा, बल्कि रोजमर्रा के आर्थिक व्यवहार का महत्त्वपूर्ण हिस्सा बनने लगा।

यूपीआइ ने इसके बाद लगातार नई ऊंचाइयां छुईं। अक्तूबर 2019 में एक अरब से अधिक लेन-देन का आंकड़ा पार हुआ। फरवरी 2020 में लेन-देन करीब 1.32 अरब तक पहुंच गए। फिर कोरोना महामारी और देशव्यापी बंद ने लोगों के भुगतान व्यवहार को एक और बड़ा मोड़ दिया। अप्रैल 2020 में भी यूपीआइ पर करीब एक अरब लेन-देन हुए।

इसके बाद अक्तूबर 2020 में यह आंकड़ा दो अरब से ऊपर चला गया और दिसंबर 2020 में करीब 2.23 अरब लेन-देन दर्ज किए गए। वित्त वर्ष 2025 से 2026 में देश के कुल डिजिटल भुगतान लेन-देन में यूपीआइ की हिस्सेदारी करीब 84 फीसद तक पहुंच गई। जुलाई 2026 में ही यूपीआइ पर करीब 23.66 अरब लेन-देन हुए, जिनका कुल मूल्य लगभग 29.88 लाख करोड़ रुपए रहा।

यूपीआइ उपभोक्ता के लिए अभी लगभग मुफ्त है, लेकिन इसे चलाना मुफ्त नहीं है। इसके पीछे सर्वर, तकनीकी ढांचा, साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकने की व्यवस्था, बैंकिंग नेटवर्क, ग्राहक सहायता और लगातार बढ़ते लेन-देन को संभालने की क्षमता पर भारी खर्च होता है। संसदीय वित्त संबंधी समिति के सामने रखे गए आंकड़ों के अनुसार, यूपीआइ के संचालन की अनुमानित वार्षिक लागत करीब 20,700 करोड़ रुपए है, जबकि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सरकार ने करीब दो हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया है।

यूपीआइ का ढांचा भारत ने बनाया, लेकिन उसका सबसे बड़ा बाजार निजी कंपनियों के हाथ चला गया। फोनपे और गूगलपे मिलकर करीब अस्सी फीसद यूपीआइ लेन-देन संभालते हैं। फोनपे में अमेरिकी कंपनी वालमार्ट की बड़ी हिस्सेदारी है और गूगलपे अमेरिकी कंपनी अल्फाबेट का हिस्सा है। दूसरी ओर, नोटबंदी के बाद तेजी से बढ़ा पेटीएम कुछ ही वर्षों में बड़े निजी डिजिटल भुगतान कारोबार में बदला और 2021 में अपना आइपीओ लाकर वह सूचीबद्ध कंपनी बन गया। सवाल है कि जब डिजिटल भुगतान का आधार भारत ने बनाया, तो उसका बड़ा कारोबारी लाभ निजी और विदेशी पूंजी वाली कंपनियों के हिस्से में क्यों गया?

सरकार ने 'भीम' ऐप बनाया, सार्वजनिक बैंकों के पास करोड़ों ग्राहक थे और एसबीआइ ने 'योनो' जैसा मंच खड़ा किया, फिर भी वह पीछे रह गया। एसबीआइ के अध्यक्ष सीएस शेट्टी ने खुद स्वीकार किया कि बैंक डिजिटल भुगतान की दौड़ में पीछे छूट गया है। जब ढांचा अपना था, ग्राहक अपने थे और बैंक अपने थे, तो अपने मंच पीछे और निजी मंच आगे कैसे हो गए?

नई व्यवस्था में दो हजार रुपए तक के भुगतान और छोटे व्यापारियों के लिए शुल्क मुक्त व्यवस्था जारी रहेगी। सरकार के अनुसार, करीब 96 फीसद व्यापारिक लेन-देन इससे प्रभावित नहीं होंगे, लेकिन दो हजार रुपए से अधिक के कुछ निर्धारित व्यापारिक भुगतानों पर 0.4 फीसद शुल्क लगेगा, जिसमें 75,000 रुपए या उससे अधिक के भुगतान पर अधिकतम तीन सौ रुपए की सीमा होगी।

कुछ निर्धारित क्षेत्रों में प्रति लेन-देन पांच रुपए तथा पूंजी बाजार से जुड़े भुगतान में 0.02 फीसद और अधिकतम तीन सौ रुपए तक का शुल्क प्रस्तावित है। व्यापारी यह शुल्क सीधे ग्राहक से अलग से नहीं वसूल सकते, लेकिन आर्थिक व्यवहार इतना सीधा नहीं होता। व्यापारी इस लागत को किसी दूसरी लागत में समायोजित कर सकता है या भविष्य में कीमतों को बदलने पर विचार कर सकता है।

हालांकि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि इससे महंगाई बढ़ेगी, लेकिन यह सवाल जरूर है कि लगातार बढ़ती डिजिटल भुगतान लागत का अंतिम आर्थिक भार आखिर किसके हिस्से में जाएगा। इससे भी बड़ा सवाल यह है कि क्या शुल्क लगने के बाद व्यापारी डिजिटल भुगतान को पहले जैसी सहजता से अपनाएंगे? यदि किसी भुगतान माध्यम को व्यापारी एक नियमित लागत के रूप में देखने लगे, तो क्या वे दूसरे भुगतान माध्यमों को प्राथमिकता देने की कोशिश नहीं करेंगे?

यही वह बिंदु है, जहां वर्ष 2016 की पूरी कहानी फिर सामने खड़ी हो जाती है। यूपीआइ ने ग्राहकों और व्यापारियों की अलग-अलग परेशानियों का एक ही समाधान दिया था। ग्राहक नकदी रखने की मजबूरी से बाहर आया और व्यापारी नकदी संभालने की मजबूरी से। ग्राहक के लिए खाते में मौजूद पैसा ही उसकी जेब बन गया और व्यापारी के लिए खाते में आने वाला भुगतान ही उसकी बिक्री की सुरक्षित प्राप्ति। एक रुपए से लेकर हजारों रुपए तक का लेन-देन कुछ ही क्षणों में पूरा होने लगा।

बैंकिंग शाखा, नकदी और खुले पैसों से जुड़ी अनेक रोजमर्रा की जटिलताएं पीछे छूट गईं, लेकिन अब पहली बार इस सहज व्यवस्था की लागत सामने आ रही है। डर यह नहीं कि ग्राहक से सीधे शुल्क लिया जाएगा। डर यह है कि व्यापारी के व्यवहार में बदलाव कहीं ग्राहक के व्यवहार को न बदल दे। बड़े कारोबारों के लिए यूपीआइ का महत्त्व छोटे व्यापारियों जैसा कभी नहीं रहा।

उनका भुगतान तंत्र पहले से ही औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था पर आधारित है। वेतन और मजदूरी का भुगतान बैंक खातों के माध्यम से, आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान बैंक हस्तांतरण या चेक से और बड़े कारोबारी लेन-देन भी बैंकिंग प्रणाली के निर्धारित माध्यमों से होते हैं। उनके लिए भुगतान की व्यवस्था किसी एक त्वरित भुगतान माध्यम पर निर्भर नहीं है।

असहमति का सम्मान जरूरी- संवाद, रिश्ते और लोकतंत्र की असली परीक्षा

(रामानुज पाठक)

मनुष्य ने सभ्यता इसलिए नहीं बनाई कि सब एक जैसा सोचें। सभ्यता का अर्थ है कि अलग-अलग सोच वाले लोग एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाए बिना साथ रह सकें। मगर सभ्यता की इस लंबी यात्रा के बावजूद मनुष्य एक विकृत प्रवृत्ति से मुक्त नहीं हो पाया है। वह है- अपनी बात को विचार और दूसरे की बात को समस्या समझना। अपनी असहमति उसे स्वतंत्र चिंतन लगती है और दूसरे की असहमति अवज्ञा। ईर्ष्या और द्वेष की जड़ें इसी मानसिकता में छिपी हैं। यानी हम जो कहें- वह तुम सुनो, तुम जो कहो- उसे सुनना हमारी जिम्मेदारी नहीं। विडंबना यह है कि अधिकांश लोग सार्वजनिक जीवन में लोकतंत्र चाहते हैं, लेकिन अपने निजी संसार में मनमर्जी से काम करना चाहते हैं। राष्ट्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता चाहिए, लेकिन परिवार में नहीं। समाज में समानता चाहिए, पर अपने संबंधों में नहीं। हम चाहते हैं कि बच्चे हमारी बात सुनें, लेकिन उनकी बात सुनने का धैर्य नहीं रखते। दूरियां किसी एक बड़े विवाद से नहीं बनतीं। वे छोटे-छोटे अनसुने वाक्यों से बनती हैं। किसी ने कुछ कहा और हमने पूरा सुने बिना उत्तर दे दिया। किसी ने असहमति जताई और हमने उसके चरित्र का फैसला सुना दिया। असली समस्या यह है कि हम सुनते हुए भी अपने भीतर बोलते रहते हैं। सामने वाला वाक्य पूरा नहीं करता और हमारे भीतर उत्तर तैयार हो जाता है। हम उसके शब्द नहीं सुन रहे होते, अपनी अगली प्रतिक्रिया लिख रहे होते हैं। मनुष्य को अपनी बात सही सिद्ध करने में कई बार अधिक आनंद आता है। वह बहस जीतकर लौटता है और मान लेता है कि संबंध भी जीत लिया। जबकि कई बार बहस में मिली विजय, संबंध में मिली पराजय होती है। आपने तर्क जीत लिया, लेकिन सामने वाले का मन खो दिया। यहीं से ईर्ष्या का दूसरा चेहरा सामने आता है। जब हम दूसरे की योग्यता स्वीकार नहीं कर पाते, तो उसकी उपलब्धि हमें अपनी कमी का आईना लगती है। वह आगे बढ़ता है और हमें लगता है कि हमारा स्थान पीछे हो गया। ईर्ष्या का सुविधाजनक रास्ता है उपलब्धि की व्याख्या बदल देना। मेहनत को भाग्य कह दीजिए, प्रतिभा को संयोग, उपलब्धि को सिफारिश और सफलता को कृपा कह दो। इससे आत्मसम्मान सुरक्षित रहता है। मगर असल बात यह है कि यदि सामने वाला सचमुच योग्य है, तो हमें अपने भीतर झांकना पड़ेगा। द्वेष इसी मानसिक सुविधा का अगला चरण है। ईर्ष्या पूछती है, इसके पास क्यों है? द्वेष कहता है, इसके पास नहीं होना चाहिए। फिर व्यक्ति दूसरे को गिराने में वही संतोष खोजने लगता है, जो उसे स्वयं ऊपर उठने में मिलना चाहिए था। विडंबना यह भी है कि दूर की सफलता हमें प्रेरित करती है और पास की सफलता परेशान। किसी अनजान व्यक्ति की उपलब्धि पर हम कहते हैं, देश का नाम रोशन कर रहा है। वही उपलब्धि पड़ोसी हासिल कर ले, तो भीतर का आलोचक जाग जाता है, इतनी भी बड़ी बात नहीं है। परिवार में यही मनोविज्ञान रिश्तों को भीतर से खोखला करता है। प्रेम के नाम पर अधिकार, संरक्षण के नाम पर नियंत्रण और अनुशासन के नाम पर भय पैदा किया जाता है। सामने वाले को इतना अपना मान लेते हैं कि उसकी स्वतंत्रता भूल जाते हैं। संबंधों का यह सबसे विचित्र विरोधाभास है कि जिसे हम अपना कहते हैं, उसी को सबसे कम स्वतंत्रता देना चाहते हैं। समाज में यही मानसिकता समूहवाद बन जाती है। हर समूह चाहता है कि उसकी आवाज सुनी जाए, लेकिन दूसरे की आवाज को शोर कहने में देर नहीं लगती। हर विचारधारा प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता चाहती है, मगर अपने भीतर प्रश्न उठाने वाले को संदेह की निगाह से देखती है। राष्ट्र का निर्माण केवल सीमाओं, संस्थाओं और कानूनों से नहीं होता, वह साझा मनोविज्ञान से भी बनता है। लोकतंत्र की असली परीक्षा तब नहीं होती, जब सब आप से सहमत हों। उसकी परीक्षा तब होती है, जब कोई असहमत होकर अपनी बात कह सके। सहमति में साथ चलना सुविधा है, असहमति में साथ रहना सभ्यता। हमें एक नया सामाजिक व्याकरण सीखना होगा, मैं सही हो सकता हूं, लेकिन केवल मैं ही सही हूं, यह जरूरी नहीं। किसी की बात सुन लेना उससे सहमत होना नहीं है। असहमति का सम्मान करना अपनी मान्यता छोड़ना नहीं है। जिसे अपने विचार पर विश्वास होता है, वह प्रश्न से नहीं डरता। प्रश्न विचार का शत्रु नहीं, उसकी अग्निपरीक्षा है। इसलिए परिवार में बच्चा प्रश्न पूछे, तो उसे चुप कराने के बजाय सुनिए। समाज में कोई असहमत हो, तो पहले यह समझिए कि वह किस अनुभव से बोल रहा है। किसी की सफलता दिखाई दे, तो उसमें अपनी पराजय मत खोजिए। सबसे कठिन प्रश्न यही है, क्या मैं सचमुच संवाद कर रहा हूं या केवल अपनी बात की स्वीकृति मांग रहा हूं? क्योंकि संवाद का उद्देश्य सामने वाले को हराना नहीं, समझना है।

संबंध का उद्देश्य दूसरे को अपने जैसा बनाना नहीं, उसके अलग होने की जगह बनाना है।

नरेन्द्र मोदी- दृढ़ संकल्प, सशक्त नेतृत्व, दूरदृष्टा और सर्वांगीण विकास के प्रेरणादायक प्रतीक

मोदी सरकार के कार्यकाल में देश की सीमाओं की रक्षा की बात करें तो आज देश के वीर योद्धाओं के हाथ दुश्मन पर कार्रवाई के लिए पूरी आजादी के साथ खुले हुए हैं, जिसकी बानगी देश व दुनिया के लोग नक्सल, आतंकियों, सर्जिकल स्ट्राइक व ऑपरेशन सिंदूर आदि में बखूबी देख चुके हैं, मां भारती के वीर सपूत अब बिना किसी दबाव के आतंकवादियों व नक्सलियों के जहरीले फन को निरंतर कुचल कर के सफाया करने का कार्य बखूबी कर रहे हैं।

(दीपक कुमार त्यागी)

भारत में लंबे समय तक लगातार केंद्र की सत्ता में रहने का कीर्तिमान बनाते हुए एक लोकप्रिय जननेता के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने की कार्यशैली के दम पर आधुनिक, सशक्त, शक्तिशाली नए भारत के एक ऐसे सफल शिल्पकार बन चुके हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज विकास के पथ पर तेज़ी से अग्रसरित भारत, विकसित भारत बने के लिए सर्वांगीण विकास के कार्यों को धरातल पर मूर्त रूप देते हुए सफलता के नित-नए आयाम स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में तेज़ी से आर्थिक सुधार हो रहे हैं, मोदी ने देश में परिवर्तन लाने के लिए शहर, कस्बों से लेकर के गांव, दुर्गम दूरदराज के इलाकों तक में भी अब विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के अनवरत विकास का कार्य युद्ध स्तर पर चलवाने का कार्य कर रखा है। 21वीं सदी की आधुनिकता की दौड़ में एआई व डिजिटल क्रांति के क्षेत्र में भारत दुनिया भर में अपना लोहा मनवाने का कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विज़न के दम पर स्वदेशी को तेज़ी से बढ़ावा देकर के भारत तेज़ी से आत्मनिर्भर बनने का मुकाम हासिल कर रहा है। देश में विश्वस्तरीय आधुनिक सड़क, सागर व नभ मार्ग विकास के नित-नए मार्ग खोल रहे हैं। देश के पास विश्वस्तरीय अत्याधुनिक हथियारों के जखीरे व सुविधाओं से सुसज्जित ट्रैंड सेना का पूरा बड़ा लावा लश्कर मौजूद है, जो दुश्मन देशों से घिरे होने के बाद भी देश की सुरक्षा चिंताओं को दूर करने का कार्य बखूबी करता है। वैश्विक स्तर पर कूटनीति और देश की विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत होती स्थिति के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आधुनिक भारत का शिल्पकार माना जाता है।

भारत में लंबे समय तक लगातार केंद्र की सत्ता में रहने

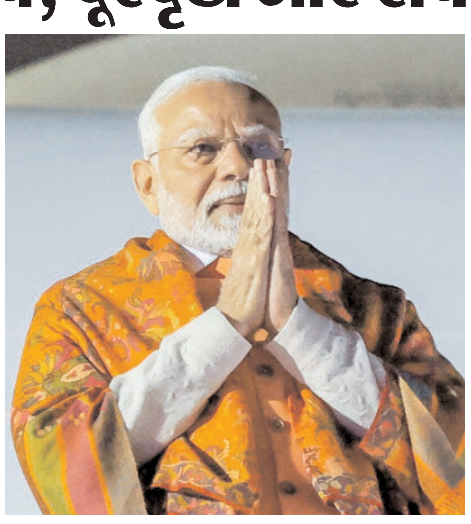

का कीर्तिमान बनाते हुए एक लोकप्रिय जननेता के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने की कार्यशैली के दम पर आधुनिक, सशक्त, शक्तिशाली नए भारत के एक ऐसे सफल शिल्पकार बन चुके हैं, जिन्होंने आजादी के लगभग 7 दशकों का लंबा समय बीत जाने के बाद देश के दूरदराज, दुर्गम और सीमावर्ती इलाकों तक में भी विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने का कार्य निरंतर शुरू कर रखा है, जो काबिले-तारीफ व अचंभित करने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उनके कार्यकाल के दौरान देश में बड़े पैमाने पर धरातल पर नये भारत की परिकल्पना के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण का कार्य तेज़ी से हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का यह प्रयास आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव तैयार करने का कार्य बखूबी कर रहा है। देश में आधुनिक रेलवे स्टेशन, बंदरगाह, सड़क, रोपवे, एक्सप्रेस-वे, नेशनल हाईवे आदि जगह-जगह बन रहे हैं। पूरे देश में सड़क, हवाई, रेल व जल मार्ग से यात्रा व माल ढुलाई आदि की व्यवस्था को बहुत तेज़ी से विश्वस्तरीय बनाया जा रहा है। प्रवासीनेटवर्क जुड़ें

मोदी सरकार के कार्यकाल में देश की सीमाओं की रक्षा की बात करें तो आज देश के वीर योद्धाओं के हाथ दुश्मन पर कार्रवाई के लिए पूरी आजादी के साथ खुले हुए हैं, जिसकी बानगी देश व दुनिया के लोग नक्सल, आतंकियों, सर्जिकल स्ट्राइक व ऑपरेशन सिंदूर आदि में बखूबी देख चुके हैं, मां भारती के वीर सपूत अब बिना किसी दबाव के आतंकवादियों व नक्सलियों के जहरीले फन को निरंतर कुचल कर के सफाया करने का कार्य बखूबी कर रहे हैं। पिछले लगभग 4 या 5 दशक से आतंक की आग में झुलस रहे जम्मू-कश्मीर में अमन-चैन को कायम करने के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप अब वहां पर शांति है। धारा 370 को हटाकर के जम्मू-कश्मीर के निवासियों को दशकों से वंचित किए गए उनके हक को वापस दिया गया। वहीं देशवासियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत सारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिसमें मुख्य रूप से देखा जाए तो जन धन योजना, कौशल भारत मिशन, मेक इन इंडिया, स्वच्छ भारत मिशन, सांसद आदर्श ग्राम योजना, श्रमेव जयते योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, हृदय योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, उजाला योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री ज्योति ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, स्मार्ट सिटी योजना, अमृत योजना, डिजिटल इंडिया मिशन, स्वर्ण मुद्रीकरण योजना, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना, उदय, स्टार्ट-अप इंडिया, सेतु भारतम योजना, स्टैंड अप इंडिया, ग्रामोदय से भारत उदय, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, नमामि गंगे योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, आयुष्मान भारत योजना, आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना आदि जैसी योजनाएं चल रही हैं। यह योजनाएं हम भारतवासियों के जीवन स्तर में सुधार करते हुए उसे बेहतर बनाने कार्य कर रही हैं।

अपनी दमदार कार्यशैली के दम पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनता की अदालत में लोगों की आशा व उम्मीद का सकारात्मक प्रतीक बन चुकें हैं, लोग मान रहे हैं कि मोदी के नेतृत्व में भारत का बहुत तेज़ी से सर्वांगीण विकास हो रहा है। मोदी सनातन धर्म के गौरवशाली इतिहास को संरक्षित करते हुए देश व दुनिया को उससे बखूबी रूबरू करवा रहा है। आज का शक्तिशाली नया भारत आत्मनिर्भरता, विकास और वैश्विक सम्मान की एक नई ऊंचाइयों को छूने का कार्य कर रहा है। मोदी के नेतृत्व में विकासशील भारत अब विकसित भारत की दिशा में तेज़ी से आगे कदम बढ़ रहा है। जब पूरी दुनिया युद्ध व मंदी की मार से ग्रस्त हैं उस वक्त भी मोदी के प्रयासों से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है और दुनिया के ताकतवर देशों को पीछे छोड़ने का कार्य कर रही है, जो एक बहुत अच्छा संकेत है। आज भारत दुनिया के निवेशकों की पसंदीदा जगह बनता जा रहा है, भारत में अब विदेशी कंपनियों के बड़े-बड़े कल-कारखाने खुलने लगें हैं। आर्थिक स्तर के मोर्चे के साथ-साथ सामरिक स्तर पर भी अब तो दुनिया भारत का लोहा मानने लगी है। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ओजस्वी नेतृत्व में भारत विकास के नित-नए आयाम स्थापित करने का कार्य कर रहा है, लोग भी बढ़े ही आत्म विश्वास के साथ गर्व से कह रहे हैं कि मोदी है तो मुमकिन है। (लेखक अधिवक्ता, स्वतंत्र पत्रकार, स्तंभकार व राजनीतिक विश्लेषक है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

विकास भवन में अचानक निकला जहरीला सांप, कर्मचारियों में मची भगदड़

सांप दिखाई देते ही कार्यालय परिसर में मचा हड़कंप, कर्मचारियों और आगंतुकों में अफरा-तफरी; सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

मुजफ्फरनगर। विकास भवन में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कार्यालय परिसर में अचानक एक जहरीला सांप दिखाई दिया। सांप को देखते ही वहां मौजूद कर्मचारियों और लोगों में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और काफी सावधानी से सांप को रेस्क्यू कर लिया।

सांप दिखाई देते ही मची भगदड़

बताया गया कि विकास भवन परिसर में सामान्य रूप से सरकारी कामकाज चल रहा था। इसी दौरान कर्मचारियों की नजर परिसर में घूम रहे सांप पर पड़ी। सांप को देखते ही लोगों में डर का माहौल बन गया। कुछ ही देर में मौके पर मौजूद लोगों की भीड़ सांप से दूर हटने लगी और परिसर में अफरा-तफरी की स्थिति पैदा हो गई।

जहरीला सांप होने की सूचना से बढ़ी दहशत

मौके पर मौजूद लोगों ने सांप को जहरीला बताते हुए तत्काल इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दी। सांप के कार्यालय परिसर में होने की जानकारी मिलते ही लोगों को सतर्क कर दिया गया और उसे पकड़ने के लिए वन विभाग से संपर्क किया गया।

वन विभाग की टीम ने संभाला मोर्चा

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम विकास भवन पहुंची। टीम ने आसपास के लोगों को दूर हटाया और सावधानीपूर्वक सांप को

तलाशना शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद टीम ने सांप को सुरक्षित पकड़ लिया। इसके बाद कर्मचारियों और अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

रेस्क्यू के बाद टली बड़ी अनहोनी

सांप के सुरक्षित रेस्क्यू होने के बाद विकास भवन में कामकाज सामान्य हुआ। गनीमत रही कि सांप के कारण किसी कर्मचारी या वहां पहुंचे किसी व्यक्ति को नुकसान नहीं हुआ। वन विभाग की टीम द्वारा सांप को सुरक्षित स्थान पर छोड़ने की कार्रवाई की गई।

कार्यालय परिसर में सांप निकलने से सुरक्षा पर भी उठे सवाल

विकास भवन जैसे सरकारी कार्यालय परिसर में सांप निकलने की घटना के बाद कर्मचारियों में सुरक्षा को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई। कर्मचारियों का कहना है कि परिसर में झाड़ियों और ऐसे स्थानों की नियमित सफाई जरूरी है, ताकि जहरीले जीव-जंतुओं के आने की संभावना कम हो सके।

रेस्क्यू का वीडियो भी चर्चा में

विकास भवन में सांप निकलने और वन विभाग की टीम द्वारा उसे रेस्क्यू किए जाने का वीडियो भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। वीडियो में सांप को पकड़ने के दौरान लोगों की भीड़ को सुरक्षित दूरी पर खड़े देखा जा सकता है। घटना के बाद कर्मचारियों ने राहत की सांस ली।

उपचार के लिए मां को मेरठ ले जा रहे युवक पर लाठी से हमला, बीच-बचाव कराने आई बुआ भी पीटी

मुजफ्फरनगर। मीरापुर थाना क्षेत्र के गांव कासमपुर खोला में उपचार के लिए अपनी मां को मेरठ ले जा रहे युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि घर के सामने पड़ोसी ने पहले युवक के साथ बिना वजह गाली-गलौज की और फिर पीछे से लाठी से हमला कर दिया। इसके बाद आरोपी ने युवक के साथ लात-घूंसों से मारपीट की। शोर सुनकर बीच-बचाव कराने पहुंची युवक की बुआ के साथ भी मारपीट करने का आरोप है। घटना में महिला को चोटें आईं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव कासमपुर खोला निवासी युवक ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 14 सितंबर 2026 की सुबह करीब 6:30 बजे वह अपनी मां को उपचार के लिए मेरठ ले जाने के लिए घर से निकल रहा था। इसी दौरान घर के सामने पड़ोस में रहने वाला रवि शर्मा वहां आ गया। शिकायतकर्ता के अनुसार रवि शर्मा ने उसके साथ बिना किसी वजह के गाली-गलौज शुरू कर दी। युवक ने जब इसका विरोध किया तो आरोप है कि रवि शर्मा ने पीछे से उस पर लाठी से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से युवक को चोटें आईं और इसके बाद आरोपी ने उसके साथ लात-घूंसों से भी मारपीट की। घटना के दौरान युवक और उसके परिवार की ओर से शोर मचाया गया। शोर सुनकर युवक की बुआ कमला मौके पर पहुंचीं और दोनों के बीच हो रही मारपीट को रोकने का प्रयास किया। आरोप है कि आरोपी ने बीच-बचाव कराने आई महिला को भी नहीं बख्शा और उसके साथ भी मारपीट कर दी।

तहरीर के मुताबिक मारपीट के दौरान युवक की बुआ को भी चोटें आईं। परिवार की ओर से घटना के बाद पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। शिकायतकर्ता ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। शिकायतकर्ता का आरोप है कि मारपीट करने के बाद रवि शर्मा उसे जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग गया। धमकी के बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई। घटना 14 सितंबर की बताई गई है, जबकि शिकायतकर्ता ने 17 सितंबर को मीरापुर थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित तहरीर दी। तहरीर में उसने पूरे घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की। मीरापुर थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर रवि शर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। विवेचना के दौरान मारपीट की घटना, चोटों, मौके पर मौजूद लोगों और धमकी दिए जाने के आरोपों की जांच की जाएगी।

पुलिस दोनों पक्षों के बयानों के साथ ही घटना से जुड़े अन्य साक्ष्यों को भी जांच में शामिल कर सकती है। चोटों के संबंध में मेडिकल रिपोर्ट और मौके पर मौजूद लोगों के बयान भी मामले में महत्वपूर्ण हो सकते हैं। शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि विवेचना में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर होगी।

नहर पुल के पास चेकिंग में अवैध तमंचे के साथ युवक गिरफ्तार

भोपा पुलिस ने आरोपी के कब्जे से .315 बोर का तमंचा और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए, आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज

मोरना। भोपा थाना पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध शस्त्र और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के कब्जे से .315 बोर का अवैध तमंचा और तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

रात में चल रही थी संदिग्धों की चेकिंग

पुलिस के अनुसार 17 सितंबर 2026 की रात करीब 11 बजे थाना भोपा पुलिस टीम संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम भोपा नहर पुल से बेहड़ा की ओर जाने वाले रास्ते पर चेकिंग कर रही थी।

पुलिस को देखकर युवक पर हुआ शक

चेकिंग के दौरान पुलिस को एक संदिग्ध युवक दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली तो उसके कब्जे से अवैध हथियार और जिंदा कारतूस बरामद हुए। इसके बाद पुलिस ने आरोपी

को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

तमंचा और तीन कारतूस बरामद

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुधीर कुमार पुत्र रविन्द्र निवासी ग्राम रानी का बसेरा, थाना छपार, जनपद मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा .315 बोर और तीन जिंदा कारतूस .315 बोर बरामद किए गए।

आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज

अवैध शस्त्र बरामद होने के बाद भोपा पुलिस ने आरोपी सुधीर कुमार के खिलाफ आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया है। पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

उपनिरीक्षक आकाश शर्मा की टीम ने की गिरफ्तारी

पुलिस के अनुसार आरोपी की गिरफ्तारी और बरामदगी की कार्रवाई उपनिरीक्षक आकाश शर्मा और थाना भोपा पुलिस टीम द्वारा की गई। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध हथियारों की धरपकड़ और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग का अभियान लगातार जारी है।

VBYLD-2027 और यूथ फेस्टिवल में युवाओं को मिलेगा राष्ट्रीय मंच

युवाओं को मिलेगा विचार, नवाचार और प्रतिभा दिखाने का राष्ट्रीय मंच

मुजफ्फरनगर। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के मेरा युवा भारत (MY Bharat) कार्यक्रम के तहत विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग (VBYLD)-2027 के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों का आयोजन शुरू कर दिया गया है। जिले के 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा, रचनात्मक सोच, नवाचार और सामाजिक विचारों को सामने रखने का अवसर मिलेगा। चयन प्रक्रिया जिला स्तर से शुरू होकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचेगी। जिला युवा अधिकारी अवेक्षा कपूर ने जानकारी देते हुए बताया कि VBYLD-2027 के लिए अनेक स्तरों पर प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इनमें कुछ प्रतियोगिताएं ऑनलाइन होंगी, जबकि कुछ गतिविधियां कार्यालय स्तर पर भी आयोजित की

जाएंगी। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन विभिन्न चरणों के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य आयोजन भारत मंडपम, नई दिल्ली में प्रस्तावित है। इसके लिए युवाओं को अलग-अलग विषयों पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर दिया जा रहा है। चयनित युवाओं को राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर मिलेगा तथा उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष अपने विचार एवं सुझाव रखने का अवसर भी मिल सकता है।

चार प्रमुख ट्रैक में भागीदारी का अवसर

VBYLD-2027 के तहत युवाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं ट्रैक निर्धारित किए गए हैं। इनमें VBYLD Quiz, Youth Entrepreneurs Challenge, Design for Bharat और Hack for Social Cause प्रमुख हैं। VBYLD Quiz के माध्यम से युवा देश के शासन, नीतियों और विकास से जुड़े विषयों पर अपने ज्ञान का प्रदर्शन कर सकते हैं। Youth Entrepreneurs Challenge में कृषि, हरित ऊर्जा, तकनीक और स्थानीय विकास से जुड़े स्टार्टअप एवं नीतिगत विचार प्रस्तुत किए जा सकते हैं। इसी प्रकार Design for Bharat के तहत नेतृत्व, संस्कृति और समाजसेवा से संबंधित रचनात्मक डिजाइन एवं विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा, जबकि Hack for Social Cause में ग्रामीण एवं नागरिक समस्याओं के तकनीकी और व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किए जा सकेंगे।

इन प्रतियोगिताओं में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार VBYLD Quiz और Youth Entrepreneurs Challenge के लिए 30 सितंबर, Design for Bharat के लिए 1 अक्टूबर तथा Hack for Social Cause के लिए 15 अक्टूबर तक प्रविष्टियां ली जाएंगी।

जिला से राष्ट्रीय स्तर तक होगा चयन

जिला युवा अधिकारी अवेक्षा कपूर ने बताया कि प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों का चयन चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। पहले जिला स्तर, उसके बाद राज्य स्तर और फिर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभागियों का चयन होगा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चयनित युवाओं को राष्ट्रीय कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने बताया कि अक्टूबर माह में युवा संसद का मॉक ड्रिल भी आयोजित किया जाएगा। इसके माध्यम से युवाओं को संसदीय प्रक्रिया, नेतृत्व क्षमता और सार्वजनिक मुद्दों पर अपनी बात रखने का व्यावहारिक अनुभव दिया जाएगा।

स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर यूथ फेस्टिवल

मेरा युवा भारत कार्यालय में स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

जिला युवा अधिकारी अवेक्षा कपूर ने स्वयंसेवकों के कार्यों की सराहना की

मुजफ्फरनगर। मेरा युवा भारत कार्यालय, मुजफ्फरनगर में स्वयंसेवकों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जिला युवा अधिकारी अवेक्षा कपूर ने विभिन्न सामाजिक एवं युवा गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने वाले स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान जिला युवा अधिकारी अवेक्षा कपूर ने स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी से सामाजिक जागरूकता एवं जनहित से जुड़े कार्यों को और मजबूती मिलती है। स्वयंसेवकों से भविष्य में भी इसी तरह समाजहित के कार्यों में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने का आह्वान किया गया।

इस अवसर पर पूजा, लक्ष्मी, प्रिया सैनी, शिवानी पाल, अनीता, प्रियंका, रोहित, मोहित, प्रीति पाल, आजाद कुमार, सागर कुमार, अजय कुमार, विक्रांत कुमार, राहुल कुमार, नितिन एवं सचिन सहित अन्य स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों में उत्साह देखने को मिला। सम्मानित युवाओं ने भविष्य में भी युवा एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भागीदारी करने का संकल्प लिया।

कैराना में सीजेएम अदालत का ऐतिहासिक फैसला: एक ही दिन में 17 दोषियों को सुनाई सजा, कारावास के साथ अर्थदंड भी ठोका

अवैध हथियार, गोवध, चोरी, लूट और कॉपीराइट उल्लंघन जैसे 9 मामलों की सुनवाई करके सुनाया फैसला

कैराना(शामली)। कैराना में पुराने मुकदमों के त्वरित निस्तारण की दिशा में बृहस्पतिवार को महत्वपूर्ण कदम सामने आया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की अदालत ने एक ही दिन में 9 अलग-अलग मामलों में 17 दोषियों को सजा सुनाई। अदालत ने सभी दोषियों को पूर्व में जेल में बिताई गई अवधि के आधार पर कारावास की सजा सुनाते हुए उनके ऊपर अलग-अलग राशि का अर्थदंड भी लगाया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की अदालत द्वारा जिन मुकदमों में फैसला सुनाया गया, वे वर्ष 1998 से लेकर वर्ष 2022 के बीच कैराना, झिंझाना, बाबरी, शामली और आसपास के थानों में दर्ज किए गए थे। इनमें अवैध असलहा, चोरी, गोवध अधिनियम, लूट तथा कॉपीराइट अधिनियम से संबंधित मामले शामिल थे। अदालत द्वारा एक ही दिन में 9 मुकदमों में 17 दोषियों को सजा सुनाए जाने से पुराने मामलों के त्वरित निस्तारण को बल मिला है।

सजा पाने वाले सभी अपराधियों द्वारा पूर्व में जेल में काटी जा चुकी अवधि को ही उनके कारावास के रूप में समायोजित किया गया है। वर्ष 2009 में कैराना कोतवाली में दर्ज मामले में जगनपुर निवासी शम्भू को 18 दिन के कारावास और 2,000 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई।

वहीं वर्ष 2019 में थाना झिंझाना में दर्ज दो मामलों में अशरफपुर निवासी मुकेश को तीन दिन के कारावास और 1,000 रुपये अर्थदंड तथा कुलदीप को तीन दिन के कारावास और 5,000 रुपये अर्थदंड की सजा मिली। वर्ष 2003 में थाना झिंझाना में दर्ज गोवध अधिनियम के मामले में टपराना निवासी इरफान, सलीम और वसीम को दोषी ठहराया गया। तीनों को 6-6 दिन के कारावास के साथ 4,500-4,500 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई। कैराना कोतवाली में दर्ज चोरी के पुराने मामलों में भी अदालत ने फैसला सुनाया। वर्ष 1998 के एक मामले में बुच्चा खेड़ी निवासी कृष्ण पाल तथा तीतरवाड़ा निवासी उमरदीन और गयूर को 8-8 दिन के कारावास और 1,000-1,000 रुपये अर्थदंड की सजा दी गई। वर्ष 1998 के ही एक अन्य मामले में मोहल्ला आलखुर्द निवासी फरमान, मुस्तयाक और नत्थू को 10-10 दिन के कारावास तथा 1,500-1,500 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई। वर्ष 2002 के मामले में मोहल्ला आलकला निवासी इरशाद उर्फ काला को 4 माह 21 दिन के कारावास और 1,500 रुपये अर्थदंड की सजा मिली।

रंग संसार

अंजलि अरोड़ा की 'श्री रामायण कथा' से पहले देव शर्मा को ऑफर हुई थी आदिपुरुष और रामायण

नई दिल्ली। अंजलि अरोड़ा की आगामी पौराणिक फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले देव शर्मा ने खुलासा किया है कि पहले उन्हें 'आदिपुरुष' और 'रामायण' ऑफर हुई थी। देव शर्मा का कहना है कि उन्होंने प्रभास की 'आदिपुरुष' और रणबीर कपूर की 'रामायण' में लक्ष्मण की भूमिका निभाने के लिए ऑडिशन दिया था लेकिन उन्हें सिर्फ इस वजह से रिजेक्ट कर दिया गया क्योंकि वह लंबे थे। देव को ऑफर हुई थी आदिपुरुष और रामायण 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में देव शर्मा ने बताया कि वह रणबीर कपूर और प्रभास से लंबे थे, जिसकी वजह से उन्हें रिजेक्ट कर दिया गया। एक्टर ने कहा, "इससे पहले (श्री रामायण कथा) मुझे 'आदिपुरुष' और नितेश तिवारी की 'रामायण' दोनों में ही लक्ष्मण का रोल ऑफर हुआ था। मेरे लुक टेस्ट भी लगभग फाइनल हो गए थे, लेकिन बात नहीं बन पाई।"क्यों रामायण-आदिपुरुष से रिजेक्ट हुए थे एक्टर? देव शर्मा ने दोनों फिल्मों से रिजेक्ट होने की वजह बताई है। उन्होंने कहा, "कहीं मैं राम की भूमिका निभाने वाले एक्टर से दो इंच लंबा था और दूसरी जगह मैं भगवान राम का रोल करने वाले एक्टर जितना ही लंबा-चौड़ा था, इसलिए मुझे फाइनल नहीं किया गया। तो मैं निराश हो गया कि शायद रामायण के साथ मेरा कनेक्शन उतना अच्छा नहीं है। इसीलिए मुझे बार-बार रिजेक्ट किया जा रहा है।"आपको बता दें कि प्रभास स्टारर आदिपुरुष में लक्ष्मण की भूमिका सनी सिंह ने निभाई थी, जबकि रामाणय में लक्ष्मण की भूमिका रवि दुबे निभा रहे हैं। वहीं, बात करें 'श्री रामायण कथा' की तो इसमें देव शर्मा राम की भूमिका निभा रहे हैं। अभिषेक सिंह निर्देशित फिल्म में सीता की भूमिका में अंजलि अरोड़ा हैं। यह फिल्म 25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राज काज

6 घंटे, 4 कंपनी और 40000 करोड़ का नुकसान, टाटा समूह में जारी घमासान से निवेशक बेहाल

नई दिल्ली। टाटा समूह में जारी अंदरुनी घमासान के चलते 18 सितंबर को निवेशकों को तगड़ा नुकसान उठाना पड़ा, क्योंकि टाटा ग्रुप की कंपनियों के मार्केट कैप में 40,000 करोड़ रुपये तक की गिरावट आ गई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि टाटा संस की सबसे बड़ी शेयरहोल्डर, टाटा ट्रस्ट्स ने कहा कि वह ग्रुप की पैरेंट कंपनी की लिस्टिंग के लिए सहमत नहीं है, जिससे अनिश्चितता बढ़ गई।

निवेशकों ने लीडरशिप को लेकर अनिश्चितता और टाटा संस की संभावित लिस्टिंग का ग्रुप के स्ट्रक्चर पर पड़ने वाले असर को देखते हुए सावधानी बरती, जिसके कारण शेयरों में बिकवाली हुई।

4 शेयरों में जबरदस्त बिकवाली

मनीकंट्रोल की रिपोर्ट में PhonePe के Share.Market के एनालिस्ट मयंक जैन ने कहा कि गवर्नेंस से जुड़ी चिंताओं का असर टाटा ग्रुप के शेयरों के सेंटीमेंट पर पड़ रहा है, और अलग-अलग कंपनियां अभी भी अपनी इंडस्ट्री से जुड़े फंडामेंटल्स से प्रभावित हो रही हैं। टाटा समूह की सबसे मूल्यवान कंपनी, टीसीएस के शेयर बिकवाली के दबाव के कारण 3.88 प्रतिशत गिरकर बंद हुए।मार्केट एनालिस्ट ने कहा कि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) के शेयर डेली चार्ट पर लगातार कमजोरी दिख रही है और बिकवाली के दबाव के कारण इसका मार्केट स्ट्रक्चर 'लोअर-हाई' और 'लोअर-लो' वाला बना हुआ है। यह स्टॉक अपने अहम मूविंग एवरेज से नीचे बना हुआ है, जो शॉर्ट-टू-मीडियम-टर्म में गिरावट का ट्रेंड (डाउनट्रेंड) दिखाता है। वहीं, टाटा केमिकल्स के शेयरों में 11% से ज्यादा की गिरावट आई और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के शेयर 3.4% गिरे। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (TMPV) के बारे में जैन ने कहा, "TMPV डेली चार्ट पर भारी बिकवाली के दबाव में है। अपने पिछले हाई से तेज गिरावट के बाद इसका लॉन्ग-टर्म डाउनट्रेंड जारी है।

टाटा एल्क्सी के शेयरों में 3.4 प्रतिशत की गिरावट आई, टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन के शेयरों में 2.55 प्रतिशत की

दैनिक राशिफल शनिवार 19 सितम्बर 2026

मेष – कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी।

वृष – अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं।

मिथुन : समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा।

कर्क – संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी।

सिंह– अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। स्वास्थ्य नरम होगा।

कन्या – कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुराने मित्र से मिलन होगा।

तुला – माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा।

वृश्चिक – पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। कर्ज देने से बचें।

धनु – स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढड्टे के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। एकाकी वृत्ति त्यागें।

मकर – अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढड्टे के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। धार्मिक यात्रा का योग।

कुंभ – कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी।

मीन – शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अतःधैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी।

दैनिक पंचांग

19 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

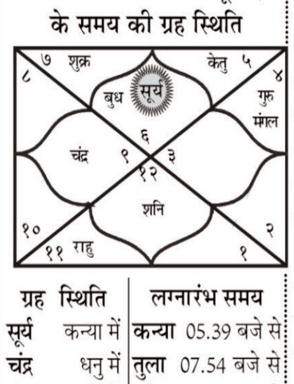

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	कन्या	05.39 बजे से
चंद्र	धनु में	तुला	07.54 बजे से
मंगल	कर्क में	वृश्चिक	10.09 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.25 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	14.30 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.16 बजे से
शनि	मीन में	मीन	17.49 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.20 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.00 बजे से
		मिथुन	22.58 बजे से
		कर्क	01.11 बजे से
		सिंह	03.27 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 262 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि अष्टमी 15.27 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 01.43 बजे रात्र को समाप्त।
योग आयुष्मान 14.29 बजे को समाप्त।
करण बव 15.27 बजे तदनन्तर बालव 04.41 बजे प्रात: को समाप्त।
चन्द्रायु 07.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 01° 33'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872837
जूलियन दिन 2461302.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी **तारीख** 07
विशेष मासिक दुर्गाष्टमी, गौरी विसर्जन, दधीचि जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

राख में दबे शव से खुला हत्या का राज, तीन साल बाद दोस्त को उम्रकैद

14 अप्रैल 2023 को घर से निकला राहुल फिर नहीं लौटा, अगले दिन काली राख में मिला शव; सीसीटीवी फुटेज से खुली कड़ी, दोस्त अजय सैनी निकला हत्यारा

मुजफ्फरनगर। घर से काम के लिए निकला 23 वर्षीय राहुल अगले दिन जिंदा नहीं, बल्कि काली राख के ढेर में दबा मिला था। तीन साल से अधिक समय तक चले इस हत्याकांड के मुकदमे में अब अदालत ने उसके दोस्त अजय सैनी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मामला सिखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव भंडूरा से जुड़ा है, जबकि राहुल का शव नई मंडी क्षेत्र में न्यू वैल्किन स्कूल के पास मिला था।

काम पर जाने के बाद गायब हुआ था राहुल

सिखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव भंडूरा निवासी सुभाष उर्फ कूड़ा का 23 वर्षीय बेटा राहुल भोपा रोड स्थित टायर फैक्ट्री में काम करता था। 14 अप्रैल 2023 को राहुल घर से काम के लिए निकला था। रोजाना की तरह उसके वापस लौटने का इंतजार किया गया, लेकिन देर रात तक वह घर नहीं पहुंचा। परिवार ने उसकी तलाश शुरू की, मगर कोई जानकारी नहीं मिली।

तलाश अगले दिन पहुंची शव तक

15 अप्रैल को नई मंडी क्षेत्र में न्यू वैल्किन स्कूल के निकट उद्योगों से निकली काली राख में एक युवक का शव पड़ा मिला। पहचान होने पर शव राहुल का निकला। युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। मृतक के पिता की ओर से उस समय अज्ञात फैक्ट्री मालिकों और कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था।

कैमरे की फुटेज ने बदली जांच की दिशा

पुलिस ने राहुल के गायब होने से लेकर शव मिलने तक की घटनाओं को जोड़ने के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसी दौरान एक अहम फुटेज सामने आई। इसमें राहुल का दोस्त अजय

सैनी उसे साइकिल पर बैठाकर ले जाता दिखाई दिया। इसके बाद जांच की दिशा बदल गई और पुलिस ने अजय को केंद्र में रखकर पड़ताल आगे बढ़ाई।

दोस्त के साथ निकला था, फिर लौटकर नहीं आया

अभियोजन के अनुसार अजय सैनी राहुल को अपने साथ न्यू वैल्किन स्कूल के निकट ले गया था। वहां उसने राहुल को शराब पिलाई। आरोप के मुताबिक राहुल के नशे में होने के बाद अजय ने कुल्हाड़ी से वार कर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को छिपाने के लिए काली राख में दबा दिया गया था।

छह दिन में पुलिस ने आरोपी को पकड़ा

पुलिस ने विवेचना के दौरान सामने आए साक्ष्यों के आधार पर अजय सैनी को 20 अप्रैल 2023 को गिरफ्तार किया। मामले की जांच पूरी होने के बाद 31 मई 2023 को उसके खिलाफ न्यायालय में आरोप-पत्र दाखिल किया गया। इसके बाद मुकदमे की सुनवाई शुरू हुई।

फास्ट ट्रैक कोर्ट में चली सुनवाई

मामले की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायालय, फास्ट ट्रैक कोर्ट-2 की पीठासीन अधिकारी शिव कुमारी के न्यायालय में हुई। अभियोजन की ओर से सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता कमल कुमार ने पैरवी की। अभियोजन ने न्यायालय के समक्ष मामले से जुड़े साक्ष्य और गवाह प्रस्तुत किए।

तीन साल 18 दिन बाद आया फैसला

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता कमल कुमार के अनुसार अदालत ने सुनवाई पूरी करने के बाद अजय सैनी को राहुल की हत्या का दोषी माना। न्यायालय ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई। घटना के करीब तीन साल 18 दिन के भीतर मामले में फैसला आया।

परिवार के लंबे इंतजार का हुआ अंत

राहुल की मौत के बाद उसके परिवार के सामने सबसे बड़ा सवाल उसकी हत्या की सच्चाई सामने आने और दोषी को सजा मिलने का था। पुलिस की जांच में सीसीटीवी फुटेज से शुरू हुई कड़ी आखिरकार अदालत के फैसले तक पहुंची। अब अदालत द्वारा दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाए जाने के बाद परिवार के लंबे कानूनी इंतजार का एक अहम पड़ाव पूरा हुआ।

आर्केड फार्म हाउस की जमीन को लेकर घमासान, विपिन बालियान ने बसपा नेता पर लगाए गंभीर आरोप

जमीन को शत्रु संपत्ति बताकर किया गया दुष्प्रचार, लेखपाल की रिपोर्ट मीडिया के सामने रखी, नाजायज दबाव व अवैध वसूली के प्रयास का आरोप

मुजफ्फरनगर। आर्केड फार्म हाउस की जमीन को लेकर चल रहा विवाद अब आरोप-प्रत्यारोप के बीच और तूल पकड़ता नजर आ रहा है। शुक्रवार को फार्म हाउस के मालिक विपिन बालियान ने आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष अरविंद बालियान और भाजपा नेत्री अलका शर्मा के साथ मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बसपा नेता सुशील शर्मा, उनके भाई अखिलेश शर्मा और बेटे हैप्पी पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया कि एक परिवार के रूप में जमीनों को लेकर दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने संबंधित लोगों को भू-माफिया के रूप में चिह्नित कर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई किए जाने की मांग भी उठाई।

जमीन के कागजात निकलवाकर दबाव बनाने का आरोप

विपिन बालियान ने आरोप लगाया कि बसपा नेता सुशील शर्मा अपने साथियों के साथ शहर की जमीनों पर नजर रखते हैं और खाली जमीनों के कागजात निकलवाने के बाद उसमें प्रवेश करने तथा कब्जे को लेकर दबाव बनाने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जमीन मालिकों पर दबाव बनाने के लिए शिकायतें की जाती हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और दूसरे पक्ष का विस्तृत बयान सामने आना बाकी है।

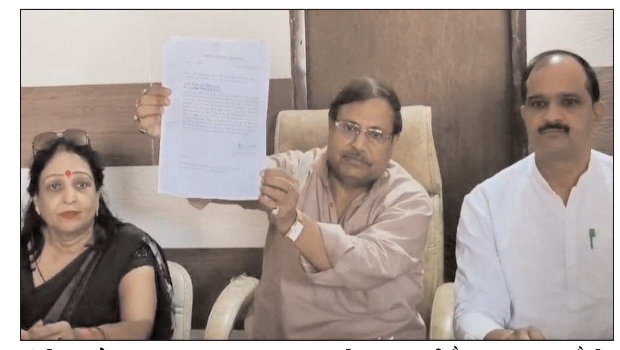

आर्केड फार्म हाउस की जमीन को शत्रु संपत्ति बताने पर सवाल

मीडिया से बातचीत में विपिन बालियान ने विशेष रूप से उस दावे को लेकर आपत्ति जताई, जिसमें कथित तौर पर आर्केड फार्म हाउस की जमीन को शत्रु संपत्ति बताया गया था। उन्होंने कहा कि यह दावा गलत है और उनके पास जमीन की स्थिति से संबंधित दस्तावेज मौजूद हैं। उन्होंने वर्ष 2026 में लेखपाल की ओर से दी गई रिपोर्ट की प्रति भी मीडिया के सामने रखी और दावा किया कि रिपोर्ट से जमीन को लेकर लगाए जा रहे आरोपों की स्थिति स्पष्ट होती है।

40 लाख जमा कराने और पांच करोड़ का नोटिस देने की बात

विपिन बालियान ने कहा कि उन्होंने बसपा नेता सुशील शर्मा के खिलाफ 40 लाख रुपये की धनराशि जमा कराकर पांच करोड़ रुपये का नोटिस देने की प्रक्रिया शुरू की है। उनका कहना है कि झूठे आरोपों और उनकी संपत्ति को लेकर सवाल उठाए जाने से उन्हें आर्थिक एवं सामाजिक नुकसान हुआ है। उन्होंने इस मामले में कानूनी कार्रवाई किए जाने की बात भी कही।

सुशील शर्मा के परिवार के खिलाफ मुकदमों का भी जिक्र

वार्ता के दौरान विपिन बालियान ने सुशील शर्मा, उनके भाई अखिलेश शर्मा और बेटे हैप्पी के खिलाफ दर्ज बताए जा रहे मुकदमों का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि इन मामलों का रिकॉर्ड सामने रखे जाने से पूरे विवाद की पृष्ठभूमि को समझने में मदद मिलेगी। हालांकि जिन मुकदमों का उल्लेख किया गया, उनकी वर्तमान स्थिति और उनमें लगे आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि इस वार्ता के आधार पर नहीं हुई है।

खेत के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइन बनी आग का कारण, 25 बीघा फसल राख

मीरापुर। थाना क्षेत्र के ग्राम सम्भलहेड़ा में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब खेतों के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन में स्पार्किंग के बाद गन्ने की खड़ी फसल में आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और किसान महेन्द्र पुत्र छोटन की करीब 25 बीघा गन्ने की फसल जलकर राख हो गई। किसान ने शासन-प्रशासन से जांच कराकर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। ग्राम सम्भलहेड़ा निवासी किसान महेन्द्र के पास गांव में करीब 35 बीघा जमीन है, जिसमें गन्ने की फसल खड़ी है। किसान के अनुसार खेत के ऊपर से 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन गुजर रही है। शुक्रवार करीब तीन बजे विद्युत तारों में अचानक स्पार्किंग हुई और चिंगारी

खेत में गिरने से गन्ने की फसल में आग लग गई। घटना के समय किसान अपने घर पर था। आग लगने की जानकारी गुरतेज पुत्र बलबीर ने फोन कर किसान को दी। सूचना मिलते ही किसान महेन्द्र तत्काल खेत की ओर दौड़ा। देखते ही देखते आग लगने की खबर पूरे गांव में फैल गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण किसान अपने ट्रैक्टर लेकर मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में जुट गए। ग्रामीणों ने ट्रैक्टरों तथा मिट्टी की सहायता से आग को आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया। सैकड़ों ग्रामीणों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने की सूचना अग्निशमन विभाग को भी दी गई, लेकिन दमकल की गाड़ी पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने आग बुझा दी। हालांकि तब तक किसान की करीब 25 बीघा गन्ने की फसल जलकर नष्ट हो चुकी थी। किसान का कहना है कि फसल तैयार करने में कई महीने की मेहनत और लाखों रुपये की लागत लगी थी। फसल बर्बाद होने से परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। किसान महेन्द्र ने आरोप लगाया कि विद्युत लाइन के तार गन्ने की फसल से टकराते हुए गुजर रहे हैं। इस संबंध में कई बार विद्युत विभाग के अवर अभियंता मीरापुर सतीश कुमार को अवगत कराया गया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। घटना की सूचना पर नायब तहसीलदार अजय कुमार मौके पर पहुंचे और स्थिति का निरीक्षण किया। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सम्भलहेड़ा चौकी प्रभारी मदनपाल सिंह भी पुलिस टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे। नायब तहसीलदार ने बताया कि किसान के अनुसार विद्युत तारों में चिंगारी उठने से आग लगी, जिससे करीब 25 बीघा गन्ने की फसल नष्ट हुई है। मौके पर लेखपाल और विद्युत विभाग के अधिकारियों को बुलाकर जांच कराई जा रही है। वहीं उपखंड अधिकारी मीरापुर ने बताया कि संबंधित अवर अभियंता को मौके पर भेजा गया है। मामले की जांच कराई जा रही है। विभागीय प्रावधानों के अनुसार किसान की हरसंभव मदद की जाएगी तथा मौके पर विद्युत लाइन से संबंधित जो भी समस्या सामने आएगी, उसका समाधान कराया जाएगा।

तुषार शर्मा ने दूसरी बार बनाया विश्व रिकॉर्ड, अखबार की स्टिक्स से रची आदियोगी की अद्भुत शैडो स्कल्प्चर

मुजफ्फरनगर के युवा कलाकार तुषार शर्मा ने 1000 से अधिक अखबार की स्टिक्स से तैयार की अनोखी कलाकृति, करीब 700 घंटे की मेहनत से मिली विश्व रिकॉर्ड की पहचान

मुजफ्फरनगर। शहर के युवा और स्वशिक्षित अखबार क्राफ्ट कलाकार तुषार शर्मा ने अपनी कला के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। तुषार शर्मा ने दूसरी बार विश्व रिकॉर्ड बनाकर मुजफ्फरनगर का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने पूरी तरह अखबार की स्टिक्स से भगवान आदियोगी शिव, केदारनाथ धाम और ॐ नमः शिवाय को दशार्ती अनोखी प्रकाश-छाया कलाकृति तैयार की है। इस कलाकृति को तैयार करने में तुषार ने करीब एक महीने और लगभग 700 घंटे लगातार मेहनत की। इसे बनाने में 1000 से अधिक अखबार की स्टिक्स का इस्तेमाल किया गया। कलाकृति की खासियत यह है कि सामान्य रूप से देखने पर यह अखबार की स्टिक्स से बनी एक कलाकृति दिखाई देती है, लेकिन जब इसके पीछे प्रकाश किया जाता है तो दीवार पर भगवान आदियोगी शिव, केदारनाथ धाम

और ॐ नमः शिवाय की सुंदर छाया उभरकर सामने आती है। तुषार की इस अनोखी कलाकृति को बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की ओर से विश्व रिकॉर्ड के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। यह तुषार के लिए विशेष उपलब्धि है, क्योंकि इससे पहले भी वह एक विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। इस प्रकार अखबार की स्टिक्स से कला को एक अलग पहचान देने वाले तुषार ने दूसरी बार विश्व रिकॉर्ड हासिल किया है। तुषार शर्मा पिछले कई वर्षों से पुराने अखबारों को अपनी रचनात्मक कला के माध्यम से नई पहचान दे रहे हैं। उन्होंने अखबार की स्टिक्स से श्री राम मंदिर, जन गण मन, केदारनाथ धाम, भगवान जगन्नाथ सहित कई अलग-अलग कलाकृतियां तैयार की हैं।

तुषार का कहना है कि इस कलाकृति को तैयार करना उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन लगातार मेहनत और अपनी कला के प्रति जुनून ने उन्हें इसे पूरा करने का हौसला दिया। उनका उद्देश्य अखबार जैसे साधारण कागज से ऐसी कलाकृतियां तैयार करना है, जिन्हें देखकर लोगों को कला के साथ-साथ पुनः उपयोग और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी मिले। दूसरी बार विश्व रिकॉर्ड हासिल करने के बाद तुषार शर्मा की इस उपलब्धि से परिवार, मित्रों और शहरवासियों में खुशी का माहौल है।

खतौली में बंदरों के झुंड ने महिला का कान काटा: शरीर के कई हिस्सों पर गंभीर घाव, जिला अस्पताल रेफर

नगर पालिका से लेकर सीएम पोर्टल तक शिकायत बेअसर, लोगों में आक्रोश

खतौली (मुजफ्फरनगर)। कस्बे में बंदरों का आतंक लगातार गंभीर रूप लेता जा रहा है। गली-मोहल्लों से लेकर सार्वजनिक स्थानों तक बड़ी संख्या में बंदरों के झुंड खुलेआम घूमते नजर आते हैं। बंदरों द्वारा आए दिन लोगों पर हमला किए जाने की घटनाओं के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है। शुक्रवार को मिशन कंपाउंड में बंदरों के झुंड ने घरेलू कार्य करके लौट रही एक महिला पर हमला कर दिया। बंदरों के हमले में महिला का एक कान कट गया, जबकि शरीर के कई अन्य हिस्सों पर भी गंभीर घाव हो गए। महिला के शोर मचाने पर आसपास मौजूद लोगों ने मौके पर पहुंचकर किसी तरह उसे बंदरों के झुंड से बचाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव अंबरपुर निवासी श्रीमती शारदा पत्नी मुकेश कस्बे के मिशन कंपाउंड क्षेत्र में घरेलू कार्य करती हैं। शुक्रवार को वह मिशन कंपाउंड निवासी निकिता रॉय के घर का घरेलू काम निपटाकर वापस लौट रही थीं। इसी दौरान रास्ते में पहले से डेरा डाले बंदरों के झुंड ने अचानक शारदा को घेर लिया और उन पर हमला कर दिया। महिला कुछ समझ पाती, इससे पहले ही बंदरों ने उन्हें काटना शुरू कर

दिया। अचानक हुए हमले से महिला घबरा गई और बचने के लिए शोर मचाने लगी। बंदरों के झुंड ने महिला के शरीर के कई हिस्सों पर काटकर उसे घायल कर दिया। हमले के दौरान महिला का एक कान भी कट गया। महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे। लोगों ने काफी मशक्कत के बाद बंदरों को वहां से भगाया और घायल महिला को उनके चंगुल से बचाया। घटना की जानकारी मिलने पर निकिता रॉय ने घायल शारदा को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने महिला का प्राथमिक उपचार किया। महिला के शरीर पर कई घाव होने तथा कान में गंभीर चोट के चलते चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

शिकायतों के बावजूद समस्या जस की तस

निकिता रॉय का आरोप है कि मिशन कंपाउंड में बंदरों का आतंक लंबे समय से बना हुआ है। यहां बंदरों के झुंड दिन-रात डेरा डाले रहते हैं और आने-जाने वाले लोगों को परेशान करते हैं। उनके द्वारा बंदरों की समस्या से निजात दिलाने के लिए कई बार नगर पालिका परिषद के अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है। इसके अलावा मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराकर बंदरों को पकड़वाने की मांग की गई, लेकिन इसके बावजूद समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया।

बच्चों और महिलाओं में बना रहता है भय

नागरिकों के अनुसार कस्बे के अधिकांश गली-मोहल्लों में बंदरों का आतंक बना हुआ है। विशेष रूप से बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को बंदरों के हमले का खतरा अधिक रहता है। कई स्थानों पर लोग बंदरों के झुंड को देखकर रास्ता बदलने को मजबूर हो जाते हैं। लोगों का कहना है कि बंदरों के हमले की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है।

नागरिकों ने की कार्रवाई की मांग

शुक्रवार को महिला पर हुए हमले के बाद स्थानीय नागरिकों में रोष है। नागरिकों का कहना है कि किसी बड़ी अप्रिय घटना का इंतजार करने के बजाय नगर पालिका परिषद को बंदरों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभावी अभियान चलाना चाहिए। लोगों ने नगर पालिका परिषद से बंदरों को पकड़वाने, प्रभावित क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाने तथा भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद संजय मित्तल की कार्यकारिणी ने फिर संभाला कार्यभार, सहायक रजिस्ट्रार के 5 अगस्त के आदेश पर अगली सुनवाई तक रोक, गुड़ मंडी के व्यापारियों में खुशी

मुजफ्फरनगर। द मुजफ्फरनगर गुड़ खांडसारी एंड ग्रेन मर्चेंट्स एसोसिएशन की कार्यकारिणी को लेकर चल रहे विवाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के बाद नया मोड़ आ गया है। हाईकोर्ट ने सहायक रजिस्ट्रार, फर्म्स, सोसायटीज एंड चिट्स, सहारनपुर मंडल द्वारा 5 अगस्त 2026 को पारित उस विवादित आदेश के प्रभाव एवं संचालन पर अगली सुनवाई की तारीख तक रोक लगा दी है, जिसमें शिकायत के आधार पर एसोसिएशन के चुनाव से चुनी गई कार्यकारिणी को कालातीत घोषित किया गया था।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद अध्यक्ष संजय मित्तल के नेतृत्व वाली कार्यकारिणी ने पुनः कार्यभार संभाल लिया है। एसोसिएशन की ओर से

सहायक रजिस्ट्रार के उक्त आदेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की अदालत में हुई। याचिकाकर्ता द मुजफ्फरनगर गुड़ खांडसारी एंड ग्रेन मर्चेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय मित्तल एवं सचिव निशांक गर्ग (अंकित) की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता प्रभाकर अवस्थी ने पक्ष रखा, जिनकी सहायता अधिवक्ता सुमित डागा ने की। राज्य की ओर से स्थायी अधिवक्ता आर.पी. तिवारी ने अदालत के समक्ष पक्ष रखा।

एसोसिएशन की ओर से दाखिल याचिका में सहायक रजिस्ट्रार, फर्म्स, सोसायटीज एंड चिट्स, सहारनपुर द्वारा 5 अगस्त 2026 को पारित आदेश को सर्टिओरारी के माध्यम से निरस्त किए जाने की मांग की गई थी। याचिकाकताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने अदालत में तर्क दिया कि रजिस्ट्रार अथवा सहायक रजिस्ट्रार को प्रबंधन समिति के चुनाव की वैधता अथवा अवैधता पर निर्णय करने का अधिकार क्षेत्र प्राप्त नहीं है।

सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि सहायक रजिस्ट्रार, फर्म्स, सोसायटीज एंड चिट्स, सहारनपुर द्वारा 05.08.2026 को पारित विवादित आदेश का प्रभाव एवं संचालन अगली सुनवाई की तारीख तक स्थगित रहेगा।

हाईकोर्ट के इस अंतरिम आदेश के बाद एसोसिएशन की कार्यकारिणी ने दोबारा अपना कार्यभार संभाल लिया। आदेश की जानकारी मिलते ही गुड़ मंडी के व्यापारियों में खुशी का माहौल बन गया। व्यापारियों ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश से एसोसिएशन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हुआ है। मामले में आगे की सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष संबंधित पक्षों की दलीलें एवं अभिलेख रखे जाएंगे।

500 रुपये को लेकर कचहरी में चाचा-भतीजे में भिड़ंत, जमकर चले लात-घूंसे

उधार की रकम मांगने पर शुरू हुआ विवाद मारपीट में बदला, दोनों ने एक-दूसरे के कपड़े खींचे; युवक के कपड़े तक फटे, लोगों ने कराया बीच-बचाव

मुजफ्फरनगर। जिला कचहरी परिसर में शुक्रवार दोपहर महज 500 रुपये के लेनदेन को लेकर रिश्ते के चाचा-भतीजे के बीच जमकर मारपीट हो गई। दोनों के बीच पहले कहासुनी हुई और देखते ही देखते मामला हाथापाई तक पहुंच गया। दोनों ने एक-दूसरे पर लात-घूंसे बरसाए और कपड़े खींचकर मारपीट की। इस दौरान युवक के कपड़े तक फट गए। घटना से कचहरी परिसर में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

कचहरी में चश्मे बेचता है युवक

बताया गया कि युवक काफी समय से जिला कचहरी परिसर में चश्मे और धूप के चश्मे बेचने का काम करता है। शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे परिवार में रिश्ते के चाचा लगने वाला करीब 65

वर्षीय व्यक्ति कचहरी पहुंचा। युवक की नजर उस पर पड़ी तो उसने पहले दिए गए 500 रुपये वापस मांगे।

रकम मांगते ही शुरू हुई कहासुनी

500 रुपये वापस मांगने को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि बातचीत के दौरान दोनों पक्षों में गाली-गलौज होने लगी। देखते ही देखते कहासुनी ने मारपीट का रूप ले लिया। आरोप है कि बुजुर्ग ने युवक के साथ मारपीट शुरू कर दी, जिसके बाद युवक ने भी पलटकर जवाब दिया।

दोनों ने एक-दूसरे के कपड़े खींचे

इसके बाद कचहरी परिसर में दोनों के बीच काफी देर तक हाथापाई होती रही। दोनों एक-दूसरे को पकड़कर खींचते रहे और लात-घूंसे बरसाते रहे। मारपीट के दौरान युवक के कपड़े फट गए। दोनों पक्षों की ओर से अभद्र भाषा का इस्तेमाल भी किया गया। मारपीट होते देख आसपास मौजूद लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। कचहरी में मौजूद अधिवक्ताओं और अन्य लोगों ने दोनों को अलग कराने का प्रयास किया, लेकिन दोनों एक-दूसरे पर हमलावर रहे। काफी मशक्कत के बाद दोनों को अलग कराया गया और समझा-बुझाकर मामला शांत कराया गया।

घटना के दौरान किसी व्यक्ति ने पूरी मारपीट का वीडियो बना लिया। अब यह वीडियो सामाजिक माध्यमों पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। वीडियो में दोनों के बीच हाथापाई और कपड़े खींचते हुए मारपीट होती दिखाई दे रही है।

पुलिस कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट नहीं

मामले में किसी पक्ष की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई है या नहीं और पुलिस ने कोई कार्रवाई की है अथवा नहीं, इसकी तत्काल पुष्टि नहीं हो सकी है। फिलहाल 500 रुपये के लेनदेन को लेकर कचहरी परिसर में हुई चाचा-भतीजे की मारपीट चर्चा का विषय बनी हुई है।

पंजाबी कॉलोनी में गणेश उत्सव की धूम, पंडाल में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

मीरापुर। कस्बे की पंजाबी कॉलोनी में आयोजित गणेश उत्सव के पंडाल में श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ रही है। सुबह-शाम बड़ी संख्या में भक्त भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर मोदक का भोग लगा रहे हैं। पंडाल में धार्मिक वातावरण बना हुआ है। गणेश उत्सव समारोह के दौरान योगी श्यामनाथ ने कहा कि भगवान गणपति विघ्नहर्ता हैं और उनके मंत्रों में विशेष आध्यात्मिक शक्ति मानी जाती है। उन्होंने कहा कि भगवान गणेश सभी समस्याओं का समाधान करने वाले देव हैं। उनकी शरण में रहकर दैविक, दैहिक और भौतिक कष्टों से मुक्ति प्राप्त की जा सकती है। गणेश उत्सव के अवसर पर पूर्व विधायक सुरेश चंद तितौरिया, अजीत तितोरिया, मुकेश अग्रवाल, अमित वत्स, मंगेश खुराना और अमित आर्य ने पंडाल में पहुंचकर पूजा-अर्चना की। इस दौरान संजय माहेश्वरी, अभिषेक माहेश्वरी, दर्शनलाल सुखीजा, सिद्धार्थ वर्मा, अरुण शर्मा आदि मौजूद रहे। आयोजकों ने बताया कि मंगलवार 22 सितंबर को गणेश मंडप के निकट भव्य सुंदरकांड का आयोजन होगा। वहीं 25 सितंबर को हवन-पूजन के बाद भगवान गणेश की शोभायात्रा निकाली जाएगी और गंगा बैराज पर प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

भगवंत आयुर्वेदिक कॉलेज में 11वें आयुर्वेद दिवस पर गेस्ट लेक्चर आयोजित

मीरापुर। 11वें आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में भगवंत आयुर्वेदिक कॉलेज एवं भगवंत हॉस्पिटल में 17 सितंबर को गेस्ट लेक्चर का आयोजन किया गया। इस वर्ष आयुर्वेद दिवस की थीम आयुर्वेद फॉर ए हेल्दियर टुमॉरो रही। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. विनीता त्यागी, प्राचार्य एवं अधीक्षक, स्वामी कल्याण देव राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज मुजफ्फरनगर तथा डीन, फैकल्टी ऑफ आयुर्वेद, चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए आयुर्वेद को केवल चिकित्सा पद्धति न मानकर स्वस्थ जीवनशैली का हिस्सा बनाने पर जोर दिया। उन्होंने दिनचर्या, ऋतुचर्या और आयुर्वेद के मूल सिद्धांतों की उपयोगिता समझाई तथा विद्यार्थियों को इन्हें दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। संस्थान के डायरेक्टर डॉ. कुलभूषण गुप्ता ने आयुर्वेद शिक्षा, अनुशासन और सेवा भावना के महत्व पर विचार रखे। डिप्टी डायरेक्टर डॉ. पुष्पनील वर्मा ने आयुर्वेद की समग्र चिकित्सा पद्धति पर प्रकाश डाला। चेयरमैन डॉ. अनिल सिंह ने सभी को आयुर्वेद दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. संजय गुप्ता, डॉ. शेखर सोलंकी सहित शिक्षकगण, अधिकारी, स्टाफ और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। अंत में डॉ. शेखर सोलंकी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर 11 लाख की ठगी का आरोप, गिरोह के खिलाफ मुकदमा दर्ज

गृह मंत्रालय में तैनात होने का झांसा देकर पत्नी और भान्जे की नौकरी लगवाने के नाम पर चार लाख ऐंठने का आरोप

मुजफ्फरनगर। सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर लोगों से लाखों रुपये की रकम ऐंठने के आरोप में पुलिस ने सुधीर चौहान और उसके साथ जुड़े बताए जा रहे कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जनकपुरी निवासी विकास त्यागी ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थनापत्र में आरोप लगाया कि सुधीर चौहान ने खुद को गृह मंत्रालय में कार्यरत बताते हुए सरकारी नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाया और इसी झांसे में उससे उसकी पत्नी तथा भान्जे की नौकरी लगवाने के नाम पर चार लाख रुपये ले लिए। शिकायतकर्ता का दावा है कि उसके जानकारों से भी नौकरी लगवाने के नाम पर करीब सात लाख रुपये लिए गए। कुल रकम करीब 11 लाख रुपये बताई गई है।

मुख्यमंत्री पोर्टल पर दो बार शिकायत के बाद एसएसपी से लगाई गुहार

विकास त्यागी के अनुसार उसने कथित ठगी की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी की थी। उसने संदर्भ संख्या 40013325023794 और 40013325022163 के माध्यम से दो बार शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता का कहना है कि दोनों शिकायतें कच्ची सड़क पुलिस चौकी तक पहुंचीं, लेकिन उसके अनुसार मामले में अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने 16 सितंबर को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थनापत्र देकर पूरे मामले की जांच कराने और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

खुद को गृह मंत्रालय का कर्मचारी बताकर बनाया भरोसा

शिकायत में विकास त्यागी ने आरोप लगाया कि सुधीर चौहान ने उससे कहा कि वह गृह मंत्रालय में कार्यरत है और सरकारी नौकरी लगवाने में सक्षम है। सरकारी नौकरी की उम्मीद में शिकायतकर्ता उसके संपर्क में आया। आरोप है कि सुधीर चौहान ने नौकरी लगवाने का भरोसा देकर पहले रकम ली और बाद में लगातार टालमटोल करता रहा। शिकायतकर्ता के मुताबिक उसने अपनी पत्नी और भान्जे के भविष्य को देखते हुए चार लाख रुपये दिए थे।

नौकरी नहीं लगी तो रकम वापस मांगने लगा शिकायतकर्ता

शिकायतकर्ता का कहना है कि निर्धारित समय बीतने के बाद भी जब नौकरी नहीं लगी तो उसने अपनी रकम वापस मांगी। आरोप है कि रकम लौटाने के बजाय उसे अलग-अलग तरह से टाल दिया गया। शिकायतकर्ता के मुताबिक उसने कई बार आरोपियों से संपर्क कर अपने पैसे वापस करने की मांग की, लेकिन उसे संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद उसने पुलिस से पूरे मामले में कार्रवाई की मांग की। विकास त्यागी ने पुलिस को दी शिकायत में दावा किया कि केवल उससे ही नहीं, बल्कि उसके संपर्क में रहने वाले अन्य लोगों से भी सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर रकम ली गई। उसके अनुसार इन लोगों से करीब सात लाख रुपये की रकम ली गई। इस तरह उसके मुताबिक उससे चार लाख और उसके जानकारों से करीब सात लाख रुपये मिलाकर लगभग 11 लाख रुपये की ठगी की गई।

पत्नी, भाई, भाभी और मित्र समेत कई लोगों के नाम शिकायत में

शिकायतकर्ता ने सुधीर चौहान के साथ उसकी पत्नी अंजली चौहान, भाई योगेश चौहान, भाभी माला, मित्र भानु त्यागी निवासी मुजफ्फरनगर तथा अजय झा और मनीष उपाध्याय के नाम भी पुलिस को दिए हैं।

इसके अलावा सुधीर चौहान के चचेरे भाई विजय चौहान की भी कथित रूप से अप्रत्यक्ष भूमिका होने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि ये लोग किसी न किसी रूप में पूरे मामले से जुड़े हुए हैं।

खतौली में आपदा से निपटने की तैयारियों की परीक्षा: मॉक ड्रिल में टीमों ने दिखाया अपना दमखम

कबूल कन्या इंटर कॉलेज में पुलिस, फायर व स्वास्थ्य विभाग का संयुक्त अभ्यास

खतौली (मुजफ्फरनगर)। आगजनी और भूकंप जैसी किसी भी अचानक आने वाली आपातकालीन स्थिति से निपटने की तैयारियों को आजमाने के लिए मुबारिकपुर तिगांई स्थित कबूल कन्या इंटर कॉलेज परिसर में एक भव्य संयुक्त मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस पूर्वाभ्यास के दौरान पुलिस, नागरिक प्रशासन, अग्निशमन विभाग और स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने एक साथ मिलकर अपनी तत्परता और आपसी समन्वय का प्रदर्शन किया।

वरिष्ठ अधिकारियों ने बारीकी से किया निरीक्षण

आपदा से बचाव के इस महत्वपूर्ण अभ्यास के दौरान प्रशासनिक व पुलिस तंत्र पूरी तरह सक्रिय नजर आया। मौके पर मौजूद एसडीएम ललित कुमार मिश्रा, सीओ रुपाली राय चौधरी और प्रभारी निरीक्षक दिनेश चन्द्र बघेल ने पूरी गतिविधि का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मॉक ड्रिल के एक-एक चरण को देखा और राहत व बचाव कार्य में जुटी टीमों की प्रतिक्रिया समय (रेस्पॉन्स टाइम) तथा कार्यकुशलता की समीक्षा की।

अग्निशमन दल ने दिखाया राहत-बचाव का कौशल

यूनिट प्रभारी आईएफएम मोहम्मद यासीन के कुशल नेतृत्व में फायर ब्रिगेड की टीम ने परिसर में आपात स्थिति की काल्पनिक परिस्थितियां पैदा कर बचाव अभियान चलाया। टीम ने दिखाया कि कैसे आग या भूकंप के समय बहुमंजिला या भीड़भाड़ वाले स्थानों से लोगों को बिना अफरा-तफरी के सुरक्षित बाहर निकाला जाता है। इस दौरान अंतर-विभागीय सूचना तंत्र को भी परखा गया।

घायलों के त्वरित उपचार की व्यवस्था का अभ्यास

आपदा के समय घायलों को तुरंत डॉक्टरी सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अंजाम दिया। चिकित्साधीक्षक डॉ. अवनीश कुमार और डॉ. कपिल कुमार के नेतृत्व में चिकित्सकीय टीम ने मौके पर ही प्राथमिक उपचार देने और गंभीर घायलों को सुरक्षित एम्बुलेंस तक पहुंचाने का व्यावहारिक अभ्यास किया।

आपसी तालमेल ही आपदा प्रबंधन की कुंजी

अभ्यास के समापन पर अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों का मुख्य उद्देश्य वास्तविक आपदा के दौरान होने वाले नुकसान को न्यूनतम करना और सभी संबंधित विभागों को मानसिक एवं व्यावहारिक रूप से तैयार रखना है। जब पुलिस, प्रशासन, अग्निशमन और स्वास्थ्य सेवाएं एक साथ त्वरित गति से कार्य करती हैं, तो किसी भी बड़ी अनहोनी को टाला जा सकता है।

खतौली में दसलक्षण महापर्व में भक्ति और अध्यात्म के बिखरे रंग: 'उत्तम आर्जव धर्म' पर हुए विशेष कार्यक्रम

चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर में पूजन-विधान के साथ पंडित शाश्वत शास्त्री के हुए प्रवचन

खतौली (मुजफ्फरनगर)। दिगंबर जैन समाज द्वारा पूरे देश में अपार श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाए जा रहे दसलक्षण महापर्व के तीसरे दिन शुक्रवार को 'उत्तम आर्जव धर्म' का पावन पर्व मनाया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन, खतौली के तत्वावधान में मोहल्ला पिसनोपाड़ा स्थित श्री 1008 चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर में विविध धार्मिक, आध्यात्मिक और ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में जैन धर्मावलंबियों ने सहभागिता की।

सामूहिक पूजन, प्रक्षाल और इष्टोपदेश पर हुआ गहन संवाद

दिन का शुभारंभ प्रातः काल श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक प्रक्षाल, जिनेंद्र देव के पूजन एवं दसलक्षण विधान के साथ हुआ। तत्पश्चात आयोजित प्रवचन सत्र में भोपाल से पधारे पंडित शाश्वत शास्त्री ने 'उत्तम आर्जव क्या है?' विषय पर मार्मिक विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मन, वचन और काय की सरलता व निष्कपटता ही उत्तम आर्जव धर्म है। छल-कपट का त्याग कर आत्मशुद्धि के मार्ग पर चलना ही इस पर्व का सच्चा संदेश है। इसके बाद जयपुर के विद्वान चिराग जी शास्त्री के साथ आचार्य पूज्यपाद स्वामी रचित 'इष्टोपदेश' ग्रंथ पर गहन ज्ञानवर्धक चर्चा एवं संवाद का आयोजन किया गया। बच्चों के लिए 'ज्ञान की पाठशाला सायंकाल बच्चों में जैन संस्कार और धार्मिक शिक्षा के प्रति रुचि जगाने के उद्देश्य से 'ज्ञान की पाठशाला' का आयोजन किया गया, जिसमें नन्हे बच्चों को धर्म के मूलभूत सिद्धांतों से अवगत कराया गया। रात्रि में आयोजित 'तत्त्वार्थ सूत्र शिविर कक्षा' में श्रद्धालुओं ने जैन दर्शन के महान ग्रंथ तत्त्वार्थ सूत्र का अध्ययन कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया। सांस्कृतिक संध्या के अंतर्गत बहुप्रतीक्षित 'कौन बनेगा धर्म शिरोमणि–भाग-2' क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई।

कार्यक्रम में गणमान्य लोगों की रही गरिमामयी उपस्थिति

इस धार्मिक समागम में कलपेन्द्र जैन, अनंत वीर्य, हितेश, अंकित, संजय जैन, मदन जैन, अरुण जैन, सुशील जैन, विनय जैन, राहुल जैन, सुनील जैन, जय भगवान जैन, मुकेश आढ़ती, मनोज आढ़ती, शशांक जैन, सम्यक जैन, गौरव शिल्पी जैन, रजनी जैन, अंजलि जैन, अंजू जैन, मंजू जैन, सरिता जैन, आयुषी जैन, साधना जैन, बीना जैन, डॉ. ज्योति जैन सहित जैन समाज के अनेक गणमान्य महिला व पुरुष उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर भाजपा की बैठक

मुजफ्फरनगर। भाजपा जिला कार्यालय, मुजफ्फरनगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित किए जा रहे ह्यसेवा संकल्प अभियान-2026ह्व तथा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रवास की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश महामंत्री राम प्रताप सिंह चौहान का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस दौरान कार्यकताओं ने संगठन की शक्ति और समर्पण के साथ सेवा के विभिन्न कार्यक्रमों को सफल बनाने का संकल्प लिया।

बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री संजय गर्ग एवं सुनील दर्शन ने किया। प्रदेश महामंत्री राम प्रताप सिंह चौहान ने कार्यकताओं से अभियान के कार्यक्रमों को व्यापक स्तर पर आयोजित करने तथा संगठनात्मक तैयारियों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का आह्वान किया।

बैठक में क्षेत्रीय महामंत्री संजीव गोयल सिक्का, रूपेंद्र सैनी, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष प्रदीप सैनी, क्षेत्रीय मंत्री नितिन मलिक, सुखवेंद्र सोम, पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान, पूर्व विधायक अशोक कंसल, उमेश मलिक, पूर्व जिलाध्यक्ष देवव्रत त्यागी, सतपाल पाल एवं विजय शुक्ला सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा शरद शर्मा, विनीत कात्यान, विशाल गर्ग, सचिन पावटी, विजय प्रजापति, श्वेता कौशिक, अंजलि चौधरी, आंचल तोमर, रविकांत पाल, ममता अग्रवाल, जोगेंद्र गुर्जर, लवी विकल, दिनेश पुंडीर, अनुज सहरावत, विनीत चौहान, पंकज माहेश्वरी, पिंटू त्यागी, पुरोहित उंटवाल, रक्षित नामदेव, अमरजीत गुर्जर, रेणु गर्ग एवं साधना सिंघल समेत जिले की पूरी कार्यकारिणी के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में सभी मंडलों के अध्यक्ष एवं प्रभारी, ब्लॉक प्रमुख, गन्ना समितियों के चेयरमैन, जिला पंचायत सदस्य तथा पार्टी के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कार्यकताओं ने सहभागिता की। पदाधिकारियों ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत होने वाले कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर दिया।

खतौली में आर्य समाज ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन: जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम 'महर्षि दयानंद सरस्वती' रखने की मांग

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम सौंपा गया ज्ञापन

खतौली (मुजफ्फरनगर)। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (जेवर एयरपोर्ट) का नामकरण महान समाज सुधारक, वेद प्रचारक एवं राष्ट्र निमार्ता महर्षि दयानंद सरस्वती के नाम पर किए जाने की मांग को लेकर क्षेत्र की विभिन्न आर्य समाजों के पदाधिकारियों ने एक स्वर में आवाज उठाई है। इस संबंध में आर्य समाज के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी (SDM) डॉ. ललित मिश्रा को सौंपा।

राष्ट्रीय चेतना और समाज सुधार के अग्रदूत थे महर्षि दयानंद

ज्ञापन में कहा गया कि जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नामकरण महर्षि दयानंद सरस्वती के नाम पर किया जाना देश के महान चिंतक के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। महर्षि दयानंद ने समाज में व्याप्त अंधविश्वास, पाखंड और कुरीतियों के खिलाफ व्यापक जनजागरण अभियान चलाकर क्रांति की अलख जगाई थी। इसके साथ ही उन्होंने देशवासियों के भीतर स्वदेशी, राष्ट्रीय चेतना और स्वाधीनता संग्राम की मजबूत नींव रखी थी।

पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा अभियान

आर्य समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि डॉ. राकेश कुमार आर्य (नोएडा, गौतमबुद्ध नगर) तथा डॉ. धर्म प्रकाश आर्य (पलवल) के निर्देशन में पूरे उत्तर प्रदेश के आर्य समाजों द्वारा यह मांग मुख्यमंत्री तक पहुंचाई जा रही है। महर्षि दयानंद के विचारों से प्रेरित होकर लाखों लोगों ने राष्ट्र निर्माण और सामाजिक उत्थान में योगदान दिया है, ऐसे में अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट को उनके नाम से जोड़ना गौरव की बात होगी।

ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रमुख लोग रहे मौजूद

ज्ञापन सौंपने वालों में आर्य समाज के जिला प्रधान सत्येंद्र आर्य, कौमी एकता कमेटी के अध्यक्ष अशोक शर्मा, कंवर पाल शास्त्री, राजेंद्र खारी, जगदीश प्रधान, धीरेंद्र आर्य, महाराज सिंह आर्य, महिपाल सिंह आर्य, बृज गोपाल आर्य, रामानंद आर्य, मास्टर जयपाल सिंह, भूले राम आर्य और पंकज कुमार सहित कई अन्य आर्य समाजी उपस्थित रहे।

बच्चों की भावनाओं को समझना शिक्षक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

द. एस.डी. पब्लिक स्कूल में बच्चों की भावनाएँ : समझ, स्वीकृति और संवेदनशीलता विषय पर कार्यशाला

मुजफ्फरनगर। द. एस.डी. पब्लिक स्कूल, मुजफ्फरनगर में शिक्षकों के लिए ह्यबच्चों की भावनाएँ : समझ, स्वीकृति और संवेदनशीलताह्व विषय पर महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को बच्चों की भावनात्मक आवश्यकताओं को समझने, उनके व्यवहार के पीछे छिपी भावनाओं को पहचानने तथा संवेदनशील एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ उनका मार्गदर्शन करने के लिए जागरूक करना रहा।

कार्यशाला का शुभारंभ विद्यालय की निर्देशिका चंचल सक्सेना, प्रधानाचार्या नीलम माहना एवं रिसोर्स पर्सन नीरजा चैथली ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर निर्देशिका चंचल सक्सेना एवं प्रधानाचार्या नीलम माहना ने रिसोर्स पर्सन नीरजा चैथली का पौधा भेंट कर स्वागत किया। पौधा भेंट करने की पहल को पर्यावरण संरक्षण, सकारात्मक सोच एवं सतत विकास का प्रतीक बताया गया।

रिसोर्स पर्सन नीरजा चैथली ने अपने अनुभव एवं विशेषज्ञता के माध्यम से शिक्षकों को बच्चों की भावनात्मक जरूरतों से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बच्चों के व्यवहार को केवल बाहरी प्रतिक्रिया के रूप में देखने के बजाय उसके पीछे छिपी भावनाओं को समझना आवश्यक है। बच्चों के साथ स्वीकृति, धैर्य, संवेदनशीलता और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ कार्य करने से उनके भावनात्मक विकास के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास को भी बेहतर दिशा मिलती है।

कार्यशाला के दौरान शिक्षकों ने विभिन्न गतिविधियों और संवादात्मक सत्रों के माध्यम से विषय को समझा तथा अपने अनुभव भी साझा किए। गतिविधियों के माध्यम से बच्चों की भावनाओं को पहचानने, उन्हें स्वीकार करने और परिस्थितियों के अनुरूप सकारात्मक प्रतिक्रिया देने के तरीकों पर चर्चा की गई। कार्यशाला का वातावरण संवादात्मक, सकारात्मक एवं प्रेरणादायी रहा।

कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्या नीलम माहना ने रिसोर्स पर्सन नीरजा चैथली के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ह्यएक शिक्षक के लिए बच्चे की भावनाओं को समझना उतना ही आवश्यक है, जितना उसके ज्ञान और क्षमताओं को समझना। संवेदनशीलता और स्वीकृति से दिया गया मार्गदर्शन बच्चे के व्यक्तित्व को सही दिशा प्रदान करता है।ह्व

कार्यशाला में शामिल सभी शिक्षकों ने इस सार्थक एवं प्रेरणादायी पहल के लिए विद्यालय प्रबंधन और रिसोर्स पर्सन के प्रति आभार व्यक्त किया।

मोरना में पड़ोसी दंपती ने महिला को पीटा: गाली-गलौज के विरोध पर की मारपीट, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने शुरू की जांच-पड़ताल

मोरना(मुजफ्फरनगर)। भोपा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव मोरना में एक महिला के साथ मारपीट और अभद्रता का मामला सामने आया है। पीड़िता द्वारा थाने पहुंचकर दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित पड़ोसी दंपती के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, मोरना निवासी पिंकी पत्नी सवित ने बताया कि वह बृहस्पतिवार को अपने घर पर मौजूद थी। उसी समय पड़ोस में ही रहने वाली महिला निशा और उसका पति विनित उसके घर के दरवाजे के बाहर आकर खड़े हो गए और अकारण ही गाली-गलौज करने लगे। जब पिंकी ने उनके इस व्यवहार का विरोध किया, तो विवाद बढ़ गया। पीड़िता का आरोप है कि विरोध करने पर आक्रोशित होकर निशा और उसके पति विनित ने एकराय होकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग एकत्र हुए, जिसके बाद आरोपी दंपती जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने दर्ज किया मामला, जांच जारी

घटना के बाद पीड़िता पिंकी ने भोपा थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर दी। मामले की जानकारी देते हुए प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार ने बताया कि पीड़ित महिला की तहरीर के आधार पर आरोपी दंपती के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और पुलिस मामले की गहनता से जांच कर आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

केक काटकर मनाया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिवस, दीघार्यु की कामना

मीरापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर मीरापुर में कार्यक्रम आयोजित कर केक काटा गया। इस दौरान हजारों राष्ट्रभक्त नागरिकों ने दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं यशस्वी जीवन की मंगलकामना की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी शामिल हुए। इस अवसर पर रूप सिंह प्रजापति, विनोद कपासिया, मोहन सैनी, अशोक सैनी, अरुणा शर्मा, नवीन सैनी, ओमप्रकाश प्रजापति, दिनेश सैनी, प्रतीक सैनी, चंद्रपाल चैहान, अजीत तितोरिया, प्रदीप चैधरी, राजेंद्र रस्तोगी, वरुण कपासिया, संजय गिरी, अंकित तितोरिया, पुष्पा देवी, विकास कौशिक और सचिन पाल सहित अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री के स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना करते हुए दीप प्रज्वलित किए। आयोजन में उत्साह का माहौल रहा और बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता की।

श्रीकांत वर्मा की जयंती पर शिवसेना कार्यकताओं ने किया श्रद्धापूर्वक स्मरण

मुजफ्फरनगर। प्रकाश चौक स्थित शिवसेना कार्यालय पर साहित्यकार एवं कवि श्रीकांत वर्मा की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष पूनम चौधरी, जिला प्रमुख मुकेश त्यागी एवं मंडल अध्यक्ष शरद कपूर के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान शिवसेना पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने श्रीकांत वर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने श्रीकांत वर्मा के साहित्यिक जीवन और उनके विचारों को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि साहित्यकार एवं कवि के रूप में श्रीकांत वर्मा का योगदान उल्लेखनीय रहा है। उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उनके विचारों से प्रेरणा लेने तथा सामाजिक सरोकारों के प्रति सक्रिय रहने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर पूनम चौधरी जिलाध्यक्ष शिवसेना, निशा वर्मा कोषाध्यक्ष, देवेंद्र चौहान, उज्ज्वल पंडित, सुनील प्रजापति, अमित कुमार, मनोज कुमार, राकेश, वेद प्रकाश धीमान, बाबूराम, कपिल सैनी, ग्राम उपाध्यक्ष मिंटू सैनी, सत्येंद्र, विपुल, पूनम चौहान, मितेश गिरी, कमलेश देवी, सचिन प्रजापति, सरिता शर्मा, कमल शर्मा, शुभम शर्मा, सोनू कश्यप, विकास ठाकुर, सत्यम गौतम, ठाकुर अमित मित्तल, अरविंद शर्मा, दीपक कव्वाल, अजय कव्वाल, धर्मेंद्र, सचिन रामपुर, सोनू, रामकुमार, प्रदीप एवं नरेश नावला सहित बड़ी संख्या में शिवसेना पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान संगठन की एकजुटता बनाए रखने और समाजहित से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने पर भी जोर दिया गया। उपस्थित सभी लोगों ने श्रीकांत वर्मा को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके साहित्यिक योगदान को याद किया।

रासायनिक पदार्थ के रिसाव की स्थिति में परखी गई आपदा प्रबंधन की तैयारियां

इंडियन पोटाश लिमिटेड की डिस्टिलरी इकाई रोहाना कलां में हुआ राज्य स्तरीय मॉक ड्रिल का आयोजन

मुजफ्फरनगर। इंडियन पोटाश लिमिटेड की डिस्टिलरी इकाई रोहाना कलां में शुक्रवार को रासायनिक पदार्थ के रिसाव की आपात स्थिति से निपटने के लिए राज्य स्तरीय मॉक ड्रिल एक्सरसाइज का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल के माध्यम से रासायनिक पदार्थ के रिसाव की स्थिति में इकाई के कर्मचारियों, आसपास के ग्रामीणों तथा क्षेत्रवासियों की सुरक्षा, राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों को परखा गया। साथ ही आपदा की स्थिति में विभिन्न विभागों के बीच आपसी समन्वय और उपलब्ध संसाधनों की कार्यक्षमता का भी परीक्षण किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान रासायनिक पदार्थ के संभावित रिसाव से उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास किया गया। कर्मचारियों एवं आसपास रहने वाले लोगों को रासायनिक पदार्थ के रिसाव की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों तथा सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूक किया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के अभ्यास का उद्देश्य किसी वास्तविक आपदा की स्थिति में जान-माल के नुकसान को न्यूनतम करना तथा तत्काल प्रभाव से राहत एवं बचाव कार्य शुरू करना है। अभ्यास के दौरान प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले संसाधनों, आपदा प्रबंधन व्यवस्था, अग्निशमन सेवाओं, स्वास्थ्य विभाग की भूमिका तथा संबंधित इकाई की आंतरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन टीमों के बीच समन्वय को परखा गया। विभिन्न विभागों की टीमों ने निर्धारित जिम्मेदारियों के अनुरूप कार्य करते हुए आपात स्थिति से निपटने का संयुक्त अभ्यास किया। राज्य स्तरीय मॉक ड्रिल एक्सरसाइज का समापन अपर जिलाधिकारी अनिरुद्ध प्रताप सिंह एवं कारखाने के इकाई प्रमुख भारत सिंह की अध्यक्षता में हुआ। मॉक ड्रिल का संचालन सहायक निदेशक-कारखाना, मुजफ्फरनगर बाल कृष्ण शुक्ला तथा इकाई के सेफ्टी इंचार्ज मोहित कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी अनुराग कुमार, एसडीएम सदर शुभम श्रीवास्तव, तहसीलदार सदर राधेश्याम गौड़, जिला चिकित्सा सर्विलांस अधिकारी डॉ. विक्रांत तेवतिया, जिला आबकारी अधिकारी रविशंकर, इकाई आबकारी निरीक्षक अमित कुमार कुशवाहा, रोहाना शुगर मिल इकाई प्रमुख लोकेश कुमार तथा वरिष्ठ प्रबंधक मानव संसाधन एवं विधिक राकेश कुमार तिवारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

इसके अतिरिक्त त्रिवेणी इंजीनियरिंग, जौली की ओर से सेफ्टी मैनेजर राजन सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं क्षेत्रवासी भी मॉक ड्रिल में शामिल हुए। सभी संबंधित विभागों एवं संस्थानों की टीमों ने आपदा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई, बचाव एवं राहत कार्य तथा आपसी समन्वय का अभ्यास किया।

राधा अष्टमी के दिन श्री राधा रानी को अर्पित करें ये चीजें, धन-धान्य से भरा रहेगा घर

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी के दिन राधा अष्टमी मनाई जाती है। राधा अष्टमी के दिन राधा रानी का जन्मोत्सव मनाने के साथ ही उनकी सेवा-पूजा एवं भव्य श्रृंगार का भी विधान है। इसके अलावा, राधा रानी की पूजा के दौरान उन्हें कुछ चीजें अर्पित करने से उनकी कृपा प्राप्त हो सकती है।

राधा अष्टमी के दिन राधा रानी को अर्पित करें बांसुरी

बांसुरी श्री कृष्ण की प्रिय मानी जाती है। ऐसी मान्यता है कि श्री कृष्ण बांसुरी तभी बजाते थे जब पहले राधा रानी उसमें स्वर का संचार करती थीं। ऐसे में कृष्ण प्रिय बांसुरी राधा रानी को अर्पित करने से वह शीघ्र प्रसन्न हो जाती हैं।

राधा अष्टमी के दिन राधा रानी को अर्पित करें चूड़ा

राधा रानी को हाथ में पहनने वाले कड़े अर्पित करने चाहिए। यानी कि जब आप उनका श्रृंगार कर रहे हों तो उन्हें चूड़ा या कड़ा अवश्य पहनाएं। ऐसी मान्यता है कि कृष्ण भगवान को राधा रानी के हाथों में कड़े बहुत भाते थे।

राधा अष्टमी के दिन राधा रानी को अर्पित करें मोरपंख

मोरपंख न सिर्फ कृष्ण प्रिय है बल्कि राधा रानी को भी मोरपंख बहुत भाता है। ऐसे में अगर राधा अष्टमी के दिन राधा रानी को मोरपंख अर्पित जाए तो इससे व्यक्ति के जीवन के सभी दुख और नकारात्मकता दूर होती है।

राधा अष्टमी के दिन राधा रानी को अर्पित करें नाम जाप

राधा अष्टमी के दिन जितना हो सके उतना राधा नाम का जाप या कृष्ण नाम का जपा करना चाहिए। शास्त्रों में भी लिखा है कि नाम जाप से श्रेष्ठ कुछ भी नहीं है। ऐसे में राधा कृष्ण का नाम जाप करने से उनका सानिध्य मिलता है।

मोक्षदायिनी है परिवर्तिनी एकादशी

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का विशेष महत्व होता है. सालभर में कुल 24 एकादशी आती हैं, जिनमें से प्रत्येक व्रत का अलग-अलग फल और महत्व माना गया है. भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को परिवर्तिनी एकादशी कहा जाता है. इस दिन भगवान विष्णु की विशेष पूजा की जाती है. मान्यता है कि इस व्रत को करने से सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है.

एकादशी का व्रत बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है. यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है और हर महीने में दो बार आता है. इनमें से एक एकादशी, परिवर्तिनी एकादशी, विशेष महत्व रखती है. यह व्रत भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाया जाता है. इस दिन भगवान विष्णु अपनी चार महीने की योगनिद्रा की मुद्रा में करवट लेते हैं, इसलिए इसे परिवर्तिनी एकादशी कहा जाता है. आइए जानते हैं इस व्रत की तिथि, शुभ मुहूर्त, पूजा विधि और महत्व के बारे में विस्तार से.

परिवर्तिनी एकादशी कब है?

पंचांग की गणना के अनुसार, एकादशी तिथि का आरंभ 21 सितंबर को रात में 8 बजकर 1 मिनट से शुरू होगी और 22 सितंबर को रात में 9 बजकर 44 मिनट तक रहेगी। ऐसे में 22 तारीख को ही व्रत का व्रत रखा जाएगा। एकादशी तिथि का व्रत 22 सितंबर को ही रखना शास्त्र सम्मत है क्योंकि, 22 सितंबर को एकादशी तिथि पूरे दिन रहेगी और सुबह में भी सूर्योदय के साथ ही आरंभ हो जाएगी।

परिवर्तिनी एकादशी की पूजा विधि

एकादशी के दिन सुबह स्नान के बाद व्रत का संकल्प लें. भगवान विष्णु की मूर्ति या प्रतिमा स्थापित करें. उन्हें पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, गंगाजल) से स्नान कराएं. भगवान को पीले वस्त्र पहनाएं और पीली वस्तुओं से उनका श्रृंगार करें. इसके बाद उन्हें तुलसी दल, फूल, फल, मिठाई और विशेष रूप से माखन-मिश्री का भोग लगाएं.'ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जप करें. विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना भी बहुत शुभ माना जाता है. आखिर में, भगवान विष्णु की आरती करें. इस दिन रात्रि जागरण का विशेष महत्व है. रात में भगवान विष्णु के भजन-कीर्तन करें और उनकी महिमा का गुणगान करें. द्वादशी के दिन व्रत का पारण करें. पारण से पहले किसी ब्राह्मण को भोजन कराएं या दान दें.

परिवर्तिनी एकादशी का महत्व

परिवर्तिनी एकादशी का व्रत रखने से कई शुभ फल प्राप्त होते हैं. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन व्रत रखने और भगवान विष्णु की पूजा करने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है.इस दिन व्रत रखने से घर में सुख, समृद्धि और शांति का वास होता है. सच्चे मन से की गई पूजा और व्रत से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं. यह व्रत व्यक्ति को जीवन-मरण के बंधन से मुक्त कर मोक्ष की ओर ले जाता है. इस प्रकार, परिवर्तिनी एकादशी का व्रत एक बहुत ही पवित्र और फलदायी व्रत है, जिसे विधि-विधान से करने पर व्यक्ति को भगवान विष्णु की असीम कृपा प्राप्त होती है.

परिवर्तिनी एकादशी के दिन करें इन पेड़ों की पूजा, दूर होगा ग्रह दोष

परिवर्तिनी एकादशी इस साल 22 सितंबर की पड़ रही है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। साथ ही, इस दिन कुछ पेड़-पौधों की पूजा करना भी बहुत शुभ और लाभकारी माना जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। साथ ही, इस दिन कुछ पेड़-पौधों की पूजा करना भी बहुत शुभ और लाभकारी माना जाता है।

एकादशी के दिनकेले के पेड़ की पूजाकरने से कुंडली में ब्रिहस्पी मजबूत होते हैं और भगवान विष्णु की कृपा रहता है।

परिवर्तिनी एकादशी के दिन करें केले के पेड़ की पूजा

केले के पेड़ में भगवान विष्णु का वास माना गया है। इसके अलावा, केले के पेड़ का संबंध बृहस्पति यानी कि गुरु ग्रह से बताया गया है। ऐसे में परिवर्तिनी

परिवर्तिनी एकादशी के दिन करें तुलसी के पौधे की पूजा

तुलसी को मां लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। इसी कारण से घर में तुलसी रखने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि घर में तुलसी का पौधा हो तो साक्षात लक्ष्मी वास करती हैं। एकादशी के दिन तुलसी को हात लगाने की मनाही है लेकिन तुलसी के पास दीपक जला सकते हैं।

परिवर्तिनी एकादशी के दिन करें पीपल के पेड़ की पूजा

पीपल के पेड़ में सभी देवी-देवताओं का वास माना जाता है। ऐसे में परिवर्तिनी एकादशी के दिन पीपल के पेड़ की पूजा करने से सभी देवी-देवताओं की कृपा घर पर बनी रहती है। इसके अलावा, इस दिन पीपल के पेड़ की पूजा करने से ग्रह दोष एवं वास्तु दोष भी दूर होता है।

परिवर्तिनी एकादशी पर करें इन पांच चीजों का दान सभी कष्टों से मिलेगी मुक्ति

साल में 24 एकादशी तिथि होती है, जो सभी भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन जगत के पालनहार की पूजा करने से मनचाहे परिणामों की प्राप्ति होती हैं। एकादशी तिथि पर व्रत रखने से व्यक्ति के धन धान्य में वृद्धि और जीवन में खुशियों का वास होता है। हर माह में आने वाली एकादशी तिथि का अपना विशेष महत्व होता है। हालांकि इनमें परिवर्तिनी एकादशी को सबसे खास माना गया है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु निद्रासन में अपनी करवट बदलते हैं, इसलिए इसका नाम परिवर्तिनी एकादशी है। इस साल 22 सितंबर को परिवर्तिनी एकादशी का व्रत रखा जाएगा। इस दिन शोभन योग के साथ उत्तराषाढा नक्षत्र का संयोग बन रहा है। ऐसे में कुछ चीजों का दान करने से भाग्य में वृद्धि और तरक्की के योग का निर्माण हो सकता है।

पीले रंग के फल

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान विष्णु को पीला रंग अधिक प्रिय है। ऐसे में परिवर्तिनी एकादशी पर पीले रंग के फल दान करने से शुभ परिणामों की प्राप्ति होती हैं। साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है।

दाल का दान

परिवर्तिनी एकादशी के खास मौके पर दाल का दान करना चाहिए। मान्यता है कि दाल के दान से गुरु दोष से छुटकारा मिलता है। साथ ही जीवन में खुशियों का वास होता है।

सफेद रंग की मिठाई

परिवर्तिनी एकादशी पर पीले या सफेद रंग की मिठाई का दान करें। मान्यता है कि इससे जीवन में मिठास बनी रहती है। साथ ही धन की देवी मां लक्ष्मी भी खुश होती हैं।

वस्त्र का दान

परिवर्तिनी एकादशी पर जरूरत लोगों को वस्त्र का दान करना चाहिए। ऐसा करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं, और सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। कहते हैं कि वस्त्रों का दान करने से मां लक्ष्मी की कृपा भी जीवन में बनी रहती है।

अन्न का दान

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जरूरतमंदों को अन्न का दान करने से व्यक्ति के भाग्य में वृद्धि होती है। आप परिवर्तिनी एकादशी पर अन्न का दान कर सकती हैं। मान्यता है कि इससे घर में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है।

परिवर्तिनी एकादशी के दिन घी का दीया जलाने के क्या लाभ हैं

- परिवर्तिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के सामने घी का दीया जलाने से श्री हरि प्रसन्न होते हैं और अपनी कृपा बरसाते हैं।
- हिन्दू धर्म शास्त्रों में बताया गया है कि भगवान विष्णु को पंचगव्य अर्पित करने से 1000 यज्ञों के बराबर पुण्य की प्राप्ति होती है।
- इसके अलावा, 10 हजार अनुष्ठानों के बराबर फल मिलता है। घी भी गाय के दूध से बनता है और पंचगव्य का ही एक हिस्सा है।
- ऐसे में भगवान विष्णु को घी चढ़ाने या उनके समक्ष घी का दीया जलाने से यज्ञों और अनुष्ठानों के समान फल की प्राप्ति होती है।
- वहीं, ज्योतिष शास्त्र की मानें तो हर खान-पान से जुड़ी वस्तु का नाता ग्रहों से होता है। ऐसे में घी का संबंध बृहस्पति ग्रह से है।
- परिवर्तिनी एकादशी के दिन अगर भगवान विष्णु के सामने घी का दीया जलाया जाए तो उनकी कृपा से गुरु ग्रह मजबूत होते हैं।

राधा अष्टमी के दिन लड्डू गोपाल को ऐसे करें राधा स्वरूप में तैयार

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन राधाष्टमी मनाई जाती है। इस दिन जहां एक ओर राधा रानी के भव्य श्रृंगार और उनकी पूजा का विधान है तो वहीं, इस दिन लड्डू गोपाल को राधा रानी के रूप में भी तैयार किया जाता है। जिन लोगों के घरों में राधा रानी विराजमान नहीं है वह लड्डू गोपाल का राधा रानी के रूप में श्रृंगार कर सकते हैं।

राधा अष्टमी के दिन लड्डू गोपाल का राधा रानी रूप में श्रृंगार

- राधा रानी की तरह तैयार करने के लिए लड्डू गोपाल के लिए सबसे पहले सोलह श्रृंगार की वस्तुएं और वस्त्र खरीदकर रख लें।
- इसके अलावा, राधा राधा रानी की प्रिय वैजयंती माला, मोगरे के फूल और चंदन भी लाना न भूलें। इनके बिना श्रृंगार अधूरा है।
- इसके बाद राधा अष्टमी वाले दिन लड्डू गोपाल को सबसे पहले पंचामृत से स्नान कराएं। फिर चंदन से लाला को नहलाएं।
- फिर जल से स्नान कराने के बाद उन्हें गोपी ड्रेस पहनाएं। गोपी ड्रेस द्वापर युग में गोपियां और श्री राधा रानी धारण करती थीं।
- लड्डू गोपाल को गोपी ड्रेस पहनाने के बाद आंखों में काजल भरें। होठों पर लाली लगाएं। हाथों में कंगन और पेरों में पायल पहनाएं।
- इसके बाद कमर पर करधनिया यानी कि कमर बंद बांधें। लड्डू गोपाल को कानों में राधा रानी की तरह कुंडल पहनाएं।
- फिर लड्डू गोपाल को केश पहनाएं और केशों को फूलों से सजाएं। लड्डू गोपाल को गले में सुंदर सा हार भी पहनाएं।
- इसके बाद भौहों के ऊपर लड्डू गोपाल का चंदन से श्रृंगार करें। लड्डू गोपाल को पहनाई गई गोपी ड्रेस पर इत्र अवश्य छिड़कें।
- इसके बाद लड्डू गोपाल के समक्ष पहले राधा रानी या युगल जोड़ी की आरती गाएं। फिर लड्डू गोपाल की आरती करें।

राधा अष्टमी के दिन पढ़ें ये व्रत कथा

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन राधा अष्टमी मनाई जाती है। मान्यता है कि राधा अष्टमी के दिन जितना लाभकारी राधा रानी की पूजा करना होता है, उतना ही शुभ राधा अष्टमी की व्रत कथा सुना या पढ़ना माना जाता है।

राधा अष्टमी की व्रत कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, श्री राधा रानी और श्री कृष्ण के धाम गोलोक में एक बार श्रीदामा जी पधारे जो कान्हा के परम भक्त और उनके साथी माने जाते हैं। यूं तो श्रीदामा श्री कृष्ण के साथ रहते थे लेकिन एक बार ब्रह्म ज्ञान के बारे में जानने हेतु वह गोलोक से बाहर गए। जब श्रीदामा वापस लौटे और कृष्ण दर्शनों के लिए उनके पास पहुंचे तब श्री राधा रानी के साथ श्री कृष्ण लीला करने में इतने लीन थे कि उन्हें श्रीदामा के आने का आभास ही नहीं हुआ। यह देख श्रीदामा बहुत दुखी हुए और उन्हें श्री राधा रानीके ऊपर भयंकर क्रोध आ गया। श्रीदामा का मानना था कि राधा रानी के कारण ही श्री कृष्ण उनसे दूर हो गए हैं। बस यही सोचते हुए उन्होंने श्री राधा रानी को यह श्राप दे दिया कि वह श्री कृष्ण से दूर हो जाएंगी और पृथ्वी पर जन्म लेंगी। असल में यह सब राधा रानी और कान्हा की ही रचाई हुई लीला थी। कृष्ण अवतार के दौरान प्रेम की मूल वाख्या को समझाने के लिए ही राधा रानी और श्री कृष्ण ने श्राप का यह खेल रचा ताकि कृष्ण से पहले राधा रानी का पृथ्वी पर अवतरण हो जाए। इसके बाद राधा रानी का भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी के दिन बरसाना में जन्म हुआ।

सेवा संकल्प अभियान के तहत कृषि विज्ञान केंद्र, छौलस में हुआ मिलेट्स किसान मेला का भव्य आयोजन

गौतमबुद्धनगर। उप कृषि निदेशक गौतमबुद्धनगर विवेक दुबे ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 76वें जन्मदिवस के अवसर पर संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत कृषि विभाग द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन (न्यूट्रीसीरियल्स) के तहत एक दिवसीय जनपद स्तरीय मिलेट्स किसान महोत्सव का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र, छौलस, गौतमबुद्धनगर में भव्य रूप से किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को कृषि कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ श्री अन्न (मिलेट्स) की वैज्ञानिक खेती, प्रसंस्करण एवं विपणन के प्रति प्रोत्साहित करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय विधायक दादरी तेजपाल सिंह नागर एवं मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी सहित उप कृषि निदेशक एवं कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉ. विपिन कुमार, डॉ. मोहन सिंह, डॉ. विनीता सिंह, डॉ. बोनिका पंत, कुंवर घनश्याम, आशु अरोड़ा एवं राजीव कुमार सिरोही सहित केंद्र के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि द्वारा भारतीय संस्कृति के अनुरूप गौ-माता का विधि-विधान से पूजन कर उन्हें गुड़ खिलाया गया। इसके उपरांत 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत केंद्र परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। माननीय विधायक एवं अन्य अतिथियों ने स्वयं श्रमदान करते हुए स्वच्छता का संदेश दिया तथा उपस्थित किसानों एवं स्टाफ को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प दिलाया।

किसान मेले में आधुनिक कृषि तकनीकों एवं मिलेट्स आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी केंद्र परिसर में आधुनिक कृषि यंत्रों, जैविक उत्पादों तथा विशेष रूप से मिलेट्स (श्री अन्न) आधारित उत्पादों के स्टॉल लगाए गए। माननीय विधायक एवं मुख्य विकास अधिकारी ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर किसानों के हित में किए जा रहे अभिनव प्रयासों की जानकारी प्राप्त की तथा विभागीय प्रयासों की सराहना की।

किसान गोष्ठी के दौरान उप कृषि ने अतिथियों एवं किसानों का स्वागत करते हुए कृषि विभाग की उपलब्धियों एवं संचालित योजनाओं की जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञ वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को ज्वार, बाजरा, रागी आदि पोषक अनाजों की वैज्ञानिक खेती, उन्नत उत्पादन तकनीक, प्रसंस्करण एवं विपणन से संबंधित महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारी प्रदान की गई। किसानों को श्री अन्न की खेती के माध्यम से आय में वृद्धि तथा पोषण सुरक्षा को बढ़ावा देने के संबंध में भी जागरूक किया गया।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सायंकाल केंद्र परिसर में 1100 दीपकों का सामूहिक प्रज्वलन किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा दीपकों के माध्यम से 'सेवा संकल्प अभियान' का संदेश प्रदर्शित किया गया। दीपों की रोशनी से पूरा परिसर जगमगा उठा तथा यह आयोजन 'विकसित भारत' के संकल्प को समर्पित रहा।

मिलेट्स किसान महोत्सव में जनपद के लगभग 517 प्रगतिशील किसानों, ग्रामीण महिलाओं, कृषि विभाग के अधिकारियों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को श्री अन्न की खेती को बढ़ावा देने, आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने तथा कृषि उत्पादों के बेहतर प्रसंस्करण एवं विपणन के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में उप कृषि निदेशक विवेक दुबे द्वारा मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं उपस्थित समस्त कृषकों का आभार व्यक्त किया गया।

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल ने दी सत्यवती मिश्रा को भावभीनी श्रद्धांजलि

नोएडा। पूर्व राज्यपाल एवं वरिष्ठ भाजपा नेता कलराज मिश्र की धर्मपत्नी श्रीमती सत्यवती मिश्रा के निधन पर शोक संवेदनाओं का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने उनके सेक्टर-51 स्थित आवास पर पहुंचकर दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन एवं उद्योग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शक्ति सिंह ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। दोनों पदाधिकारियों ने श्रीमती सत्यवती मिश्रा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को यह अपार दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल की ओर से श्रद्धांजलि पत्र भी परिवार को सौंपा गया। विकास जैन ने कहा कि श्रीमती सत्यवती मिश्रा का निधन परिवार के साथ-साथ उनके संपर्क में रहे लोगों के लिए भी अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में व्यापार मंडल की पूरी संवेदना मिश्र परिवार के साथ है। उल्लेखनीय है कि श्रीमती सत्यवती मिश्रा का सितंबर 2026 में नोएडा के एक अस्पताल में निधन हुआ था। उनके निधन के बाद विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक एवं सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों ने सेक्टर-51 स्थित आवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की है।

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल ने शोक व्यक्त करते हुए प्रार्थना की कि परमात्मा दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और परिवार को इस कठिन घड़ी में धैर्य एवं संबल प्रदान करें।

भूकंप, आगजनी व रसायनिक रिसाव के बचाव का अभ्यास किया

नोएडा। जिले में शुक्रवार को भूकंप, आग और रसायनिक रिसाव के प्रभावों से बचने का अभ्यास किया गया। इसके लिए तीन स्थानों पर मॉक ड्रिल हुई, जिसके तहत आपात स्थिति में मरीजों एवं अन्य व्यक्तियों की सुरक्षित निकासी तथा टीम के बीच समन्वय की प्रक्रिया का परीक्षण किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देश पर शुक्रवार को जिले में तीन स्थानों पर राज्यस्तरीय मॉक ड्रिल का आयोजन हुआ। मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपदाओं और आपातकालीन परिस्थितियों में प्रशासन, पुलिस, अग्निशमन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, औद्योगिक इकाइयों तथा अन्य संबंधित विभागों की तत्परता, समन्वय एवं त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का परीक्षण करना रहा।

जेवर स्थित रेडिसन दी स्कूल, नीमका में भूकंप आपदा का परिदृश्य तैयार कर मॉक ड्रिल कराई गई। भूकंप के दौरान संभावित क्षति, लोगों की सुरक्षित निकासी, बचाव एवं राहत कार्यों का अभ्यास किया गया। वहीं, शारदा हॉस्पिटल में अग्निकांड का परिदृश्य बनाकर अग्निशमन एवं बचाव कार्यों का अभ्यास कराया गया। आपात स्थिति में मरीजों एवं अन्य व्यक्तियों की सुरक्षित निकासी तथा संबंधित विभागों के बीच समन्वय की प्रक्रिया का परीक्षण किया गया। दादरी स्थित औद्योगिक क्षेत्र में रासायनिक रिसाव की आपात स्थिति का परिदृश्य तैयार कर मॉक ड्रिल की गई। रासायनिक रिसाव की स्थिति में क्षेत्र को सुरक्षित करने, प्रभावित व्यक्तियों को रेस्क्यू करने, आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाने तथा संबंधित विभागों द्वारा त्वरित कार्रवाई का अभ्यास किया गया। इस दौरान संबंधित विभागों द्वारा रेस्क्यू, राहत एवं बचाव कार्य, प्राथमिक उपचार, सुरक्षित निकासी, अग्निशमन, घटनास्थल पर त्वरित प्रतिक्रिया तथा आपसी समन्वय का प्रदर्शन किया गया। शारदा विश्वविद्यायल के कैंपस में फील्ड हॉस्पिटल भी बनाया गया, जिसमें अत्यधिक घायल व्यक्तियों को रेफर कर दिया गया एवं वहां उनका इलाज किया गया। इस अभ्यास के माध्यम से आपदा की स्थिति में उपलब्ध संसाधनों एवं मानव शक्ति की प्रभावशीलता का परीक्षण करने के साथ-साथ संभावित कमियों को चिन्हित कर भविष्य में आपदा प्रबंधन एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने का प्रयास किया गया। मॉक ड्रिल में जिला प्रशासन, पुलिस, अग्निशमन, एनडीआरएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ, पीएसी, होमगार्ड, पीआरडी जवान एवं आपदा मित्र उपस्थित रहे।

नोएडा से शुरू हुआ 'मेरे सपनों का भारत' चित्रकला प्रतियोगिता अभियान''

नोएडा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिन के मौके पर आयोजित कार्यक्रम सेवा सप्ताह अभियान के तहत 'मेरे सपनों का भारत' चित्रकला प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ आयोजित किया गया। इस विशेष कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद ''डॉ. महेश शर्मा जी'' रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महेश चौहान (अध्यक्ष, भाजपा नोएडा महानगर), संजय बाली (उपाध्यक्ष एवं सांसद प्रतिनिधि), ओमवीर अवाना (अध्यक्ष, किसान मोर्चा), अशोक मिश्रा, रिंकू नंबरदार, पुष्पा रावत, पप्पू प्रधान तथा प्रधानाचार्य श्री मोहित वत्स सहित कई गणमान्य लोग एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. महेश शर्मा जी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में राष्ट्र निर्माण, सेवा और समर्पण के भाव को बल मिलता है। प्रधानाचार्य श्री मोहित वत्स ने अतिथियों का स्वागत किया।

'मेरे सपनों का भारत' कार्यक्रम को संगठन एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 17 सितंबर से 7 अक्टूबर 2026 के बीच जनपद के विभिन्न सरकारी एवं निजी विद्यालयों में चित्रकला (ड्राइंग) का आयोजन किया जाएगा।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को सेवा और समर्पण के 25 वर्षों तथा ''विकसित भारत'' की संकल्पना के प्रति जागरूक करना है। इसके साथ ही, बच्चों को भारत के विकास, राष्ट्र निर्माण और भविष्य के भारत की उनकी अपनी कल्पना को चित्रों एवं भाषण के माध्यम से अभिव्यक्त करने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करना है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों ने अत्यंत उत्साह के साथ सहभागिता की। प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों में रचनात्मक प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ उनमें देश के प्रति जिम्मेदारी और देशभक्ति की भावना का संचार हुआ।

यूपीआई पर एमडीआर शुल्क के खिलाफ नोएडा में कांग्रेस का प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

नोएडा। यूपीआई के जरिए होने वाले 2,000 रुपये से अधिक के चुनिंदा व्यापारी लेन-देन पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (स्ब्त्र) लगाने के फैसले के खिलाफ कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। गौतमबुद्ध नगर जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने इस फैसले के विरोध में शुक्रवार को एक बड़ा जनजागरण मार्च निकाला। यह मार्च जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला की अगुवाई में निकाला गया, जिसमें भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारी मार्च करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे और वहां जोरदार प्रदर्शन करने के बाद देश के राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन मुख्य प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा।

कांग्रेस के जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने प्रदर्शन के दौरान कहा कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा, दादरी और जेवर सहित पूरे जिले के बाजारों में छोटे और बड़े व्यापारी बहुत बड़ी संख्या में डिजिटल भुगतान पर निर्भर हैं। उन्होंने चिंता जताई कि भुगतान से जुड़ी इस अतिरिक्त लागत का सीधा असर उन छोटे और मध्यम व्यापारियों पर पड़ सकता है जो बहुत ही सीमित मार्जिन पर अपना कारोबार चलाते हैं। हालांकि सरकार का कहना है कि यह स्ब्त्र ग्राहकों से नहीं वसूला जाएगा, लेकिन व्यापारियों पर पड़ने वाली इस लागत का बाजार पर अप्रत्यक्ष रूप से बुरा प्रभाव पड़ने की पूरी आशंका बनी हुई है। कांग्रेस ने सरकार से मांग की है कि वह यह सुनिश्चित करे कि व्यापारियों पर किसी भी तरह का अतिरिक्त आर्थिक बोझ न डाला जाए।

राहुल गांधी के दावों का दिया हवाला: इस विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस पार्टी की तरफ से राहुल गांधी के उस दावे का भी विशेष रूप से जिक्र किया गया, जिसमें उन्होंने यूपीआई लेन-देन के आंकड़ों को लेकर सरकार को घेरा है। राहुल गांधी के दावे के अनुसार, 2,000 रुपये से अधिक के व्यापारी यूपीआई लेन-देन संख्या के मामले में भले ही केवल करीब पांच प्रतिशत हैं, लेकिन कुल लेन-देन के मूल्य के हिसाब से इनकी हिस्सेदारी लगभग 65 प्रतिशत बैठती है। राहुल गांधी ने इस पूरे मुद्दे पर सरकार की नीति पर सवाल खड़े किए हैं और विदेशी भुगतान कंपनियों के दबाव से जुड़े गंभीर आरोप भी लगाए हैं। हालांकि, केंद्र सरकार ने इन सभी आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। जिला अध्यक्ष ने कहा कि यूपीआई को इतनी बड़ी सफलता और स्वीकार्यता इसलिए मिली क्योंकि यह एक बहुत ही तेज और सुविधाजनक डिजिटल भुगतान का माध्यम है। उन्होंने सरकार से मांग की कि वह व्यापारियों की असली लागत और उनके कारोबार के हालात को ध्यान में रखते हुए इस नीति पर दोबारा विचार करे।

प्रदर्शन में शामिल रहे ये सभी कार्यकर्ता: इस बड़े प्रदर्शन में कांग्रेस के कई प्रमुख नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शन में मुख्य रूप से गौतम अवाना, मुकेश शर्मा, महाराज सिंह नागर, अशोक पंडित, मोहम्मद तकी, धर्मबीर प्रधान, निशा शर्मा, किशन शर्मा, केके भाटी एडवोकेट, रमेश यादव, रघुराज शर्मा, रूबी चौहान, नरेश शर्मा, सुरेंद्र प्रताप सिंह, अरुण गुर्जर, मोहित भाटी एडवोकेट, नितीश चौधरी, अरविंद रेक्सवाल, सुबोध भट्ट, सचिन शर्मा, विपिन त्यागी, तनवीर अहमद, नीरज शर्मा, गजन प्रधान, ओमकार राणा, मेहरचंद वाल्मीकि, दुर्गेश एडवोकेट, अनीस, उपेंद्र, सुनील भाटी, ऋतिक सिंह, मनोज चौधरी, योगेश मिश्रा, गिरीश शर्मा, रवि भाटी, अरविंद कुमार, अनुज भाटी और नितिन कुमार सहित बहुत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पर मौजूद रहे और सरकार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की।

15 अक्टूबर से लागू होगा नया नियम: केंद्र सरकार की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार, यूपीआई लेन-देन का यह नया ढांचा 15 अक्टूबर 2026 से लागू होने जा रहा है। इस नए नियम के तहत 2,000 रुपये से अधिक के तय किए गए पर्सन-टू-मर्चेंट (क्क2रू) यूपीआई लेन-देन पर ही 0.4 प्रतिशत का एमडीआर लागू किया जाएगा। वहीं, अगर लेन-देन 75,000 रुपये या उससे अधिक का होता है, तो इस पर लगने वाला शुल्क अधिकतम 300 रुपये तक ही सीमित रखा जाएगा। सरकार ने इस बात को पूरी तरह साफ किया है कि आम ग्राहकों से कोई एमडीआर नहीं लिया जाएगा। इसके साथ ही पर्सन-टू-पर्सन यूपीआई भुगतान पहले की ही तरह पूरी तरह से मुफ्त रहेंगे। सरकार का दावा है कि इस बदलाव से करीब 96 प्रतिशत पर्सन-टू-मर्चेंट लेन-देन पर कोई असर नहीं पड़ेगा और वे इससे पूरी तरह अप्रभावित रहेंगे।

होटल में चल रहे देह व्यापार का भंडाफोड़, चार महिलाओं को पुलिस ने सुरक्षित निकाला

ग्रेटर नोएडा। थाना बिसरख क्षेत्र में पुलिस ने एक होटल में चल रहे अवैध कारोबार का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गौर सिटी के पास जीडीए कॉलोनी स्थित बीएन होटल में अचानक छापेमारी की कार्रवाई को अंजाम दिया। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से चार महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकाला और बाद में उन्हें उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। हालांकि, इस पूरे अवैध धंधे का मुख्य संचालक पुलिस के हाथ नहीं लग सका और वह मौके से फरार होने में कामयाब रहा।

फरार हुए होटल संचालक की पहचान रोहित कुमार उर्फ रामू उर्फ रवि के रूप में हुई है, जो डूंडाहेड़ा, विजयनगर का रहने वाला है। पुलिस अब इस फरार आरोपी की सरगर्मी से तलाश करने में जुटी हुई है। प्रभारी निरीक्षक रंजीत कुमार सिंह ने इस मामले की जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इस होटल के भीतर अवैध रूप से देह व्यापार का धंधा चलाया जा रहा है। इसी सूचना के आधार पर पुलिस दल ने होटल पर दबिश दी थी। छापेमारी की इस कार्रवाई के दौरान जब पुलिस ने होटल की तलाशी ली, तो रिसेप्शन काउंटर पर एक 21 वर्षीय महिला मिली। इसके अलावा, होटल के एक अन्य कमरे से तीन और महिलाएं बरामद की गईं, जिनकी उम्र क्रमशः 49 वर्ष, 24 वर्ष और 21 वर्ष है। पुलिस द्वारा जब इन सभी महिलाओं से पूछताछ की गई, तो उन्होंने गंभीर आरोप लगाए। महिलाओं ने पुलिस को बताया कि होटल का मालिक उनसे जबरदस्ती देह व्यापार का काम करवाता था। इतना ही नहीं, जब महिलाएं इस अवैध काम का विरोध करती थीं, तो आरोपी उन्हें जान से मारने की धमकी देता था।

ग्राहकों से वसूले जाते थे हजारों रुपये: महिलाओं ने पुलिस के सामने यह खुलासा भी किया कि आरोपी संचालक होटल में ग्राहकों को बुलाया करता था। वह एक ग्राहक से कथित देह व्यापार के एवज में 2,000 से 5,000 रुपये तक की मोटी रकम वसूलता था। इसके बदले में इन महिलाओं को केवल 1,000 से 1,500 रुपये ही दिए जाते थे। पुलिस के मौके पर पहुंचने से ठीक कुछ समय पहले ही कई ग्राहक होटल से निकल चुके थे। उधर, होटल संचालक की तुरंत गिरफ्तारी न होने के कारण स्थानीय स्तर पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं। इलाके में इस बात की चर्चा है कि क्या पुलिस की होटल संचालक से कोई मिलीभगत थी या फिर उसे छापेमारी की सूचना पहले ही मिल गई थी, हालांकि इन तमाम आरोपों की किसी भी स्वतंत्र स्रोत से पुष्टि नहीं हो पाई है। पुलिस का इस बारे में कहना है कि फरार आरोपी की तलाश लगातार जारी है और इस मामले में आगे की जांच के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पारिवारिक विवादों को सुलझाने वाले एफडीआरसी के नए कक्ष का उद्घाटन

नोएडा। पारिवारिक झगड़ों को कोर्ट-कचहरी के लंबे चक्करों में फंसने से पहले ही बातचीत और आपसी सलाह-मशविरे से सुलझाने के लिए थाना नॉलेज पार्क में बने फैमिली डिस्प्यूट रिजॉल्यूशन क्लीनिक (एफडीआरसी) को अब और ज्यादा मजबूत बना दिया गया है। गौतमबुद्धनगर की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने शुक्रवार को राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान के साथ मिलकर एफडीआरसी के नए और सुधारे गए यानी नवीनीकृत कक्ष का उद्घाटन किया। इस नए कक्ष की शुरुआत होने से अब पारिवारिक विवादों को सुलझाने में और अधिक मदद मिलेगी।

थाना नॉलेज पार्क में बने इस फैमिली डिस्प्यूट रिजॉल्यूशन क्लीनिक के नए कक्ष का उद्घाटन करने के बाद पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह और राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान ने वहां की पूरी व्यवस्था को देखा। उन्होंने केंद्र के काम करने के तरीके और वहां दी जाने वाली सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान वहां मौजूद अधिकारियों और अतिथियों के बीच इस बात पर चर्चा हुई कि कैसे यह क्लीनिक पारिवारिक विवादों को बहुत ही संवेदनशील तरीके से, जल्दी और आपसी भाईचारे के साथ सुलझाने में अपनी बड़ी भूमिका निभा रहा है।

इस उद्घाटन कार्यक्रम के बाद शारदा यूनिवर्सिटी में फैमिली डिस्प्यूट रिजॉल्यूशन क्लीनिक के एक वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बोलते हुए गौतमबुद्धनगर की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने कहा कि परिवारों के बीच होने वाले विवादों को समय पर और बातचीत के जरिए सुलझाना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से समाज में आपसी भाईचारा और सौहार्द मजबूत होता है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने आगे बताया कि एफडीआरसी के जरिए आज बहुत से परिवारों को कोर्ट जाने से पहले ही

आपसी सहमति और सही सलाह के दम पर बड़ी राहत मिल रही है। इससे न केवल आपसी झगड़े खत्म हो रहे हैं, बल्कि टूटते हुए पारिवारिक रिश्तों को बचाने में भी बहुत बड़ी मदद मिल रही है।

महिला सुरक्षा और परिवारों को टूटने से बचाने पर जोर: शारदा यूनिवर्सिटी के इसी कार्यक्रम में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करने और परिवारों के भीतर आपस में बातचीत व सलाह-मशविरे की जरूरत पर बहुत जोर दिया। बबीता सिंह चौहान ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और उन्हें मजबूत बनाने के साथ-साथ पारिवारिक झगड़ों को निपटाने के लिए एफडीआरसी जैसे मंच बहुत ही काम के साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के केंद्र परिवारों को बिखरने से रोकने और समाज में मेलजोल बढ़ाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

कार्यक्रम में शामिल हुए कई वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य लोग: शारदा यूनिवर्सिटी में आयोजित हुए इस खास कार्यक्रम में कई बड़ी हस्तियां और अधिकारी मौजूद रहे। इनमें शारदा यूनिवर्सिटी के चांसलर पी.के. गुप्ता और प्रो-चांसलर वाई.के. गुप्ता विशेष रूप से शामिल हुए। इनके साथ ही शारदा स्कूल ऑफ लॉ के डीन ऋषिकेश धवे और डीसीपी महिला सुरक्षा सुनीति भी कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। इस मौके पर पुलिस विभाग के कई अन्य अधिकारी, विश्वविद्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारी, कानून के जानकार, वकील, काउंसलर, छात्र-छात्राएं और इलाके के कई गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे। इन सभी लोगों ने पारिवारिक विवादों को सुलझाने की इस मुहिम की सराहना की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

जनपद गौतमबुद्धनगर में राज्य स्तरीय मॉक ड्रिल का सफल आयोजन

भूकंप, अग्निकांड एवं रासायनिक रिसाव के परिदृश्यों पर तीन स्थानों पर कराया गया अभ्यास

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देश के क्रम में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर द्वारा जनपद में भूकंप आपदा, औद्योगिक (रासायनिक) दुर्घटना एवं अग्नि सुरक्षा के दृष्टिगत राज्य स्तरीय मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल का उद्देश्य विभिन्न प्रकार की आपदाओं एवं आपातकालीन परिस्थितियों में जिला प्रशासन, पुलिस, अग्निशमन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, औद्योगिक इकाइयों तथा अन्य संबंधित विभागों की तत्परता, समन्वय एवं त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का परीक्षण करना रहा।

मॉक ड्रिल के अंतर्गत जनपद में कुल 03 स्थानों पर विभिन्न आपदा परिदृश्यों के आधार पर अभ्यास कराया गया। तहसील जेवर स्थित रेडिसन दी स्कूल, नीमका में भूकंप आपदा का परिदृश्य तैयार कर मॉक ड्रिल कराई गई। भूकंप के दौरान संभावित क्षति, लोगों की सुरक्षित निकासी, बचाव एवं राहत कार्यों का अभ्यास किया गया। तहसील सदर स्थित शारदा हॉस्पिटल में अग्निकांड का परिदृश्य बनाकर अग्निशमन एवं बचाव कार्यों का अभ्यास कराया गया। आपात स्थिति में मरीजों एवं अन्य व्यक्तियों की सुरक्षित निकासी तथा संबंधित विभागों के बीच समन्वय की प्रक्रिया का परीक्षण किया गया। तहसील दादरी स्थित औद्योगिक क्षेत्र में रासायनिक रिसाव की आपात स्थिति का परिदृश्य तैयार कर मॉक ड्रिल आयोजित की गई। रासायनिक रिसाव की स्थिति में क्षेत्र को सुरक्षित करने, प्रभावित व्यक्तियों को रेस्क्यू करने, आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाने तथा संबंधित विभागों द्वारा त्वरित कार्रवाई का अभ्यास किया गया।

मॉक ड्रिल के दौरान संबंधित विभागों द्वारा रेस्क्यू, राहत एवं बचाव कार्य, प्राथमिक उपचार, सुरक्षित निकासी, अग्निशमन, घटनास्थल पर त्वरित प्रतिक्रिया तथा आपसी समन्वय का प्रदर्शन किया गया। शारदा यूनिवर्सिटी के कैंपस में फील्ड हॉस्पिटल भी बनाया गया, जिसमें अत्यधिक घायल व्यक्तियों को रेफर कर दिया गया एवं वहां उनका इलाज किया गया।

इस अभ्यास के माध्यम से आपदा की स्थिति में उपलब्ध संसाधनों एवं मानव शक्ति की प्रभावशीलता का परीक्षण करने के साथ-साथ संभावित कमियों को चिन्हित कर भविष्य में आपदा प्रबंधन एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने का प्रयास किया गया। उक्त मॉक एक्सरसाइज में जिला प्रशासन के समस्त विभाग, पुलिस विभाग, फायर विभाग, एनडीआरएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ, पीएसी, होमगार्ड, पीआरडी जवान एवं आपदा मित्र उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन द्वारा आमजन से अपील की गई कि किसी भी प्रकार की आपदा अथवा आपात स्थिति में घबराएं नहीं, बल्कि प्रशासन एवं संबंधित विभागों द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें तथा बचाव एवं राहत कार्यों में सहयोग प्रदान करें।

मोबाइल लुटेरा गिरफ्तार

नोएडा। सेक्टर-113 थाने की पुलिस ने मोबाइल फोन झपटमारी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से लूट और चोरी के चार मोबाइल फोन, केटीएम ड्यूक बाइक, दो फर्जी नंबर प्लेट और अवैध चाकू बरामद किया। थाना प्रभारी ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना पर थानाक्षेत्र के एफएनजी कट के पास से 23 वर्षीय पुनीत उर्फ प्रिंस को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से जो चारों मोबाइल बरामद हुए, सभी हाल के दिनों में राह चलते लोगों से झपटे गए थे। पूछताछ के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बाइक और दो फर्जी नंबर प्लेट भी बरामद कीं।

वारदात करते समय आरोपी बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट लगा लेता था ताकि पुलिस ट्रेस न कर सके। पुनीत मूलरूप से जेवर क्षेत्र के नीमका गांव का रहने वाला है और वर्तमान में दिल्ली के हर्ष विहार में रह रहा है। उसका आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ देवबंद और गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाने में चोरी व लूट के कई मुकदमे दर्ज हैं। नोएडा में भी उसके खिलाफ लूट, चोरी का सामान रखने और आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

निठारी कांड के मुख्य आरोपी की सुसाइड में मौत

नोएडा में पीड़ित परिवार बोला- सुरेन्द्र कोली कई राज जनता था, हत्या की आशंका

नोएडा। नोएडा में निठारी कांड के आरोपी रहे सुरेंद्र कोली की शुक्रवार को हरिद्वार में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस पर निठारी कांड पीड़ित परिवार ने सवाल उठाए हैं। कांड में मारी गई बच्ची ज्योति के पिता झब्बू लाल और मां सुनीता ने कोली की मौत को लेकर संदेह जताया है। दोनों ने घरेलू क्लेश के चलते आत्महत्या किए जाने की बात से इनकार किया है।

ज्योति के पिता झब्बू लाल ने कहा कि सुरेंद्र कोली निठारी कांड से जुड़ी कई ऐसी बातें जानता था, जिनका खुलासा वह कभी भी करसकता था। उनका आरोप है कि मोनिंदर सिंह पंधेर को इसका अंदेशा था। इसी वजह से कोली को मरवाए जाने की आशंका से उन्होंने इनकार नहीं किया।।झब्बू लाल ने कहा- केस की शुरुआत में सुरेंद्र कोली ने बच्चों की हत्या करने की बात स्वीकार की थी। उनका कहना है कि अगर कोली को आत्महत्या करनी होती तो वह जेल में रहते हुए भी ऐसा कदम उठा सकता था। अब वह जेल से बाहर था और हरिद्वार में चाय की दुकान चलाकर अपना गुजारा कर रहा था। उन्होंने कहा कि ऐसे में घरेलू क्लेश के चलते आत्महत्या की बात उन्हें सही नहीं लगती। मौत की परिस्थितियों की जांच जरूरी है।

सुनीता ने जताई कोली को लालच देने की आशंका: ज्योति की मां सुनीता ने भी कोली की मौत को लेकर आशंका जताई। उनका कहना है कि संभव है कि कोली को किसी तरह का लालच देकर निठारी कांड की हत्याओं का आरोप अपने ऊपर लेने के लिए तैयार किया गया हो। इसके बदले उसे रकम देने का वादा किया गया हो, लेकिन बाद में वादा पूरा नहीं किया गया। परिवार ने सुरेंद्र कोली की मौत की परिस्थितियों की पूरी जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि जांच से यह स्पष्ट होना चाहिए कि उसकी मौत आत्महत्या थी या इसके पीछे कोई दूसरी वजह थी। परिवार ने मामले की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाने की मांग की है।

चोरी की बाइक और अवैध चाकू के साथ दो युवक गिरफ्तार

नोएडा। फेस-2 थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले और अवैध हथियार अपने पास रखने वाले दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से चोरी की एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की गई है, जिस पर एक फर्जी नंबर प्लेट लगाई गई थी। इसके अलावा तलाशी के दौरान पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से दो अवैध चाकू भी बरामद किए हैं। पकड़े गए दोनों युवक मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले हैं और वर्तमान समय में ग्रेटर नोएडा इलाके में रह रहे थे।

फेस-2 थाना प्रभारी राघवेंद्र कुमार सिंह के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए ककराला क्षेत्र से दीपक कुमार और राहुल कुमार को गिरफ्तार किया है। जब पुलिस ने दोनों की तलाशी ली, तो उनके कब्जे से एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद हुई। इस मोटरसाइकिल पर फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई थी। इसके बाद जब पुलिस ने वाहन के कागजातों और नंबर की जांच की, तो इस बात की पूरी पुष्टि हो गई कि यह मोटरसाइकिल चोरी की है। पुलिस के मुताबिक, बरामद की गई इस स्प्लेंडर बाइक पर शातिर तरीके से फर्जी नंबर प्लेट लगाई गई थी। पुलिस अब इस बात का पता लगाने की कोशिश में जुटी है कि यह मोटरसाइकिल असल में कहां से चोरी की गई थी और इस फर्जी नंबर प्लेट का इस्तेमाल आरोपियों ने अब तक कितनी वारदातों को अंजाम देने में किया है। वाहन के साथ-साथ पुलिस ने आरोपियों के पास से दो अवैध चाकू भी बरामद किए हैं। बरामदगी के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ चोरी और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों की पहचान दीपक कुमार (उम्र 25 वर्ष) निवासी कुम्हेर, जिला डीग, राजस्थान और राहुल कुमार (उम्र 25 वर्ष) निवासी कुम्हेर, जिला डीग, राजस्थान के रूप में हुई है। ये दोनों आरोपी वर्तमान में ग्राम डेरिन, थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र में रह रहे थे। पुलिस अब इन आरोपियों से लगातार पूछताछ कर रही है ताकि इनके पुराने आपराधिक इतिहास और वाहन चोरी से जुड़े अन्य मामलों की पूरी जानकारी जुटाई जा सके।

किसानों के लिए यीडा का बड़ा कदम ! 320 पात्र किसानों के 7% आबादी भूखंडों का ड्रा, सेक्टर-29 में होगा विकास

नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने किसानों के हित में एक बड़ा कदम उठाया है। प्राधिकरण ने 320 पात्र किसानों को 7 प्रतिशत आबादी भूखंड आवंटित करने की प्रक्रिया के तहत उनके भूखंडों का ड्रा कराया है। यह पूरी प्रक्रिया सेक्टर-29 में स्थित ग्राम तिरथली की अधिग्रहित और खरीदी गई जमीन के बदले पात्र किसानों के लिए आयोजित की गई। इस ड्रा का आयोजन प्राधिकरण कार्यालय में किया गया, जहां संबंधित काश्तकार खुद मौजूद रहे।

प्राधिकरण से मिली जानकारी के अनुसार, जिन भूखंडों के लिए यह ड्रा कराया गया है, उन्हें सेक्टर-29 के ग्राम तिरथली में नियोजित किया गया है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण इन भूखंडों को बहुत जल्द विकसित करने की तैयारी कर रहा है। विकास कार्य पूरा होने के बाद पात्र किसानों को उनके आवंटित भूखंडों का सीधा लाभ मिल सकेगा। इस कदम को क्षेत्र में जमीन अधिग्रहण के बाद किसानों को मिलने वाले 7 प्रतिशत आबादी भूखंडों की दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ ड्रा: इस ड्रा की पूरी प्रक्रिया को राजस्व विभाग और नियोजन विभाग के अधिकारियों की देखरेख में पूरा किया गया। मौके पर भूलेख विभाग के विशेष कार्याधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह और उप जिलाधिकारी हरि प्रताप सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे। इनके अलावा भूलेख विभाग और नियोजन विभाग के अन्य अधिकारी भी इस दौरान वहां उपस्थित रहे। अधिकारियों की मौजूदगी में ही पूरी प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया।

भूमि पूजन के साथ शुरू हुई रामलीला की तैयारियां

नोएडा। सेक्टर-46 स्थित रामलीला मैदान में शुक्रवार को श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी द्वारा आगामी रामलीला मंचन के लिए विधि-विधान से भूमि पूजन एवं हवन का आयोजन किया गया। भूमि पूजन के पश्चात विधिवत ध्वजारोहण भी किया गया। कार्यक्रम में विधायक पंकज सिंह, भाजपा नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, पूर्व महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता एवं श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल सहित कमेटी के पदाधिकारी एवं शहर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

हवन-पूजन के दौरान सभी ने भगवान श्रीराम से रामलीला के सफल एवं भव्य आयोजन तथा शहरवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। भूमि पूजन एवं ध्वजारोहण के साथ ही सेक्टर-46 के रामलीला मैदान में रामलीला की तैयारियों का विधिवत शुभारंभ हो गया।

श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 11 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक भव्य रामलीला का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन को लेकर मैदान में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और दर्शकों के लिए आकर्षक मंच, सुरक्षा व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

विधायक पंकज सिंह ने कहा, 'रामलीला हमारी सनातन संस्कृति और धार्मिक परंपराओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भगवान श्रीराम के आदर्शों से हमें सत्य, मर्यादा और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। मैं रामलीला कमेटी को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देता हूं और आशा करता हूं कि इस वर्ष भी बड़ी संख्या में शहरवासी रामलीला का आनंद लेंगे।'

श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल ने कहा, 'भूमि पूजन के साथ इस वर्ष की रामलीला की तैयारियों का शुभारंभ हो गया है। कमेटी द्वारा दर्शकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भव्य एवं व्यवस्थित आयोजन की तैयारी की जा रही है। हमारा प्रयास है कि रामलीला के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों और मर्यादा का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे।'

भाजपा नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान ने कहा, 'रामलीला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और संस्कारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे आयोजनों से समाज में एकता, सद्भाव और मर्यादा का संदेश जाता है। श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी द्वारा किए जा रहे इस आयोजन के लिए मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।'

कार्यक्रम के दौरान रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर शहर के विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

उपस्थित मुख्य लोगों में भाजपा नोएडा महानगर के पूर्व अध्यक्ष मनोज गुप्ता, वर्तमान अध्यक्ष महेश चौहान, अमित त्यागी, महेश अवाना, विकास जैन, डॉ वीके गुप्ता, अशोक श्रीवास्तव, डॉ एसपी जैन, धर्मेंद्र चौहान, संजय गोयल, विकास बंसल, राजेंद्र जैन, पूनम सिंह, आलोक गुप्ता ,अशोक गोयल, संदीप अग्रवाल, सी ए मनोज अग्रवाल , गौरव यादव, पीयूष गोयल, सुशील सिंघल, गिरिराज अग्रवाल, प्रज्ञा पाठक शर्मा, राकेश यादव, सतपाल यादव, गणेश जाटव, सपा नेता मनोज चौहान, त्रिलोक शर्मा, गौरव चाचरा, सौरभ गोविल, नरेंद्र चोपड़ा, गौरव चाचरा, संजय जैन, राजीव गर्ग, राजीव त्यागी, वीरेंद्र मेहता, एनपी सिंह, आलोक द्विवेदी, राजकुमार तंवर, रविकांत मिश्रा, प्रदीप, डीके गुप्ता, मूलचंद गुप्ता, भीष्म यादव, ओमवीर अवाना, दीपक बिग, राजकुमार, सुनील जैन, नवीन सोनी, अमित प्रकाश, अमित प्रकाश, प्रदीप अग्रवाल, राजीव सिंघल, ललित शिंगला, ज्ञ.ह गोविल, मनोज अग्रवाल, भूपेंद्र मित्तल, नरेश कुचछल, सतीश अवाना, मनीष सेतिया, समेत शहर के प्रतिष्ठित पत्रकार बंधु भी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

आईफोन-18 के लिए लंबी लाइन, मॉल में भीड़

नोएडा। भारत में शुक्रवार से एपल के नए आईफोन 18 परो और परो मैक्स की बिक्री शुरू हो गई है। नोएडा में स्थित यूपी के इकलौते एपल स्टोर पर सुबह 6 बजे से ही खरीदारों की भीड़ जुटने लगी। 7 बजते-बजते वहां लंबी लाइन लग गई। पंजाब, हरियाणा और उत्तराखंड जैसे बॉर्डर स्टेट से लोग नया आईफोन लेने के लिए नोएडा पहुंच रहे हैं। लॉन्च का पहला दिन होने के कारण सेक्टर-18 स्थित डीएलफ मॉल में बना एपल रिटेल स्टोर तय समय से पहले, यानी सुबह 8 बजे ही खोल दिया गया। स्टोर खुलते ही कर्मचारियों ने तालियां बजाकर ग्राहकों का स्वागत किया। लोगों को बारी-बारी से अंदर जाने दिया गया। लोग आईफोन लेकर बाहर निकले तो नाचते-गाते नजर आए। सबसे पहले आईफोन लेकर बाहर आए युवक ने बताया- मैं पंजाब से आया हूं। हमारे यहां अभी नए फोन की बिक्री शुरू नहीं हुई है, इसलिए मैं पहले दिल्ली गया था। वहां स्टोर पर बहुत ज्यादा भीड़ थी, तो मैंने कैब ली और सीधे नोएडा आ गया। मैं यहां सुबह 6 बजे ही पहुंच गया था और लाइन में सबसे पहला व्यक्ति था। मैंने दो आईफोन18 परो मैक्स खरीदे हैं।

बता दें कि भारत में एपल के कुल 6 आधिकारिक रिटेल स्टोर्स हैं, जिनमें मुंबई में दो और दिल्ली, नोएडा, बेंगलुरु, पुणे में एक-एक स्टोर शामिल हैं। इन 6 स्टोर्स पर सबसे पहले नए आईफोन की बिक्री शुरू हुई। लखनऊ में भी स्टोर्स पर लोगों की भीड़ दिख रही है। लोगों की भीड़ को देखते हुए कंपनी ने स्टोर्स को रात 10 बजे तक खुले रखने का फैसला किया।

गारमेंट कंपनी की चौथी मंजिल पर लगी आग

नोएडा। सेक्टर-63 थाना क्षेत्र स्थित ओम साईं फैशन डिजाइन गारमेंट कंपनी में शुक्रवार सुबह आग लग गई। आग कंपनी की चौथी मंजिल पर लगी थी। सुबह करीब 7:50 बजे सूचना मिलते ही फायर विभाग की टीम मौके पर पहुंची। आग बुझाने के लिए पहले 6 दमकल गाड़ियां भेजी गईं। बाद में 8 गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

सीएफओ प्रदीप कुमार के मुताबिक, सूचना मिली थी कि कंपनी के अंदर कुछ लोग फंसे हुए हैं। दमकल टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की, लेकिन अंदर कोई नहीं मिला। आग चौथी मंजिल तक ही सीमित रही और आसपास की कंपनियों तक नहीं फैली।सीएफओ ने बताया कि शुरुआती जांच में आग की वजह शॉर्ट सर्किट सामने आई है। दमकल कर्मियों ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पूरी तरह बुझा दी। फायर विभाग की टीम ने आग बुझाने के साथ आसपास के हिस्से को भी सुरक्षित किया। हादसे में किसी के झुलसने या जनहानि की सूचना नहीं है। कंपनी में आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

किसान कल लखनऊ कूच करेंगे, महापड़ाव की चेतावनी

नोएडा। चार प्रतिशत अतिरिक्त आबादी भूखंड से वंचित 44 गांवों के करीब 150 किसान 20 सितंबर को लखनऊ जाएंगे। किसानों ने मांगें पूरी होने तक महापड़ाव की चेतावनी दी है। सिरसा गांव के किसान प्रकाश प्रधान ने बताया कि 20 सितंबर की सुबह नौ बजे किसान लखनऊ के लिए रवाना होंगे। वहां मुख्यमंत्री से मुलाकात कर चार प्रतिशत अतिरिक्त आबादी भूखंड से संबंधित अपनी मांगें रखेंगे। किसानों का कहना है कि वे समाधान की उम्मीद लेकर लखनऊ जा रहे हैं। समस्या का समाधान होने के बाद ही वापस लौटेंगे। किसानों ने कहा कि यदि उनकी समस्या को गंभीरता से नहीं सुना गया और उचित समाधान नहीं हुआ तो लखनऊ में ही महापड़ाव डालेंगे। किसानों के अनुसार, लखनऊ जाने वाले दल का नेतृत्व चौधरी लाला प्रधान एवं चौधरी प्रकाश प्रधान (सिरसा), चौधरी मुखिया बीडीसी (डाढा), चौधरी राजेंद्र प्रधान (खानपुर), बलबीर महाश्य (इमलिया), बाबूराम (मथुरापुर), केशव शर्मा (लडपुरा), विजेंद्र बाबू (सैनी) और राकेश नंबरदार (बिरौंडा) सहित अन्य किसान करेंगे।

लापरवाही बरत रही एजेंसी पर जुर्माना

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने सेवन एक्स सेक्टरों में सफाई के मामले में लापरवाही बरत रही एजेंसी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। साथ ही चेतावनी दी है कि वह दो दिन के अंदर सफाई व्यवस्था बेहतर करे। प्राधिकरण के वर्क सर्किल-6 की ओर से पूजा कंसल्टेशन कंपनी पर जुर्माना लगाया गया है। यह कंपनी सड़कों पर मैकेनिकल स्वीपिंग का काम करती है। अधिकारियों ने बताया कि सेवन एक्स एवं एफएनजी मार्ग के एरिया में सेंट्रल वर्ज पर निरीक्षण के दौरान मिट्टी मिली। इससे साफ होता है कि संबंधित स्थानों पर मैकेनिकल स्वीपिंग मशीन के माध्यम से सफाई ठीक ढंग से नहीं की जा रही। इस वजह से काफी गंदगी फैली। इससे पहले भी कई बार संबंधित कंपनी के काम में लापरवाही मिलने पर चेतावनी दी गई थी, लेकिन काम में सुधार नहीं हुआ। यह अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन है। ऐसे में कंपनी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

स्वाइन फ्लू के 29 और मरीजे मिले, तीन अस्पताल में भर्ती

नोएडा। जिले में स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक बीते 24 घंटे में स्वाइन फ्लू के 29 नए रोगियों की पुष्टि हुई। इनमें से तीन रोगी निजी अस्पतालों में भर्ती हैं। जिले में कुल मरीजों की संख्या बढ़कर 433 हो गई है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मदन मोहन मणि त्रिपाठी ने कहा कि स्वाइन फ्लू पीड़ित किसी भी रोगी की मृत्यु नहीं हुई। 371 मरीज इलाज के बाद स्वस्थ हो चुके हैं। वहीं, 62 रोगियों का इलाज चल रहा है। लोगों को स्वाइन फ्लू के बारे में जागरूक किया जा रहा है। स्वाइन फ्लू के लक्षणों में अचानक तेज बुखार और ठंड लगना, लगातार सूखी खांसी, गले में खराश और नाक बहना या बंद होना, पूरे शरीर में तेज दर्द, सिरदर्द और अत्यधिक थकान आदि लक्षण शामिल हैं। बचाव के लिए अपने हाथों की स्वच्छता का ध्यान रखें। भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनें। खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को रुमाल या टिश्यू पेपर से ढकें और बीमार व्यक्तियों से उचित दूरी बनाकर रखें और लक्षण दिखने पर घर पर ही रहें? जिले में डेंगू के रोगियों की संख्या बढ़कर 103 हो गई। वहीं, 24 घंटे में डेंगू के छह नए रोगी मिले। जिला मलेरिया अधिकारी श्रुति कीर्ति वर्मा ने बताया कि इनमें दादरी, सेक्टर-107, सिलीकॉन सिटी, सेक्टर 68, धवलगिरी अपार्टमेंट 34 निवासी मरीज शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

डेटिंग ऐप पर दोस्ती कर फंसाया, फिर पुलिसवाला बनकर 2.15 लाख वसूले

नईदिल्ली, एजेंसी। छावला थाना पुलिस ने वसूली के एक ऐसे रैकेट का भंडाफोड़ किया है, जिसकी महिला सदस्य ने डेटिंग एप के जरिये दोस्ती कर एक शख्स को फरीदाबाद से छावला क्षेत्र के ढांसा मेट्रो स्टेशन बुलाया। यहां पहुंचने पर उसे एक कमरे में ले गई। जहां थोड़ी ही देर बाद पहुंची दो अन्य महिला और पुरुष ने उसे खुद को पुलिसकर्मी बताकर बंधक बना उससे 2.15 लाख रुपये वसूल लिए। पुलिस ने इस मामले में तीनों महिलाओं और उसके पुरुष साथी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि इस दौरान एक महिला ने खुद को पुलिसकर्मी बताया, जबकि उसके पुरुष साथी ने भी खुद को थाने का एसएचओ बताया। आरोपितों के कब्जे से वसूली गई रकम में से 70,500 रुपये बरामद कर लिए हैं। बाकी रकम जिन बैंक खातों में भेजी गई, उन्हें पुलिस ने होल्ड करा दिया है। आरोपितों में सोनीपत निवासी मंदीप (38), गाजियाबाद निवासी प्रीति (32), नजफगढ़ निवासी कमलेश (42) और नजफगढ़ निवासी रितु (40) शामिल है। मंदीप के खिलाफ सोनीपत सिटी थाने में वर्ष 2024 में रंगदारी और धमकी समेत तीन प्राथमिकी और कंझावला थाने में वर्ष 2022 में मारपीट का मामला दर्ज है। कमलेश के खिलाफ द्वारका नार्थ थाने में वर्ष 2023 में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। उपायुक्त कुशलपाल सिंह के अनुसार, 14 सितंबर को मथुरा निवासी 44 वर्षीय चंद्रभान सिंह ने थाने में शिकायत दी थी। पीड़ित फरीदाबाद में सिक्योरिटी गार्ड का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि क्वैकक्वैक डेटिंग एप के माध्यम से उनकी एक महिला से दोस्ती हुई थी। महिला ने उन्हें ढांसा मेट्रो स्टेशन बुलाया। वहां से उन्हें नजफगढ़ स्थित एक मकान में ले जाया गया। वहां दोनों के पहुंचने के कुछ ही देर बाद अचानक से दो महिला और एक पुरुष पहुंच गए और खुद को दिल्ली पुलिस का अधिकारी बताते हुए इसे एक छापामारी बताया और महिला के साथ गलत स्थिति में पकड़े जाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिए जाने की धमकी देकर उनके पास मौजूद 22 हजार रुपये नकदी और अलग-अलग यूपीआई लेन-देन से कुल 2.15 लाख रुपये ले लिए और वहां से चले गए।

इंडिगो का सफर हुआ महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की प्रमुख एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने अपनी कई सेवाओं के शुल्कों में बढ़ोतरी कर दी है। एयरलाइन ने अतिरिक्त सामान, बच्चों के सफर , अकेले यात्रा करने वाले बच्चों की सेवा, प्रायोरिटी चेक-इन और ट्रैवल सर्टिफिकेट के दामों में संशोधन किया है। इन शुल्कों में बदलाव को नियमित समीक्षा प्रक्रिया का हिस्सा बताया जा रहा है। नए संशोधनों के तहत, घरेलू उड़ानों पर एक्स्ट्रा बैगेज का शुल्क 700 रुपये प्रति किलो से बढ़ाकर 800 रुपये प्रति किलो कर दिया गया है, यानी यात्रियों को अब हर अतिरिक्त किलोग्राम पर 100 रुपये अधिक चुकाने होंगे। इसके अलावा, तीन दिन से दो साल तक के बच्चों के सफर का शुल्क 2,000 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये कर दिया गया है। अकेले यात्रा करने वाले बच्चों की सेवा शुल्क में भी इजाफा हुआ है, जो घरेलू उड़ानों के लिए 5,000 रुपये से बढ़कर 5,999 रुपये और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 12,999 रुपये तय किया गया है। वहीं, प्रायोरिटी चेक-इन और बोर्डिंग के लिए घरेलू एयरपोर्ट पर अब 450 रुपये के बजाय 650 रुपये और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 850 रुपये देने होंगे। इसके साथ ही, ट्रैवल सर्टिफिकेट का शुल्क भी 200 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये कर दिया गया है।

आईजीआई एयरपोर्ट पर हैंड बैगेज यात्रियों के लिए एक्सप्रेस एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। आईजीआई एयरपोर्ट पर केवल हैंड बैगेज या बिना किसी सामान के यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक नई और समर्पित सुविधा की शुरुआत की है। इस विशेष सेवा का औपचारिक उद्घाटन दिल्ली एयरपोर्ट के डिप्टी सीईओ मनोमय राय द्वारा टर्मिनल-1 के गेट नंबर 5 पर रिबन काटकर किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य टर्मिनल के प्रवेश द्वारों पर लगने वाली भीड़ को कम करना और हल्के सामान के साथ सफर करने वाले यात्रियों की आवाजाही को अधिक तेज और सुगम बनाना है इस नई व्यवस्था के तहत आईजीआई एयरपोर्ट के तीनों प्रमुख टर्मिनलों पर केवल केबिन बैग वाले यात्रियों के लिए समर्पित एंट्री गेट निर्धारित किए गए हैं। इसके अंतर्गत टर्मिनल-1 पर गेट नंबर 5, टर्मिनल-2 पर गेट नंबर 1 और टर्मिनल-3 पर गेट नंबर 2 को एक्सप्रेस लेन के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

दक्षिण दिल्ली की 420 किमी सड़कों पर एआई का पहरा, जाम और हादसों से मिलेगी मुक्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली में जाम और सड़क हादसों को कम करने के लिए 420 किमी से अधिक सड़क नेटवर्क का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) आधारित ट्रैफिक और सुरक्षा आडिट कराया जाएगा। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) इस अध्ययन के जरिये यह पता लगाएगा कि किन सड़कों और चौराहों पर सबसे ज्यादा जाम रहता है, कहां यातायात की रफ्तार प्रभावित होती है और किन स्थानों पर हादसों का खतरा अधिक है। करीब 270 सड़कें आएंगी। इनमें बाहरी रिंग रोड, रिंग रोड, महरौली-बदरपुर रोड, लाला लाजपत राय मार्ग, हंसराज गुप्ता मार्ग, अरबिंदो मार्ग और महाराजा अग्रसेन मार्ग जैसी प्रमुख सड़कें शामिल हैं। इसके लिए करीब 3.5 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से सलाहकार नियुक्त करने की योजना है। अध्ययन के आधार पर जाम वाले स्थानों और अधिक दबाव वाले मार्गों के लिए छोटी अवधि में किए जा सकने वाले सुधारों की सूची तैयार की जाएगी। इसमें ट्रैफिक प्रबंधन, सड़क व्यवस्था में बदलाव और कम लागत वाले इंजीनियरिंग कार्य शामिल होंगे। साथ ही हर काम को प्राथमिकता देने और उसकी अनुमानित लागत बताने

की योजना है। जहां जरूरत होगी, वहां नए फ्लाईओवर, अंडरपास या एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने की जरूरत भी देखी जाएगी। इसके लिए संबंधित सड़कों पर यातायात की मौजूदा स्थिति और भविष्य में बढ़ने वाले दबाव का अध्ययन किया जाएगा। सड़क सुरक्षा के तहत पीडब्ल्यूडी यह भी देखेगा कि किन सड़कों पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी है और कहां इसकी जरूरत है। हादसे या किसी अन्य घटना का अपने आप पता लगाने वाली व्यवस्था की संभावनाएं भी तलाशी जाएंगी।

लुटियंस दिल्ली में मियावाकी तकनीक से हरियाली बढ़ाने का लक्ष्य, निर्मला सीतारमण ने किया परियोजना का शुभारंभ

नई दिल्ली, एजेंसी। एमसीडी द्वारा 22 स्थानों पर मियावाकी तकनीक से दो से तीन वर्षों में ही सघन वन विकसित करने के बाद नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) भी इस तकनीक का उपयोग करेगी। इसकी शुरुआत एनडीएमसी ने लोधी कालोनी स्थिति पार्क से की। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोधी कॉलोनी में मियावाकी तकनीक से बनाए जा रहे भारत वन में अशोक का पौधा लगाकर वृक्षारोपण की शुरूआत की। एनडीएमसी चेयरमैन के मनोज द्विवेदी के अनुसार तकनीक के उपयोग से लुटियंस दिल्ली के हरित क्षेत्र को 47 प्रतिशत से बढ़ाकर 51 प्रतिशत किया जाएगा। लोधी कॉलोनी के इस एक एकड़ के पार्क में 776 पौधे लगाए जाएंगे। इस मियावाकी तकनीक से पौधे बहुत तेजी से बढ़ते हैं। दो से तीन वर्षों में पेड़ों की लंबाई से 15-20 फिट तक हो जाती है। इससे

हरित क्षेत्र को विकसित करन में मदद मिलती है। इस अवसर पर निर्मला सीतारमण ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी की जन्मतिथि को सेवा दिवस के रूप में मनाते हुए मियावाकी वन विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रजातियों का रोपण कर एक सघन एवं हरित शहरी वन विकसित करना है।

दिल्ली-मुंबई से बेंगलुरु तक आईफोन 18 प्रो के लिए जबरदस्त दीवानगी, एपल स्टोर के बाहर रात से ही लगी लंबी लाइन

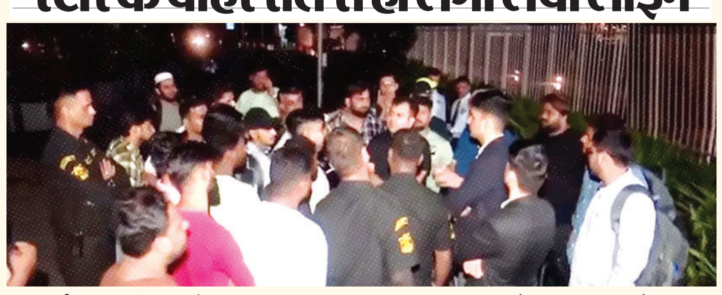

नई दिल्ली, एजेंसी। आईईफोन 18 प्रो और आईफोन 18 प्रो मैक्स की बिक्री शुरू होने से पहले ही दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु के ऐपल स्टोर के बाहर लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कई ग्राहक रात से ही कतार में खड़े होकर नए मॉडल को सबसे पहले खरीदने का इंतजार कर रहे थे। दिल्ली के साकेत स्थित सेलेक्ट सिटीवॉक मॉल के ऐपल स्टोर के बाहर सुबह जल्दी से ही लोगों का जमावड़ा शुरू हो गया। एक ग्राहक अजय ने बताया कि उन्होंने 18 प्रो मैक्स 1 टीबी मॉडल पहले से प्री-बुक कर रखा है और सबसे पहले लेने के लिए इंतजार कर रहे हैं। फिलहाल वे 17 प्रो इस्तेमाल कर रहे हैं और नए फीचर्स का इंतजार है। एक अन्य ग्राहक सूरज चौहान, जो यूट्यूब पर टेक रिव्यू चैनल चलाते हैं, उसने कहा कि मेरा यूट्यूब चैनल सूरज चौहान के नाम से है। मुझे फोन में काफी रुचि है। पिछली बार 17 प्रो खरीदा था, इस बार 18 प्रो मैक्स लेने आया हूं। कई लोग इसका इंतजार कर रहे हैं। कैमरा और क्वालिटी में सुधार होना चाहिए। मुंबई में एक ग्राहक ने कहा कि हम पूरी रात यहां खड़े रहे हैं। हम बहुत उत्साहित हैं। हमारे पास बारकोड नहीं है, फिर भी हम लाइन में खड़े हैं। वहीं, नासिक से आए ग्राहक हितेश पटेल ने कहा कि मैं नासिक से यहां आया हूँ। हम कल रात 10 बजे से लाइन में लगे हुए हैं। मुझे सुबह 8 बजे का पहला स्लॉट मिला है। इसके बाद हमें अपना प्रोडक्ट मिल जाएगा। मैं हर साल अपना मोबाइल बदलता हूँ। अभी मेरे पास 17 है।

गैंगवार या पुरानी रंजिश, जिम ट्रेनर विजय कुमार हत्याकांड के फरार शूटरों की हुई पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के आया नगर में जिम ट्रेनर विजय कुमार की 18 गोलियां मारकर हत्या करने वाले तीन शूटरों की दिल्ली पुलिस ने पहचान कर ली है।

अंकुश, निखिल उर्फ गप्पू व दीपक नाम के शूटर आया नगर के ही रहने वाले हैं। वारदात में शामिल एक मुख्य शूटर की सीसीटीवी कैमरों से पहचान नहीं हो पाई है। जिन शूटरों की पहचान हुई है वे सभी अपने-अपने घरों से फरार हैं।

आरोपियों का पता लगाने में जुटी पुलिस

दक्षिण जिला पुलिस के अलावा स्पेशल सेल व क्राइम ब्रांच की कम से कम 10 टीमें तीनों की तलाश में दिल्ली, यूपी, हरियाणा व राजस्थान आदि राज्यों में उनके सभी संभावित ठिकानों पर लगातार छापामारी कर रही हैं। पुलिस इनके स्वजन को हिरासत में लेकर ठिकाने के बारे में पता लगाने में जुटी हैं। पुलिस को शक है कि इस घटना के बाद आया नगर में एक बार फिर गैंगवार जैसी स्थिति भी पैदा हो सकती है।

बताया कि वारदात के दिन ही विदेश में छिपे हिमांशु उर्फ भाऊ के नाम से सोशल मीडिया पोस्ट में हत्या की जिम्मेदारी लेने की बात सामने आई थी। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि हिमांशु के नाम से पोस्ट उसी ने की थी अथवा उसके नाम पर किसी अन्य ने पोस्ट किया था। मृतक के स्वजन ने दूसरे पक्ष के फरीदाबाद के रहने वाले रिश्तेदार कमल (अरुण लोहिया का मामा) और आया नगर के रोहित पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस इस

बारे में जानकारी जुटा रही है। बता दें कि आया नगर गांव में हंसा चौक के पास जिम ट्रेनर विजय कुमार की सोमवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने घटनास्थल से 18 खोखे और एक कारतूस बरामद किया था। 15 मई 2025 को रतनलाल के बेटे दीपक ने लेनदेन की रंजिश में आया नगर के रहने वाले अरुण लोहिया नामक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने दीपक के साथ ही योगेश और अजय को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। अरुण लोहिया का मामा कमल गैंग्सटर नीरज फरीदपुरिया का करीबी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, कमल ने नीरज फरीदपुरिया से भांजे की मौत का बदला लेने के लिए शूटरों का इंतजाम करने को कहा था। उनकी योजना दीपक की हत्या करने की थी, पर वह जेल में था। कमल के कहने पर ही नीरज फरीदपुरिया ने रणदीप भाटी से संपर्क कर तीन शूटरों को सुपारी देकर दीपक के पिता रतनलाल की 30 नवंबर 2025 को हत्या करा दी थी। उन लोगों को शक था कि अरुण की हत्या में सिर्फ अजय ही नहीं, उसका बड़ा भाई विजय भी शामिल था।

युवराज हत्याकांड: कार में 7 घंटे तक लाश लेकर घूमता रहा कपल, नाले में फेंका; पूर्व सहकर्मी और पति गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के लाजपत नगर मार्केट से 6 सितंबर को लापता हुए सरिता विहार निवासी 31 वर्षीय युवराज सिंह मनचंदा की हत्या मामले में हैरान करने वाले तथ्य आए हैं।

पुलिस ने युवराज की पूर्व ऑफिस सहकर्मी अन्या वत्स और उसके साथी संयम सचदेवा को उत्तराखंड से गिरफ्तार किया है। दोनों को साकेत कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें पांच दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। पुलिस अब हत्या की वजह और वारदात की पूरी कड़ी जोड़ने में जुटी है।

14 सितंबर को अंतिम संस्कार किया

बता दें कि गुरुग्राम के बादशाहपुर थाना क्षेत्र स्थित सेक्टर-70 में नाले से 10 सितंबर की सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का सड़ा-गला शव बरामद हुआ था, जिसकी शिनाख्त नहीं हो पायी थी। पोस्टमॉर्टम के बाद आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर गुरुग्राम पुलिस ने अज्ञात मानते हुए 14 सितंबर को शव का अंतिम संस्कार भी करा दिया था।

दक्षिणी पूर्वी जिला पुलिस के मुताबिक, फरीदाबाद के एक निजी अस्पताल में चिकित्सक युवराज की बड़ी बहन हरसिमरन मनचंदा ने 11 सितंबर को लाजपत नगर थाने में उसके लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी।

परिजनों ने पहचान की

16 सितंबर को दिल्ली पुलिस के माध्यम से परिवार को पता चला कि गुरुग्राम के बादशाहपुर थाना क्षेत्र में एक अज्ञात शव बरामद हुआ था। बादशाहपुर थाने के जांच अधिकारी ने शव की तस्वीर और अन्य विवरण जिप नेट पोर्टल पर अपलोड किए थे। तस्वीर और शव के पास मिले सामान के आधार पर परिजनों ने युवराज की पहचान की।

मोबाइल फोन बंद मिला

पुलिस के मुताबिक, युवराज सिंह मनचंदा 6 सितंबर को अपनी बहन के साथ लाजपत नगर के सेंट्रल मार्केट में शॉपिंग करने गए थे और शाम करीब चार बजे अपनी बहन से मीटिंग की

बात कहकर गुरुग्राम चले गए। देर रात तक न लौटने पर परिजनों ने संपर्क किया तो उनका मोबाइल फोन बंद मिला। बहन ने 11 सितंबर को गुमशुदगी दर्ज कराई।

केस दर्ज कर पुलिस ने युवराज के मोबाइल से जुड़े सीडीआर और आईपीडीआर रिकॉर्ड की जांच की। इसमें पता चला कि लापता होने से पहले युवराज ने अपनी पूर्व ऑफिस सहकर्मी अन्या वत्स से बात की थी। परिजनों ने भी इसकी पुष्टि की।

लोकेशन उत्तराखंड में मिली

इस पर पुलिस ने अन्या को खोजना शुरू किया, पर उसका फोन भी बंद मिला। युवराज और अन्या के आफिस से जुड़े लोगों से भी जानकारी जुटाई गई। इस दौरान पुलिस को पता चला कि अन्या एक नए मोबाइल नंबर का इस्तेमाल कर रही है, जिसकी लोकेशन उत्तराखंड में मिली। पुलिस टीम उत्तराखंड पहुंची। अन्या वत्स व उसके साथी संयम सचदेवा को ट्रेस कर पकड़ लिया और दिल्ली लाई।

वहीं, पूछताछ में अन्या और संयम ने युवराज की हत्या की बात स्वीकार की। दोनों ने शव को गुरुग्राम में उनके घर के पास एक नाले में फेंक दिया गया था। दिल्ली पुलिस ने गुरुग्राम पुलिस से संपर्क किया।

शव की तस्वीरें जब परिजनों को दिखाई

पता चला कि 10 सितंबर को गुरुग्राम के बादशाहपुर थाना क्षेत्र में एक नाले से अज्ञात शव बरामद हुआ था। पुलिस ने बरामद शव की तस्वीरें जब परिजनों को दिखाई तो उन्होंने मृतक की पहचान युवराज सिंह मनचंदा के रूप में की।

पुलिस का कहना है कि अब तक की जांच और जुटाए गए सबूतों के आधार पर अन्या वत्स और संयम सचदेवा की युवराज की हत्या और उसके शव को ठिकाने लगाने में प्रथम दृष्टया भूमिका सामने आई है। हत्या के कारणों को लेकर दोनों से पूछताछ की जा रही है।

ट्रांसजेंडर और सेक्स वर्करों के लिए 23-24 सितंबर को लगाए जाएंगे विशेष शिविर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान बेघर लोगों, ट्रांसजेंडर और सेक्स वर्करों को मतदाता सूची में शामिल करने के लिए विशेष शिविर लगाए जाएंगे। दिल्ली के 13 जिलों में ये शिविर 23 और 24 सितंबर को शाम पांच से रात नौ बजे तक डयूसिब के रैन बसेरों और दूसरे चिन्हित स्थानों पर लगाए जाएंगे।

ट्रांसजेंडर और सेक्स वर्करों तक पहुंचने के लिए उनके साथ काम करने वाले एनजीओ की मदद ली जाएगी। शिखिर में बूथ लेवल आफिसर (बीएलओ) भी मौजूद रहेंगे। अधिकारियों के मुताबिक इन लोगों को पहचान, पते और जरूरी दस्तावेज देने में कई बार परेशानी होती है। बेघर लोगों के पास स्थायी पता, पारिवारिक रिकॉर्ड या दूसरे जरूरी दस्तावेज नहीं होने से उनकी जानकारी सत्यापित करने में भी दिक्कत आती है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने कहा है कि जो व्यक्ति किसी इलाके का सामान्य निवासी है, उसका नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। अधिकारियों को चुनाव आयोग के मैनुअल ऑफ इलेक्ट्रोरल रोल्स-2023 के मुताबिक इन आवेदनों पर प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। ऑनलाइन फार्म जमा करने को प्रोत्साहित करने के साथ आवेदकों से फिजिकल फार्म भी

लेने को कहा गया है। गौरतलब है कि 31 अगस्त को जारी ड्राफ्ट मतदाता सूची में दिल्ली में 97,53,577 मतदाता हैं। इनमें 49,88,993 पुरुष और 47,64,137 महिला वोटर हैं। वहीं, 2025 विधानसभा चुनाव के दौरान मतदाता सूची में 1,55,24,858 वोटर थे। ड्राफ्ट सूची में थर्ड जेंडर वोटरों की संख्या भी 1,261 से घटकर 447 रह गई है। ड्राफ्ट सूची से छूटे पात्र मतदाता 30 सितंबर तक फार्म छह के जरिए अपना नाम जोड़ने के लिए दावा कर सकते हैं।

दावे और आपत्तियों के निपटारे की प्रक्रिया 29 अक्टूबर तक दावे और आपत्तियों के निपटारे की प्रक्रिया 29 अक्टूबर तक चलेगी। अंतिम मतदाता सूची चार नवंबर को जारी होगी। इसके अलावा 20 और 27 सितंबर को दिल्ली के सभी मतदान केंद्रों पर सुबह 10 से शाम पांच बजे तक सामान्य विशेष शिविर लगाए जाएंगे।

अगले वर्ष से छठवीं कक्षा के लिए त्रि-भाषा नीति लागू करने पर विचार करे सीबीएसई: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षा व्यवस्था में एक संवेदनशील और दूरगामी कदम उठाते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से आग्रह किया है कि वह छठवीं कक्षा के छात्रों के लिए त्रि-भाषा नीति को आगामी शैक्षणिक सत्र 2027 से लागू करने पर गंभीरता से विचार करे। कोर्ट ने यह टिप्पणी बच्चों के मानसिक सुकून और उनकी पढ़ाई में बिना किसी रुकावट के सहज बदलाव को ध्यान में रखते हुए की है। कोर्ट का यह सुझाव न केवल शिक्षाविदों बल्कि अभिभावकों के बीच भी चर्चा का केंद्र बन गया है। न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि बच्चों को राहत देने के उद्देश्य से इस नीति को अगले शैक्षणिक सत्र से लागू किया जाना चाहिए। हालांकि, यदि वर्तमान छठवीं कक्षा के छात्र स्वेच्छा से इस वर्ष से ही तीन भाषाएं पढ़ना चाहें, तो उनके लिए यह विकल्प खुला रहना चाहिए। मामले की सुनवाई के दौरान सीबीएसई की ओर से पेश अडिशनल सालिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी ने इस सुझाव पर

सकारात्मक रुख अपनाते हुए संबंधित अधिकारियों से विचार-विमर्श करने और बुधवार तक अपना जवाब कोर्ट के समक्ष रखने की बात कही है। सीबीएसई ने सुप्रीम कोर्ट को अवगत कराया कि संबद्ध स्कूलों में त्रि-भाषा ढांचे को सुचारू रूप से लागू करने और उसकी निगरानी के लिए 16 सितंबर को एक विशेष समिति का गठन किया गया है। वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

'बॉल-टैम्परिंग' की घटना कभी-कभी दिमाग में आ जाती है: स्टीव स्मिथ

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम 2018 के बाद पहली बार टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर जाने वाली है। सीरीज से पहले टीम के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ ने कहा है कि उन्हें 2018 दौरे के दौरान हुई बॉल-टैम्परिंग की घटना अभी भी कभी-कभी दिमाग में आ जाती हैं। हालांकि, स्मिथ इस बात को लेकर चिंतित नहीं है कि दक्षिण अफ्रीका में उनका स्वागत किस तरह होगा। मार्च 2018 में केप टाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट के दौरान हुए विवाद में स्मिथ मुख्य लोगों में से एक थे। सैंडपेपर का इस्तेमाल

करके गेंद की हालत बदलने की योजना में शामिल होने की बात मानने के बाद उन्हें टीम की कप्तानी से हटाते हुए घर भेज दिया गया था और एक साल के लिए किसी भी तरह की क्रिकेट से निलंबित कर दिया गया था। स्मिथ के साथ ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर पर भी एक साल का बैन लगाया गया था। कैमरन बैनक्रॉफ्ट को नौ महीने के लिए निलंबति किया गया था। उस दौरे के लगभग आठ साल बाद, स्मिथ 9 अक्टूबर से डरबन में शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ दक्षिण अफ्रीका दौरे की तैयारी कर रहे हैं। स्मिथ ने कहा, 'निलंबन से जुड़ी घटनाओं को पूरी तरह भूलना मुश्किल है। दक्षिण अफ्रीका छोड़ने के बाद मीडिया में उन्हें जबरदस्त चर्चा मिली थी।' दिग्गज बल्लेबाज ने गुरुवार को न्यूज कॉर्प को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'मैं कैमरों का बहुत बड़ा फैन नहीं हूं।

एसटीसीएल क्रिकेट लीग के लिए चंडीगढ़ में ट्रायल, 199 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतन शर्मा के नेतृत्व में महाजन क्रिकेट ग्राउंड में हुए ट्रायल, चुने गए खिलाड़ियों का पूरा खर्च उठाएगी लीग चंडीगढ़। सैल्यूट तिरंगा क्रिकेट लीग (एसटीसीएल) के लिए गुरुवार को चंडीगढ़ के महाजन क्रिकेट ग्राउंड में क्रिकेट ट्रायल आयोजित किए गए। लीग आयुक्त और पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतन शर्मा के नेतृत्व में ट्रायल का सफल संचालन किया गया। ट्रायल में कुल 199 क्रिकेट खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर अशोक मल्होत्रा ??के अलावा पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी सुभाष

महाजन, शरणजीत सिंह, तेजिंदर सिंह (तेजी), सुखविंदर बावा और वरिंदर चोपड़ा भी मौजूद रहे। एसटीसीएल का उद्देश्य प्रतिभाशाली क्रिकेट खिलाड़ियों को नया मंच और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। लीग के लिए खिलाड़ियों से चयन ट्रायल का कोई पंजीकरण शुल्क नहीं लिया गया। पूरे राज्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को लीग में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देने के लिए चयन ट्रायल आयोजित किए जा रहे हैं। लीग में कुल आठ टीमें हिस्सा लेंगी और प्रत्येक टीम को तीन लीग मैच खेलने का अवसर मिलेगा। लीग के सभी मैच सोनी लिव और डीडी स्पोर्ट्स पर सीधे प्रसारित किए जाएंगे।

चयनित खिलाड़ियों के आने-जाने, रहने और खाने का खर्च लीग उठाएगी- एसटीसीएल के लिए चयनित सभी खिलाड़ियों के घर से उदयपुर स्थित मिराज इंटरनेशनल स्टेडियम तक आने-जाने का इंतजाम लीग की ओर से किया जाएगा। खिलाड़ियों को वातानुकूलित ट्रेन से उदयपुर लाया और वापस घर पहुंचाया जाएगा।

अभिषेक का तूफानी शतक

तीसरा टी20: अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी जीत, सीरीज में 3-0 से 'क्लीन स्वीप'

नई दिल्ली। भारत ने गुरुवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए टी20 सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच में 127 रन से ऐतिहासिक जीत हासिल की। इसी के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 3-0 से 'क्लीन स्वीप' किया। यह टी20 इतिहास में भारत की अफगानिस्तान के खिलाफ सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले, 8 सितंबर 2022 को टीम इंडिया ने अफगानिस्तान को 101 रन के अंतर से हराया था। इस फॉर्मेट में भारत ने सबसे बड़ी जीत 1 फरवरी 2023 को न्यूजीलैंड के खिलाफ दर्ज की है, जब उसने कीवी टीम को 168 रन से रौंदा था। यह अफगानिस्तान के लिए भी टी20 इतिहास में रनों के अंतर से सबसे बड़ी हार है। भारत ने सीरीज का पहला मैच 7 विकेट से अपने नाम किया था।

इसके बाद मंगलवार को खेले गए मैच में भी टीम इंडिया ने इतने ही अंतर से जीत हासिल की थी। गुरुवार को टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने अभिषेक शर्मा और संजू सैसमन की तूफानी पारियों के दम पर 221/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया।

दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 9.5 ओवरों में 142 रन की साझेदारी की। अभिषेक 34 गेंदों में 11 छक्कों और 9 चौकों को साथ 108 रन बनाकर आउट हुए

अभिषेक शर्मा ने मचाई तबाही, टी20 इंटरनेशनल में लगाया सबसे तेज शतक

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीसरा टी20 इंटरनेशनल मुकाबला अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। अभिषेक शर्मा ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए इतिहास रच दिया है। अभिषेक टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में टेस्ट खेलने वाले देशों में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। अभिषेक ने तीसरे टी20 में आतिशी बल्लेबाजी करते हुए 30 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। अभिषेक फुल मेंबर देशों की तरफ से टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बने हैं। अभिषेक ओवरऑल क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में तीसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने हैं। टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज सेंचुरी लगाने का रिकॉर्ड साहिल चौहान के नाम है, जिन्होंने एस्टोनिया की तरफ से खेलते हुए साइप्रस के खिलाफ 27 गेंदों में शतक लगाया था। वहीं, तुर्की के बल्लेबाज मोहम्मद फहद ने बुल्गारिया के खिलाफ 29 गेंदों में शतक लगाया था। अभिषेक ने अपनी तूफानी पारी के दौरान खेली 34 गेंदों में 108 रन बनाए।

अय्यर ने दिखाया बड़ा दिल

ट्रॉफी के साथ तस्वीर के लिए अफगान कप्तान जादरान को बुलाया

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम ने गुरुवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले में अफगानिस्तान को 127 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही अफगानिस्तान की मेजबानी में आयोजित 3 टी20 मैचों की सीरीज भारतीय टीम ने 3-0 से जीत ली। खिताब जीतने के बाद भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने कुछ ऐसा किया जिसने भारत और अफगानिस्तान दोनों देशों के करोड़ों क्रिकेट फैंस का दिल जीत लिया। भारतीय टीम सीरीज जीतने के बाद जब ट्रॉफी के साथ ग्रुप फोटो ले रही थी, तो टीम इंडिया के सभी खिलाड़ी ट्रॉफी के साथ तस्वीर लेने के लिए रोमांचित नजर आ रहे थे। इसी बीच भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने अफगानिस्तान के कप्तान इब्राहिम जादरान को भी तस्वीर के लिए बुलाया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीर में जादरान, श्रेयस अय्यर और नितीश कुमार रेड्डी के बीच खड़े होकर तस्वीर खींचवा रहे हैं।

ट्रॉफी लेने के समय भी अय्यर ने जादरान को बुलाया था। नई दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेली गई 3 टी20 मैचों की सीरीज का मेजबान अफगानिस्तान था। नए कप्तान इब्राहिम जादरान के नेतृत्व में अफगानिस्तान का सीरीज में बेहद खराब प्रदर्शन रहा। टीम ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी में निराश किया और तीनों ही टी20 बुरी तरह हारी। इसी के साथ भारत के खिलाफ अफगानिस्तान की पहली जीत का इंतजार बरकरार रहा।

एशियन गेम्स: भारतीय टीम ने जापान को 8 विकेट से रौंदा

सेमीफाइनल में बांग्लादेश से होगा मुकाबला

निशिन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शुक्रवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जापान को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने उम्मीद के मुताबिक जापान पर एकतरफा जीत हासिल की। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। टीम के गेंदबाजों ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के फैसले को सही साबित किया और जापान को 19.5 ओवर में मात्र 57 रन पर समेट दिया।

जापान की तरफ से सलामी बल्लेबाजों हारुना इवासाकी और अयाका काटो स्टेफॉर्ड को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने खड़ी नहीं हो सकी। इवासाकी ने 22 गेंदों पर 10 और अयाका ने 47 गेंदों पर 25 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज दो अंकों में प्रवेश नहीं कर सकीं।

भारत की तरफ से श्री चरणी ने एक बार फिर बेहतरीन गेंदबाजी की और 4 ओवर में मात्र 10 रन देकर 4 विकेट हासिल किया। शेफाली वर्मा ने 2 विकेट लिए। श्रेयांका पाटिल और दीप्ति शर्मा को 1-1 विकेट मिला।

58 रन का स्कोर भारतीय टीम ने मात्र 5 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 59 रन बनाकर हासिल कर लिया। ओपनर शेफाली वर्मा मात्र 15 गेंदों पर 2 छक्के और 6 चौकों की मदद से 40 रन बनाकर रहीं।

मुखुहलानी बने आईसीसी के नए डिप्टी चेयरमैन

जय शाह ने दी बधाई

दुबई । टावेंगवा मुखुहलानी को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) का डिप्टी चेयरमैन नियुक्त किया गया है। वह नवंबर 2027 तक इस पद पर रहेंगे। मुखुहलानी, जो इस समय जिम्बाब्वे क्रिकेट के चेयरमैन हैं और आईसीसी बोर्ड में अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हैं, इमरान ख्वाजा के पद छोड़ने के बाद यह नई जिम्मेदारी संभालेंगे। मुखुहलानी आईसीसी की

फाइनेंस एंड कमर्शियल अफेयर्स (एफ एंड सीए) कमेटी और नॉमिनेशन कमेटी के सदस्य हैं। इसके अलावा, वह आईसीसी की एचआर और रेमुनरेशन कमेटी के प्रमुख भी हैं। अब डिप्टी चेयरमैन का पद संभालकर वह आईसीसी के इस अहम पद पर पहुंचने वाले पहले जिम्बाब्वेवासी बन जाएंगे।

मनीषा को एशियन गेम्स 2026 में दमदार प्रदर्शन का भरोसा

'शिद्दत से काम करो और दिल से चाहो तो कैसे नहीं होगा'

नई दिल्ली । भारतीय रेसलर मनीषा एशियन गेम्स 2026 में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उनके सामने एक नई चुनौती है क्योंकि उन्होंने 62 किलोग्राम कैटेगरी से 57 किलोग्राम कैटेगरी में बदलाव किया है। इस बदलाव के दौरान उन्होंने अपनी ताकत और तकनीक को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया है, साथ ही दोनों तरह के स्टांस (मुद्रा) से रेसलिंग करने की काबिलियत विकसित करके अपने खेल में बड़ा बदलाव किया है। मनीषा ने कहा, 'मैं पहले ज्यादातर दाईं ओर से खेलती थी, लेकिन अब मैंने बाईं ओर से भी खेलना शुरू कर दिया है। मैं दोनों स्टांस पर काम करने की कोशिश कर रही हूं क्योंकि मैं दोनों तरफ से खेलने में सहज महसूस करना चाहती हूं।

मैं अपनी ताकत और तकनीक पर काम कर रही हूं, लेकिन सबसे जरूरी बात अपनी सोच बदलना और नई कैटेगरी के हिसाब से खुद को ढालना भी है।' मनीषा के लिए एशियन गेम्स का खास महत्व है, क्योंकि यह इन खेलों में उनकी पहली भागीदारी होगी। कुछ समय से भारत का प्रतिनिधित्व करने के बाद, उनका कहना है कि इतने बड़े स्तर के इवेंट में मुकाबला करने का मौका एक अलग तरह का उत्साह लाता है, जबकि उनका लक्ष्य सीधा है – मैट पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना।

उन्होंने आगे कहा, 'मैं कुछ समय से भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हूं, लेकिन एशियन गेम्स भारत के लिए खास हैं।

रोहित शर्मा के शो में पहुंचे शिखर धवन, हिटमैन ने कहा- वाई फिकर

वैन आई हैव शिखर

मुंबई । भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा वेब रियलिटी गेम शो 'फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा' में बतौर होस्ट के तौर पर नजर आएंगे। शो में उनके साथ कई जाने-माने क्रिकेटर और अन्य सितारे मस्ती करते नजर आएंगे। आगामी एपिसोड में रोहित शर्मा ने अपने पुराने दोस्त और पूर्व ओपनिंग पार्टनर शिखर धवन का गर्मजोशी, यादों और दोस्ती से भरे अंदाज में स्वागत किया। एपिसोड की शुरुआत में रोहित शर्मा ने मजाकिया लहजे में स्वागत किया और कहा कि सभी लोग बगीचे में खिले फूलों की तरह फ्रेश लग रहे हैं और बताया कि वह खुद भी आज कुछ ज्यादा ही फ्रेश महसूस कर रहे हैं क्योंकि उनका कोई बहुत करीबी मित्र आने वाला है।

एशियन गेम्स और विश्व चैंपियनशिप से पहले

भारतीय जुडोकाओं को जापान में मिलेगा ट्रेनिंग एक्सपोजर

नई दिल्ली । स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) एशियन गेम्स 2026 और बाकू में होने वाली विश्व जूडो चैंपियनशिप की तैयारियों के तहत भारत की सीनियर जूडो टीम के लिए जापान की त्सुकुबा यूनिवर्सिटी में विदेशी प्रशिक्षण शिविर की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। 14 सदस्यों का एक भारतीय दल 2 अक्टूबर तक सुकुबा यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल ट्रेनिंग (प्री-गेम्स) प्रोग्राम में हिस्सा ले रहा है, जिसमें 11 जूडो खिलाड़ी (1 पुरुष और 10 महिला एथलीट) और 3 कोच शामिल हैं। इन 11 जूडो खिलाड़ियों में से तीन, अस्मिता डे (महिला -48 किग्रा), यामिनी मौर्य (महिला -57 किग्रा) और तखेलंबम इनुंगनबी (महिला -70 किग्रा) एशियन गेम्स की टीम का हिस्सा हैं।

अस्मिता 30 सितंबर को मुकाबला करेंगी, जबकि यामिनी और इनुंगनबी 1 अक्टूबर को नागोया के आइची इंटरनेशनल एरिना (आईजी एरिना) में मैट पर उतरेंगी।

विदेश में ट्रेनिंग का यह कैंप इंटरनेशनल कैलेंडर के एक अहम पड़ाव पर हो रहा है, क्योंकि आइची-नागोया में एशियन गेम्स के ठीक बाद 4 से 11 अक्टूबर तक बाकू में विश्व जूडो चैंपियनशिप होगी। बाकू टूर्नामेंट में कुल 10 जूडो खिलाड़ी (1 पुरुष और 9 महिलाएं) हिस्सा ले रहे हैं।

सुकुबा यूनिवर्सिटी में फिलहाल ट्रेनिंग लेने वालों में पुरुषों में हर्ष सिंह (60 किग्रा) शामिल हैं, जबकि महिला स्क्वाड में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की गोल्ड मेडलिस्ट अस्मिता डे (48 किग्रा), श्रद्धा चोपड़े (52 किग्रा), एल. नुंगशिथोई चानू (52 किग्रा), यामिनी मौर्य (57 किग्रा), लिंथोई चानंबम (63 किग्रा), उन्नति शर्मा (63 किग्रा), हिमांशी टोकस (63 किग्रा), तखेलंबम इनुंगनबी (70 किग्रा), केएच ताइबंगनबी (70 किग्रा) और इशरूप नारंग (78 किग्रा) शामिल हैं। कोचिंग स्टाफ में जीवन कुमार शर्मा, बिरेंद्र सिंह और राजविंदर कौर शामिल हैं।